रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

हर खबर पर पहली नजर

www.vananchaleye@gmail com

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:26 | शुक्रवार,26 सितम्बर

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रपति ने किये बांके बिहारी के दर्शन

एजेंसी

लखनऊ : महाराजा एक्सप्रेस से गुरुवार सुबह मथुरा के वृंदावन पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वह निधिवन पहुंचीं। यहां वृक्षों की पूजा की। इस बीच उनके दौरे को लेकर स्थानीय पुलिस पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद और सतर्क है। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार सुबह 8 बजे दिल्ली से रवाना हुईं थीं । करीब डेढ़ घंटे बाद यानी 10 बजे वृंदावन रोड रेलवे स्टेशन पहुंचीं। ट्रेन के 18 में से 12 कोच राष्ट्रपति और उनके स्टाफ के लिए रिजर्व रखे गए थे। इनमें प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्टोरेंट, लाउंज और पावर कार शामिल हैं। द्रौपदी मुर्मू श्रीकृष्ण जन्मस्थान जाने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन किए थे।

सोनम वांगचुक के एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस रद्द

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का एफसीआरए लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। एक सरकारी आदेश में यह जानकारी दी गयी। मंत्रालय की यह कार्रवाई संगठन के खातों में पाई गई कई कथित विसंगतियों पर आधारित थी, जिसमें स्वीडन से धन अंतरण भी शामिल था, जिसे मंत्रालय ने राष्ट्रीय हित के विरुद्ध पाया। यह घटनाक्रम लद्दाख को राज्य का दर्जा दिलाने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और लेह में बंद के दौरान सुरक्षाकर्मियों के बीच व्यापक झड़पों में चार लोगों की मौत के एक दिन बाद हुआ है। सरकार ने भीड़ की हिंसा के लिएवांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है।

निर्धारित उद्देश्य के लिए नहीं हुआ और न ही कोई लीज एग्रीमेंट साइन किया गया। गृह मंत्रालय की सख्ती :गृह मंत्रालय ने लद्दाख में हुई हिंसा के लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्रालय का कहना है कि हालिया घटनाओं ने उनकी भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। क्यों भड़की लद्दाख में हिंसा : बुधवार को लेह में बंद के आह्वान के बाद हालात बिगड़ गए। बाजार और दुकानें बंद रही और बड़ी संख्या में लोग ठञ्ज स्मारक मैदान में जुटे। भीड़ ने छठी अनुसूची और राज्य के दर्जे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए शहर में मार्च निकाला। स्थिति तब बेकाबू हुई जब प्रदर्शनकारियों नेइखढऑफिस और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव किया। कार्यालय परिसर में मौजूद फर्नीचर और दस्तावेजों में आग लगा दी गई। भीड़ ने कई वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 160 चिकित्सकों को सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा-

चिकित्सकों की संवेदनाएं धरातल पर दिखनी चाहिए

संवाददाता। रांची

रांची:मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में 160 सहायक प्राध्यापकों, दन्त चिकित्सकों एवं चिकित्सा पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारियों से कहा कि आपने अपने कैरियर के रूप में स्वास्थ्य के क्षेत्र को चुना है। आपको बेहतर भविष्य बनाने के लिए आगे भी कई अवसर मिलेंगे। मेरा मानना है कि स्वास्थ्य एक ऐसा क्षेत्र है, जहां आपकी सेवाएं काफी मायने

रखती है। आप जिस सोच के साथ इस क्षेत्र में आए हैं , वैसे में यहां की गरीब और असहाय जनता के प्रति आपकी संवेदनाएं होनी चाहिए। इतना ही नहीं, यथार्थ में संवेदनाएं दिखनी भी चाहिए, ताकि इसका लाभ यहां के लोगों को मिल सके।मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य संरचना मजबूत करने की दिशा में चिकित्सा पदाधिकारियों की नियुक्ति एक बड़ा कदम है। मुझे पूरा विश्वास है कि नवनियुक्त चिकित्सा पदाधिकारी अपनी सेवा भावना से यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत और बेहतर करेंगे।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास संसाधन सीमित हैं लेकिन इन सीमित संसाधनों के बीच भी करने के लिए काफी कुछ है, बस इसके लिए उसे करने का जुनून होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों को जितने इलाज की जरूरत है, उतना ही आपकी संवेदना और सेवा की भी। आप अपने व्यवहार और प्रभाव से मरीजों को काफी हद तक बेहतर माहौल दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में नित्य नई चुनौतियां आ रही हैं। इसके लिए चिकित्सा के क्षेत्र बेहतर करने के लिए निरंतर अनुसंधान भी हो रहे हैं। इस दिशा में चिकित्सकों की काफी अहम भूमिका है। सरकार ने भी एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जिसमें आप सभी का सहयोग लेकर स्वास्थ्य संरचना को मजबूत करना है, ताकि लोगों को बेहतर इलाज के लिए संसाधन और सुविधाएं मिल सके। उन्होंने कहा कि आज नई-नई बीमारियां सामने आ रही हैं। लोग अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं।

भाजपा चाहे जितना ध्यान भटकाने की साजिश करे, हम वंचितों को अधिकार दिलाने को संकल्पित: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी करने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहे जितना ध्यान भटकाने की साज़िश कर ले, महागठबंधन अतिपिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है तथा यही सच्चा सामाजिक न्याय है।राहुल गांधी और महागठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं ने बुधवार को पटना में अतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्र जारी किया था। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया, भाजपा चाहे जितने भी झूठ और ध्यान भटकाने की साज़िश करे, हम अतिपिछड़े, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज को उनका पूरा हक दिलाने के लिए संकल्पित हैं।उन्होंने कहा कि बिहार में अतिपिछड़ा समाज को मजबूत बनाने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए ह्यअतिपिछड़ा न्याय संकल्प पत्रह्व में ठोस वादे किए गए हैं। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा इन समुदायों की प्रगति का सबसे बड़ा साधन है, इसलिए इस क्षेत्र में उनकी पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष संकल्प लगाए गए हैं।उन्होंने कहा, ह्यह्यअब निजी कॉलेज और विश्वविद्यालयों में भी आरक्षण लागू होगा, निजी स्कूलों की आरक्षित आधी सीटें एससी /एसटी/ओबीसी/ईबीसी बच्चों को मिलेंगी और नियुक्तियों में ह्लउपयुक्त नहीं मिलाह्व जैसी अन्यायपूर्ण व्यवस्था खत्म होगी।ह्वह्व राहुल गांधी ने कहा कि यह सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि अति पिछड़ों की बराबरी और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि यही सच्चा सामाजिक न्याय और समान विकास की गारंटी है।खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा बयानों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और कहा कि प्रधानमंत्री जिनको ह्लमेरे दोस्तह्व बताकर ढिंढोरा पीटते हैं, वही दोस्त आज भारत को अनेक संकट में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा, 2025 का विधानसभा चुनाव न सिर्फ बिहार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यहीं से मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन की उलटी गिनती और अंत की शुरूआत होगी।

सूत्रों के अनुसार राहुल गांधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ लगाने और एच1बी वीजा से जुड़े उनके कदमों की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा और कहा कि विदेश नीति निजी दोस्ती से तय नहीं होनी चाहिए।सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी के विषय का भी उल्लेख किया और कहा कि वह आगे भी तथ्यों के साथ जनता के सामने अपनी बात रखेंगे।

वोट चोरी वाली सरकार की वैधता नहीं, बिहार से शुरू होगी उलटी गिनती : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली:कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना अभियान तेज करते हुए बुधवार को कथित वोट चोरी , अर्थव्यवस्था, आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला और कहा कि कुछ सप्ताह बाद बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत होगी।पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में देश के मुख्य विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हग्लोमैसी (गले मिलने की कूटनीति) ने भारत को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया है।बिहार प्रदेश कमेटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में चार घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें एक राजनीतिक और दूसरा बिहार से संबंधित है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बिहार में हुई है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और कई अन्य नेता शामिल हुए। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी के अस्वस्थ होने के कारण वह और उनकी पुत्री प्रियंका गांधी वाद्रा बैठक में शामिल नहीं हो सकीं।सूत्रों का कहना है कि कार्य समिति के सदस्य शशि थरूर भी अस्वस्थ होने के कारण बैठक में शामिल नहीं हो सके। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने बैठक में दिए अपने संबोधन में दावा किया कि भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है और अब उन्हें बोझ मानने लगी है।

किसी देश पर निर्भर रहना मंजूर नहीं

21वीं सदी में स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल : प्रधानमंत्री

ट्रेड शो में बोले पीएम मोदी- चिप से शिप तक भारत में बनाना चाहते है

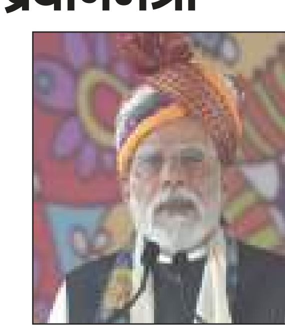

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बांसवाड़ा से देशभर में विकास परियोजनाओं की श्रृंखला का उद्घाटन और शिलान्यास किया। कुल 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं की शुरूआत करते हुए उन्होंने इसे ह्यऊर्जा शक्तिह्व को समर्पित बताया। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में देशों को विकास के लिए अपने यहां बिजली उत्पादन बढ़ाना होगा। इसमें स्वच्छ ऊर्जा में आगे रहने वाले देश ही सफल रहेंगे। इस दिशा में उनकी सरकार स्वच्छ ऊर्जा अभियान को जन आंदोलन बनाकर आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि बिजली आज के युग में विकास की रीढ़ है। इस दौरान बांसवाड़ा में देश की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट की नींव रखी गई और इसकी लागत लगभग 42 हजार करोड़ रुपये है। इसमें चार स्वदेशी 700 मेगावाट रिएक्टर होंगे। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री ने राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और कर्नाटक में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास किया। राजस्थान में सौर परियोजनाएँ फलोदी, जैसलमेर, जालौर और सीकर में शुरू हुईं। साथ ही बाड़मेर में ग्रिड सबस्टेशन और कई ट्रांसमिशन लाइनें भी शुरू की गईं, जो 15.5 गीगावाट हरित ऊर्जा को देशभर में पहुंचाएँगी। प्रधानमंत्री ने पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत किसानों को सौर पंप और सौर फीडर उपलब्ध कराने की परियोजनाओं का उद्घाटन किया,।

चाईबासा में 10 नक्सलियों ने किया सरेंडर, पुलिस के सामने डाले हथियार

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला में पुलिस को गुरुवार को बड़ी सफलता मिली है। भाकपा माओवादी संगठन के 10 नक्सलियों ने महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के समक्ष आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का ऐलान किया।आत्मसमर्पण करने वालों में 6 पुरुष और 4 महिला नक्सली शामिल हैं।इस मौके पर झारखंड सीआरपीएफ

आईजी साकेत सिंह, आईजी अभियान माइकल राज एस, आईजी एसटीएफ, डीआईजी कोल्हान, डीआईजी स्पेशल ब्रांच, चाईबासा एसपी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को डीजीपी गुप्ता ने माला पहनाकर स्वागत किया। ये सभी नक्सली लंबे समय से कोल्हान एवं सारंडा क्षेत्र में सक्रिय थे और कई मामलों में वांछित थे। इनमें एरिया कमेटी सदस्य रांदो बोइपाई उर्फ कांति बोइपाई और

दस्ते के सदस्य गार्टी कोड़ा, जॉन उर्फ जोहन पूरती, निरसो सीदू उर्फ आशा, घोनोर देवगम, गोमेया कोड़ा।

चुनाव आयोग का बड़ा फैसला : अब डाक मत-पत्र की गिनती मतगणना शुरू होने के समय नहीं बल्कि बाद में होगी

एजेंसी

नई दिल्ली:चुनाव आयोग ने चुनावों में डाक मत-पत्र (पीबी) और इलेक्ट्रानिक विधि से भेजे गए डाक मत-पत्रों (ईटीपाबी) की गिनती इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के मतों की मतगणना के अंतिम दो दौर की गिनती से पहले पूरा कराने का निर्णय लिया है। आयोग के इस निर्णय के अनुसार संबंधित मतगणना केंद्रों पर डाक मत-पत्रों की गणना पूरी होने के बाद ही ईवीएम और वीवीपीएसटी के अंतिम दो दौर की गिनती करायी जाएगी। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में ऐसे मत- पत्रों की गिनती फिलहाल मतगणना के दिन सबसे पहले सुबह आठ बजे शुरू की जाती है और इलेक्ट्रानिक मतदान मशीनों (ईवीएम) के वोट और वीवीपीएटी की गिनती 8:30 बजे शुरू करायी जाती है।

आयोग ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यह फैसला चुनाव प्रक्रिया को अधिक सुचारु और सशक्त बनाने के लिए आयोग द्वारा उठाये गये कदमों का एक हिस्सा है। आयोग इससे पहले 29 और नयी पहलें कर चुका है। आयोग ने कहा कि मतगणना के दिन डाक मत-पत्रों की स्थिति से अलग ईवीएम के मतों की गिनती चलती रहती है और सामान्यतः डॉक मत-पत्रों की गिनती पहले पूरी हो जाती है। पर सिद्धांत रूप से इस बात की संभावना बनी रहती है कि ईवीएम की गिनती डाक मत- पत्र की गिनती से पहले खत्म हो जाए। आयोग ने कहा है कि उसने हाल में शारीरिक अक्षमता वाले व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) औरा 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं को घरसे वोट करने की सुविधा दी है।

न्यूज स्टडी

सीबीआई की जांच के घेरे में सोनम वांगचुक,

विदेशी फंडिंग और लद्दाख हिंसा से जुड़ा विवाद

एजेंसी

लद्दाख । लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और संवैधानिक अधिकारों की बहाली को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के जनक कहे जाने वाले चर्चित समाजसेवी सोनम वांगचुक एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सूत्रों के मुताबिक, उइकपिछले दो महीने से उनके और उनकी संस्था के खिलाफ विदेशी फंडिंग की जांच कर रही है। आरोप है कि उनकी NGO ने अवैध तरीके से विदेश से पैसा लिया। हालांकि अभी तक केस दर्ज नहीं हुआ है।इस बीच, वांगचुक की 6 फरवरी को पाकिस्तान यात्रा पर भी सवाल उठ चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियां उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और अब जांच तेज हो गई है। NGO की जमीन आवंटन रद्द : सीबीआई ने सोनम वांगचुक की NGO हिमालयन इंस्टिट्यूट ऑफ एडवांस्ड लर्निंग (HIAL) के खिलाफ कथित

FCRAउल्लंघन की जांच शुरू की थी। इसी सिलसिले में अगस्त में लद्दाख प्रशासन ने ल्कअछ को आवंटित जमीन रद्द कर दी। प्रशासन का दावा था कि जमीन का उपयोग

निर्धारित उद्देश्य के लिए नहीं हुआ और न ही कोई लीज एग्रीमेंट साइन किया गया। गृह मंत्रालय की सख्ती :गृह मंत्रालय ने लद्दाख में हुई हिंसा के लिए सोनम वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्रालय का कहना है कि हालिया घटनाओं ने उनकी भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। क्यों भड़की लद्दाख में हिंसा : बुधवार को लेह में बंद के आह्वान के बाद हालात बिगड़ गए। बाजार और दुकानें बंद रही और बड़ी संख्या में लोग ठञ्ज स्मारक मैदान में जुटे। भीड़ ने छठी अनुसूची और राज्य के दर्जे की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए शहर में मार्च निकाला। स्थिति तब बेकाबू हुई जब प्रदर्शनकारियों नेइखढऑफिस और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव किया। कार्यालय परिसर में मौजूद फर्नीचर और दस्तावेजों में आग लगा दी गई। भीड़ ने कई वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने हालात काबू करने के लिए आंसू गैस और गोलीबारी का सहारा लिया। कई घंटों की भीषण झड़प के बाद स्थिति नियंत्रित की जा सकी। वांगचुक का बयान : हिंसा पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनम वांगचुक ने दुख व्यक्त किया।

गृह मंत्रालय ने लेह में हिंसा पर सोनम वांगचुक को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने बुधवार को लेह शहर में कानून-व्यवस्था की स्थिति के संबंध में एक बयान जारी किया. इसमें एमएचए ने हिंसा भड़काने के लिए सीधे तौर पर जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और शहर में भूख हड़ताल पर बैठे अन्य लोगों द्वारा दिए गए भड़काऊ बयानों को जिम्मेदार ठहराया है.गृह मंत्रालय के बयान में कहा गया, 'सोनम वांगचुक ने 10-09-2025 को छठी अनुसूची और लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की थी. यह सर्वविदित है कि भारत सरकार शीर्ष निकाय लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस के साथ सक्रिय रूप से जुड़ीहुई है.' उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समिति के औपचारिक माध्यम से उनके साथ कई बैठकें हुई और नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकें हुई. इस तंत्र के माध्यम से बातचीत की प्रक्रिया ने लद्दाख अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण को 45 प्रतिशत से बढ़ाकर 84 प्रतिशत करने, परिषदों में एक तिहाई महिलाओं को आरक्षण

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

संवाददाता रांची

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति हरमू, रांची के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को पंच मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल के विधिवत उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया। मौके पर पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनोज कुमार पाण्डेय,कोषाध्यक्ष अनिल सिंह एवं सचिव

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की बैठक संपन्न लंबित योजनाओं को जल्द निपटाने का निर्देश

रांची, संवाददाता ।

समाहरणालय सभागार में आज जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की शासी परिषद की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त सह-अध्यक्ष मंजूनाथ भजन्त्री ने की. बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए. जेनमें प्रमुख रूप से लंबित योजनाएं जल्द पूरी करना रहा. बैठक में अब तक स्वीकृत और लंबित योजनाओं की समीक्षा की गई. उपायुक्त ने साफ निर्देश दिया कि सभी एजेंसियां समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण काम करें और वित्तीय नियमों का पालन करें.

नए गांव-पंचायत जोड़े जाएंगे

डीएमएफटी की नई गाइडलाइन के अनुसार, रांची जिला में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित पंचायतों और गांवों की सूची की समीक्षा की गई. सर्वसम्मति से तय हुआ कि कुछ नए गांव-पंचायत भी इस सूची में जोड़े जाएंगे.

स्कूलों को प्राथमिकता

वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजनाओं के चयन के दौरान कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय और CM School of Excellence को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी.

नई गाइडलाइन के हिसाब से योजना चयन

सभी ने मिलकर तय किया कि योजनाओं का चयन डीएमएफटी की नई गाइडलाइन के अनुसार उच्च प्राथमिकता और अन्य प्राथमिकता श्रेणियों में किया जाएगा.बैठक में सांसद, विधायक और उनके प्रतिनिधियों के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी जैसे उप विकास आयुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी, आरक्षी अधीक्षक, सिविल सर्जन, जिला योजना पदाधिकारी, खनन पदाधिकारी, अभियंता और डीएमएफटी पीएमयू के सदस्य मौजूद थे.

पर्यटन बस रांची से पाली गांव रवाना, डीसी ने दिखाई हरी झंडी

रांची। विश्व पर्यटन दिवस (27 सितंबर) को खास बनाने के लिए रांची जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग मिलकर कई कार्यक्रम कर रहे हैं. इसी कड़ी में आज रांची समाहरणालय से पर्यटकों की एक बस को हरी झंडी दिखाकर रातू प्रखंड के पाली गांव के लिए रवाना किया गया. यहां दो दिन तक रूरल इमर्शन एंड कल्चरल सेलिब्रेशन प्रोग्राम के तहत कैंपिंग और ग्रामीण पर्यटन गतिविधियां होंगी. बस को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री और उप-विकास आयुक्त सौरभ कुमार भुवनिया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. इस मौके पर जिला नजारत उप समाहर्ता डॉ सुदेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह समेत कई पदाधिकारी मौजूद थे.

24 सितंबर को टैगोर हिल में सफाई और योग कार्यक्रम : इससे पहले 24 सितंबर को टैगोर हिल में सफाई अभियान और योग कार्यक्रम हुआ. इसमें करीब 130 लोगों ने हिस्सा लिया. सफाई से लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. वहीं. योग से सेहत और मानसिक शांति का महत्व बताया गया.

ग्रामीण जीवन का अनुभव कर पाएंगे पर्यटक

पाली गांव में होने वाला यह कैंपिंग प्रोग्राम पर्यटकों को झारखंड की ग्रामीण जीवनशैली, लोक संस्कृति और प्राकृतिक खूबसूरती को नजदीक से जानने का मौका देगा. यहां पर्यटक स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लेंगे. उपायुक्त ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का मकसद न सिर्फ पर्यटकों को झारखंड की खूबसूरती से परिचित कराना है, बल्कि इससे गांवों के लोगों को आर्थिक और सामाजिक फायदा भी मिलेगा.

दुर्गा पूजा को लेकर हाईकोर्ट ने जिलों के डीसी, एसपी और आयोजकों को दिए कड़े निर्देश

रांची, संवाददाता ।

दुर्गा पूजा के मद्देनजर झारखंड हाईकोर्ट ने पूजा पंडालों में सुरक्षा, स्वच्छता और शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन को कड़े निर्देश दिए हैं. चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने कहा कि पूजा समितियों और जिला प्रशासन को पहले से जारी सभी दिशा-निदेर्शों का सख्ती से पालन करना होगा. ये सभी शर्तें पूरे राज्य में लागू होंगी. सभी जिलों के उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को इन निदेर्शों का पालन करने करने का निर्देश देते हुए कोर्ट ने कहा है कि पूजा पंडालों में सुरक्षा और स्वच्छता से जुड़े नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराएं. मामले की अगली सुनवाई सात अक्टूबर को होगी.

जिला स्कूल मैदान में दुगार्पूजा की अनुमति मिलने के बाद स्वतः संज्ञान लेकर कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है. इस मामले में सरकार की ओर से दाखिल शपथपत्र में कहा गया कि पूजा समाप्त होने के बाद मैदान को पहले जैसा खेल योग्य बना दिया जाएगा. आग से सुरक्षा के लिए 20 अग्निशामक यंत्र लगाए जाएंगे और भीड़ नियंत्रण के लिए 50 निजी सुरक्षाकर्मी और 100 स्वयंसेवक तैनात रहेंगे, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग प्रवेश व निकास मार्ग होंगे, साथ ही आपात स्थिति के लिए अलग निकास द्वार बनाया जाएगा.

इसके साथ ही लाउडस्पीकर का उपयोग स्कूल समय में और रात 10 बजे के बाद पूरी तरह वर्जित रहेगा. साथ ही जिला प्रशासन ने पूजा समितियों को साफ निर्देश दिया है कि ध्वनि प्रदूषण और स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य होगा. अदालत ने रांची जिला प्रशासन की ओर से पूजा समितियों को आठ सितंबर को जारी निर्देश का पालन करने का भी निर्देश दिया है.

एसएसपी ने देर रात शहर का किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की राजधानी रांची के एसएसपी राकेश रंजन अचानक शहर की विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए सड़क पर उतर आए। उनके इस औचक निरीक्षण की खबर किसी भी पुलिस अधिकारी या कर्मी को पहले से नहीं थी। बुधवार की देर रात लगभग एक बजे एसएसपी ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी ने बिरसा चौक, मेन रोड, हरमू बायपास रोड और अरगोड़ा चौक सहित शहर के कई महत्वपूर्ण इलाकों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने उनसे वाहनों की चेकिंग और पुलिस बल की तैनाती के बारे में जानकारी ली। साथ ही एसएसपी ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और जवानों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए। एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि

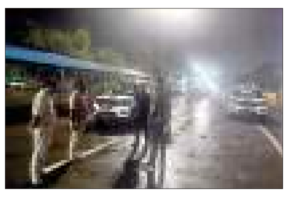

कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पुलिसकर्मियों से कहा कि अपराध नियंत्रण में किसी भी तरह की लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराधी चाहे कितना भी बड़ा हो या उसे किसी भी प्रभावशाली समूह का संरक्षण क्यों न मिला हो, पुलिस को बिना किसी दबाव के उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को बिना किसी दबाव के कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि शहर में सुरक्षा और शांति बनी रहे। उन्होंने बताया कि विधि व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था को निरीक्षण किया गया है। आगे भी यह प्रक्रिया जारी रहेगी।

झारखंड राजद में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति, सभी वर्ग को साधने की कवायद

मंत्री संजय प्रसाद यादव और विधायक सुरेश पासवान को मिली कार्यकारिणी में जगह

रांची, संवाददाता ।

झारखंड राजद ने अपने नए पदाधिकारियों की सूची जारी कर दी है. प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने यह सूची जारी की है. जारी सूची में 16 प्रदेश उपाध्यक्ष, एक प्रधान महासचिव, 36 प्रदेश महासचिव, 23 प्रदेश सचिव और 29 प्रदेश कार्यकारिणी सदस्यों को शामिल किया गया है. इसमें सभी वर्ग के लोगों को साधने का प्रयास किया गया है.

ये बने प्रदेश उपाध्यक्षः नरेश प्रसाद सिंह, श्यामदास सिंह, मोहम्मद मुर्तजा, कल्पना देवी, गिरधारी गोप, मंजू साह, अनीता यादव, पप्पू सिंह, संतोष यादव, शारदा देवी, विक्रम प्रसाद यादव, संजय रंजन सिंह, राम यादव, मो सैयद शमी अहम, अर्जुन यादव, डॉ मकबूल आलम प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं.

ये बने प्रदेश महासचिवः सुखदेव विद्रोही, नसीम अंसारी, भूतनाथ यादव, भोली प्रसाद साहू, दिवाकर यादव, ज्ञानेश्वर यादव, मो कलाम खान, मदन पासवान, जयप्रकाश यादव, राजेश रोशन, मो फैजुल हक रशीद, सुनीता चौधरी, मदन यादव, मो इरफान अंसारी, मनोज कुमार पांडेय, बिरेन्द्र कुमार सिंह यादव, अजय चंद्रवंशी, राजकुमार गुप्ता, अरुण कुमार यादव, दिनेश दांगी, मो परवेज शाहिद खान, धनंजय यादव, रवि कुमार, कमलेश यादव, प्रणय कुमार बबलू, कमलदेव नाथ सिंह, डीएन सिंह, अभय कुमार पांडेय, कामाख्या नारायण सिंह, योगेंद्र यादव, विजय राम, तारापदो धीवर, मो जावेद अख्तर, शत्रुघ्न प्रसाद यादव, सुरेश राम, मो रिजवान अहमद खान प्रदेश महासचिव बनाए गए हैं.

इन्हें मिली प्रदेश सचिव की जिम्मेवारीः राजकुमारी देवी, ओमप्रकाश भुइयां, योगेंद्र यादव, इंद्रदेव ठाकुर, साहिल साहनी, रामकुमार यादव, मोहर यादव, सुनील कुमार उर्फ मुन्ना यादव, प्रभु दयाल यादव, मो गयासुद्दीन अंसारी, सुनील उरांव, जयप्रकाश यादव, राजेश कुमार, मो एनामुल हक, चंद्रशेखर भगत, मनोज कुमार अग्रवाल, रंजीत कुमार यादव, पंकज चौबे, दीपक कुमार साहू, शब्बर फातमी, अनिल शर्मा, सुभाष यादव, वीरेंद्र कुमार यादव प्रदेश सचिव बनाए गए हैं.

कार्यकारिणी सदस्यों में ये हैं शामिलः मंत्री संजय प्रसाद यादव, विधायक सुरेश पासवान, गौतम सागर राणा, सुभाष यादव, देव प्रकाश देवता, पुरेन्द्र नारायण सिंह, अर्जुन यादव, नाथेश्वर ठाकुर, सुनील मेहता, विश्वनाथ सिंह यादव, राजकिशोर सिंह, शैलेंद्र शर्मा, सदाकत हुसैन अंसारी, भास्कर वर्मा, अशोक मांझी, मो संजर मलिक, मो इम्तियाज हुसैन वारसी, लखन यादव, महादेव यादव, मो अब्दुल गफ्फार, मो मोहिबुल्लाह अंसारी, मनोज यादव, ददन पासवान, बिंदेश्वर यादव, रामनाथ चंद्रवंशी, ईश्वरी महतो, ब्रह्मदेव भोक्ता, अर्जुन यादव और रामधन यादव को शामिल किया गया है.

रातू के सिमलिया में मिले तेंदुए के पंजे के निशान और मल ! लोगों में दहशत

ग्रामीणों ने वन विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

रांची, संवाददाता ।

रांची के रातू प्रखंड के सिमलिया में एक बार फिर बड़े जानवर के पंजे के निशान और मल मिले हैं. इसकी वजह से आसपास के गांवों में डर का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि यह तेंदुआ का हो सकता है. वन विभाग की टीम इसकी जांच कर रही है और इलाके में कड़ी नजर रख रही है. इधर ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग गंभीरता से काम नहीं कर रहा, जिससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है. उनका कहना है कि उन्होंने तेंदुआ अपनी आंखों से देखा है. इसी वजह से अब वे घरों से निकलने में डर रहे हैं. रात होने के बाद तो और ज्यादा दहशत का माहौल बन जाता है. बता दें कि मंगलवार की रात सोशल मीडिया पर कटहल मोड़ के चाला टोली का एक वीडियो वायरल

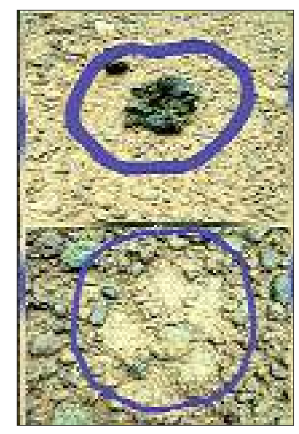

हुआ था. दावा किया जा रहा था कि यह तेंदुआ या बाघ हो सकता है. हालांकि वन विभाग ने उसे जंगली बिल्ली बताया था. बुधवार की सुबह लोगों ने चाला टोली के साकेत नगर में बड़े पंजों निशान देखें. वहीं आज गुरुवार की सुबह सिमलिया के अलग-अलग जगहों पर बड़े जावनर के पंजों के निशान और मल मिले हैं, जिससे लोगों में भय का माहौल है.

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी 30 सितंबर को हो रहीं रिटायर

रांची, संवाददाता ।

झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हो रही हैं. ऐसे में प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि राज्य का अगला मुख्य सचिव कौन होगा. अलका तिवारी 1988 बैच की आइएएस अफसर हैं. इनके बाद वरीयता सूची में सबसे ऊपर शैलेश कुमार सिंह हैं. वह वर्ष 1991 बैच के आइएएस अफसर हैं. वह अभी केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं और ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव के पद पर हैं. उनके बाद निधि खरे, फिर अविनाश कुमार हैं. निधि खरे वर्ष 1992 बैच की आइएएस अफसर हैं. फिलहाल केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. इन दोनों अफसरों के बाद अविनाश कुमार वरीयता में ऊपर हैं. वह 1993 बैच के आइएएस अफसर हैं. वर्तमान में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव के पद पर हैं. उनकी सेवा अगस्त 2029 तक है. हालांकि चर्चा के मुताबिक राज्य सरकार के द्वारा वर्तमान मुख्य

सचिव अलका तिवारी को एक्सटेंशन दिए जाने की संभावना है हालांकि इस पर अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है. जब नये मुख्य सचिव के बारे में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से पूछा गया तो वो इसका जवाब देने से परहेज करते दिखे. इधर सत्तारूढ़ जेएमएम प्रवक्ता मनोज पांडे के अनुसार मुख्यमंत्री इस संबंध में समुचित निर्णय लेंगे.

01 नवंबर 2024 को मुख्य सचिव बनी थीं अलका तिवारी

तत्कालीन मुख्य सचिव एल. खयांग्ते के रिटायरमेंट के बाद अलका तिवारी 01 नवंबर 2024 को राज्य के मुख्य सचिव की जिम्मेदारी संभाली थी. बेहद ही सौम्य और अपनी कार्यकुशलता के लिए खास पहचान बनाने वाली अलका तिवारी पूर्व मुख्य सचिव डीके तिवारी की पत्नी हैं. अलका तिवारी के बाद राज्य के नये मुख्य सचिव को लेकर जिन अधिकारी का नाम सबसे आगे है उसमें शैलेष कुमार सिंह और अविनाश कुमार का नाम शामिल है. हालांकि राज्य में अन्य आईएएस भी हैं, जिसमें 1995 बैच के आइएएस अधिकारी अजय कुमार सिंह, सत्येंद्र सिंह व नितिन मदन कुलकर्णी हैं. तीनों अधिकारी अपर मुख्य सचिव के पद पर हैं. इनमें से अजय कुमार सिंह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव के पद पर हैं. वहीं, नितिन मदन कुलकर्णी राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव व सत्येंद्र सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं.

सेल-रांची ने 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' पहल का उत्सव मनाया

रांची, संवाददाता ।

स्वच्छता पखवाड़ा और राष्ट्रव्यापी अभियान एक दिन, एक घंटा, एक साथ के तहत आज इस्पात भवन, इस्पात कार्यकारी छात्रावास (सेल सैटेलाइट कॉलोनी) और एमटीआई, रांची में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में सेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रारंभिक चरण में चुने गए क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई की गई और एकत्रित कचरे का निर्धारित स्थानों पर व्यवस्थित रूप से निपटान किया गया। इस अभियान का नेतृत्व श्री अनूप कुमार, कार्यकारी निदेशक (एसएसओ); श्री संदीप कुमार कर, कार्यकारी निदेशक (आरडीसीआईएस); श्री दीपक जैन, कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक (एसडीटीडी); श्री संजय धर, कार्यवाहक कार्यकारी निदेशक (एचआर-एलएंडडी); श्री नीलेश सिन्हा, मुख्य महाप्रबंधक (सीईटी), श्री सुनील गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक

(डीएमएल-सीएमएलओ) के साथ-साथ अन्य मुख्य महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने किया, जिन्होंने इस पहल का नेतृत्व किया और प्रतिभागियों को प्रेरित किया। विभिन्न संयंत्र केंद्रों पर भी यह अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम ने स्वच्छता, स्वास्थ्य और स्वच्छ, हरित एवं सतत पर्यावरण बनाए रखने की साझा ज़िम्मेदारी के प्रति सेल की दृढ़ प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सीयूजे में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर हुआ विशेष व्याख्यान

रांची, संवाददाता ।

केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का विषय था - विकसित भारतः पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों की प्रासंगिकता. कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पंडित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई. इस अवसर पर डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार, कुलानुशासक डॉ अमरेंद्र कुमार, तथा मुख्य वक्ता डॉ. आलोक कुमार गुप्ता उपस्थित रहे.

मुख्य वक्ता डॉ आलोक कुमार गुप्ता (डीन - सामाजिक विज्ञान और मानविकी संकाय) ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन, उनके दर्शन और उनकी विचारधारा पर गहन प्रकाश डाला. उन्होंने एकात्म मानववाद के सिद्धांत की व्याख्या करते हुए बताया कि पंडित दीन दयाल ने पूंजीवादी व्यक्तिवाद और साम्यवाद के बीच एक संतुलित

वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत किया. उन्होंने ह्यव्यष्टि, समष्टि, सृष्टि, परमेष्ठिह्र के भारतीय अवधारणाओं पर आधारित स्वदेशी विकास मॉडल को आगे बढ़ाया.

कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा पंडित दीन दयाल उपाध्याय न केवल एक विचारक थे बल्कि मानवीय गरिमा के स्तंभ बनकर राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा भी हैं. एकात्म मानववाद और अंत्योदय की उनकी अवधारणाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं. उन्होंने कहा कि समावेशी विकास (इन्क्लूसिव ग्रोथ) की जो अवधारणा आज भारत में देखी जा रही है वह पंडित दीन दयाल के अंत्योदय के सिद्धांत पर ही आधारित है. साथ ही उन्होंने वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विचारों से प्रेरित होकर लोककल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की भी चर्चा की. डीन अकादमिक प्रो मनोज कुमार ने कहा कि उपाध्याय जी ने भारतीय चिंतन और संस्कृति को पुनः स्थापित किया जिससे आज के युवा एक आदर्श विकसित भारत की ओर प्रेरित हो सकते हैं. कुलानुशासक डॉ अमरेंद्र कुमार ने विषय प्रवेश कराते हुए पंडित दीन दयाल उपाध्याय के जीवन और योगदान का परिचय दिया. कार्यक्रम में वाणिज्य और जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत दिव्य ध्येय की ओर तपस्वी गीत ने सभी उपस्थितों को प्रेरणा और ऊर्जा से भर दिया.कार्यक्रम का संयोजन डॉ शशांक दत्तात्रेय कुलकर्णी द्वारा किया गया और धन्यवाद ज्ञापन शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो विमल किशोर ने किया.

रांची में ऐतिहासिक राम मंदिर में गूंजा अखंड रामायण का पाठ

रांची, संवाददाता ।

राजधानी के चुटिया स्थित राम मंदिर में इस समय शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर भव्य आयोजन जारी है. हिदू परंपरा के तहत लगातार नौ दिनों तक 301 कुमारी कन्याएं सामूहिक रूप से अखंड रामायण पाठ कर रही हैं. इस विशेष आयोजन ने श्रद्धालुओं को गहरी धार्मिक अनुभूति दी है और मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा.

1686 में हुई थी मंदिर की स्थापना

राम मंदिर की स्थापना 1686 में नागवंशी राजा राघुनाथ शाहदेव ने की थी. लगभग 300 साल पुराने इस मंदिर को रांची के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है. ऐसी मान्यता है कि चैतन्य महाप्रभु भी यहां ठहरे थे. मंदिर परिसर में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ-साथ राधा-कृष्ण की प्राचीन मूर्तियां भी विराजमान हैं. नवरात्र में यहां हर साल विशेष धार्मिक अनुष्ठान होते हैं, जिनमें सबसे खास परंपरा है, कन्याओं द्वारा अखंड रामायण पाठ. 1970 से यह परंपरा निरंतर निभाई जा रही है. इस बार भी 301 कन्याओं ने दिन-रात रामायण पाठ का संकल्प लिया है. यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि समाज को जोड़ने वाला पर्व है. कन्याओं द्वारा रामायण पाठ मंदिर की गरिमा और आध्यात्मिकता को और गहरा करता है. श्रद्धालुओं की संख्या हर साल बढ़ रही है और इस बार भी हजारों लोग प्रतिदिन दर्शन और पाठ सुनने पहुंच रहे हैंः

मंदिर में निभाई जाएगी सांकेतिक रूप से रावण वध की परंपरा

दशहरे के अवसर पर मंदिर परिसर में सांकेतिक रूप से रावण वध की परंपरा निभाई जाएगी. अभी नवरात्र पूजन विधि से मां दुर्गा की आराधना चल रही है और महानवमी के दिन कन्या पूजन के साथ आयोजन का समापन होगा. इस मौके पर कन्याओं को विशेष भोग अर्पित करने और प्रसाद वितरण की तैयारी की जा रही है.

यहां आकर मिलती है आत्मिक शांतिः श्रद्धालु

रामायण पाठ कर रही एक कन्या ने बताया कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हमें यहां रामायण पाठ करने का अवसर मिला है. इस पाठ से न केवल धार्मिक ज्ञान मिलता है बल्कि आत्मिक शांति भी प्राप्त होती है. पाठ करते हुए ऐसा लगता है मानो हम खुद भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को जी रहे हों. मंदिर परिसर में इन दिनों मेले जैसा माहौल बना हुआ है. दूर-दराज से श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं और कन्याओं के रामायण पाठ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं. भक्ति गीत, देवी-स्तुति और रामायण के प्रसंगों से वातावरण लगातार भक्तिमय बना हुआ है. विशेष रूप से सजाए गए मंदिर में इस बार भी स्थानीय कारीगरों की कला देखने योग्य है. रंग-बिरंगी सजावट, फूलों की मालाएं और दीपों की रोशनी से पूरा परिसर आलोकित हो उठा है.

जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट के शासी परिषद की बैठक

उपायुक्त सह-अध्यक्ष, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, राँची, श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में बैठक

- लंबित योजनाओं को समय-सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण एवं वित्तीय नियमावली एवं प्राक्कलन के विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश
- राँची जिला अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय एवं CM School of Excellenceविद्यालय को प्राथमिकता देने का निर्णय
- योजनाओं को ऊट्रळ के नई गाईडलाईन के अनुसार उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता के आधार पर चयन करने का सर्वसम्मति से निर्णय

संवाददाता । रांची

उपायुक्त सह-अध्यक्ष, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, राँची, श्री मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में आज दिनांक-25 सितंबर 2025 को समाहरणालय सभागार में जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट के शासी परिषद, राँची की बैठक आयोजित की गई।लंबित योजनाओं को समय-सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण एवं वित्तीय नियमावली एवं प्राक्कलन के विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देशउक्त बैठक में ऊट्रळ से अभी तक स्वीकृत एवं लंबित योजनाओं की समीक्षा की गई। लंबित योजनाओं को समय-सीमा के अन्दर गुणवत्तापूर्ण एवं वित्तीय नियमावली एवं प्राक्कलन के विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश संबंधित कार्यकारी एजेंसी को दिया गया।राँची जिला अन्तर्गत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित पंचायत एवं ग्रामों की सूची की समीक्षा की गईDMFT के नये गाईडलाईन के अनुसार राँची जिला अन्तर्गत प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित पंचायत एवं ग्रामों की सूची की समीक्षा करते हुए नये पंचायतों एवं ग्रामों को प्रत्यक्ष (ऊश्रीू३) एवं अप्रत्यक्ष (क्ल्य्रिशीू३) प्रभावित क्षेत्रों में जोडने के लिए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

राँची जिला अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालयों एवं उट रूँङ्क्क' ङ्म एठ्ठी' 'ल्लू विद्यालय को प्राथमिकता देने का निर्णयवित्तीय वर्ष 2025-26 में से योजनाओं के चयन में राँची जिला अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, झारखण्ड बालिका आवासीय विद्यालय एवं उट रूँङ्क्क' ङ्म एठ्ठी' 'ल्लू विद्यालय को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। गाईडलाईन के अनुसार उच्च प्राथमिकता योजनाओं को के नई गाईडलाईन के अनुसार उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता के आधार पर चयन करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

उक्त बैठक में डा० महुआ मांजी, मा० सांसद (राज्यसभा), राँची, श्री सुरेश कुमार बैठा, मा० विधायक, काँके, मा० सांसद, राँची लोकसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, मा० सांसद, लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, मा० सांसद, खूँटी लोकसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि के प्रतिनिधि, मा० सांसद (राज्यसभा), राँची के प्रतिनिधि, मा० विधायक, तमाड़, मांडर, खिजरी के प्रतिनिधि एवं उप विकास आयुक्त, राँची-सह-सदस्य सचिव, श्री सौरभ भुवनिया, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, राँची, वन प्रमंडल पदाधिकारी, राँची, आरक्षी अधीक्षक, राँची, उप निदेशक खान, सिविल सर्जन, राँची, जिला योजना पदाधिकारी, राँची, जिला खनन पदाधिकारी, राँची, जिला अभियंता, जिला परिषद, राँची, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, राँची,

झारखंड को मलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य, 3-टी का सख्ती से पालन कराने का निर्देश

- मलेरिया जांच की गुणवत्ता सुधारने पर अधिकारियों ने दिया जोर, 2025 में 22हजार मामले सामने आए मलेरिया के

संवाददाता । रांची

रांची ।झारखंड को 2030 तकमलेरिया से पूरी तरह मुक्त करने के उद्देश्य से रांची में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड और टीसीआई फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित की गई। जिसमें मलेरिया से बचाव, रोकथाम और उन्मूलन की दिशा में विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के

नेतृत्व में वर्ष 2030 तक राज्य को मलेरिया मुक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि ट्रैक, टेस्ट और ट्रीट की रणनीति का सख्ती से पालन किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य तभी हासिल किया जा सकता है जब जमीनी स्तर पर कार्य हो और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मलेरिया उन्मूलन के प्रयासों की सराहना :डॉ. कल्पना बरुआ एनसीवीबीडीसी भारत सरकार ने झारखंड में मलेरियाउन्मूलन के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके कार्यों के प्रति उत्साहवर्धन किया। वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं डॉ. रिंकू शर्मा, संयुक्त निदेशक एनसीवीबीडीसी ने मलेरिया जांच की गुणवत्ता सुधारने की

आवश्यकता पर बल दिया। इस साल आए 22 हजार केस : राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि2025 में झारखंड में लगभग 22,000

राज्यपाल ने बूटी मोड़ में पूजा पंडाल का उद्घाटन किया

संवाददाता । रांची

रांची। माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बूटी मोड़, राँची स्थित महाशक्ति दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया तथा सभी राज्यवासियों को नवरात्रि व दुर्गा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जिस भक्ति और लगन से यह पंडाल तैयार किया गया है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा केवल धार्मिक उत्सव ही नहीं है, बल्कि नारी शक्ति, साहस और न्याय का प्रतीक है। यह पावन पर्व सत्य, धर्म, करुणा और सद्भावना जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

राज्यपाल महोदय ने माँ दुर्गा से प्रदेशवासियों के सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि हेतु प्रार्थना की।

विदित हो कि यह पंडाल 'ऑपरेशन सिंदूर' थीम पर आधारित है।

ब्रीफ न्यूज

बुढ़मू पुलिस ने फरार अभियुक्त के घर पर चिपकाया इश्तेहार

संवाददाता

बुढ़मू। पुलिस ने 24 सितंबर बुधवार को बुढ़मू थाना कांड संख्या 88/22 दिनांक 29/09/2022 धारा 302/449/34 भा द वि के प्राथमिकी फरार अभियुक्त अरुण राय पिता कुशल राय, के बनगांवा स्थित घर पर इश्तेहार चिपकाया ।ढोल डुगडुगी बजाकर चिपकाए गए इश्तिहार के दौरान अभियान का नेतृत्व कर रहे पुलिस अवर निरीक्षक रवि उरांव ने अभियुक्त अरुण राय के परिजनों से मिलकर न्यायालय में आत्म समर्पण करने के लिए भी प्रेरित किया।इसके अलावे पुलिस ने सार्वजनिक स्थान प्रखंड कार्यालय बुढ़मू तथा आंगनबाड़ी केंद्र बनगावां में भी अभियुक्त अरुण राय के विरुद्ध इश्तेहार चिपकाया

मुख्य सचिव से मिलकर समस्याओं से कराया अवगत

संवाददाता

आज दिनांक 25/09/2025 को युवा दस्ता महासमिति राँची का प्रतिनिधि मंडल मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी जी से मिला ।

प्रतिनिधि मंडल ने मुख्य सचिव को दुगार्पूजा मोहत्सव में होने वाले समस्याओं से अवगत कराया ।प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यतः

1. पुर्ण रूप से शराब बंदी
2. विषर्जन से पूर्व बड़ा तालाब , धुर्वा डैम सहित सभी तालाबो में साफ सफाई कराई जाए एवं विशेष रूप से बड़ा तालाब एवं धुर्वा डैम में मूर्ति विषर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की जाए ।
3. पूजा पंडाल से जुड़े सभी अप्रोचिंग रोड में गड्ढे भरे जाए , स्ट्रीट लाइट एवं सुरक्षा की व्यवस्था की जाए ।
4. भीड़ भाड़ वाले छेत्रो में सरकारी एवं गैर सरकार वाहनों पे पूर्णतः रोक लगाई जाए ।मुख्य सचिव श्रीमती तिवारी ने सभी बातों को ध्यानपूर्वक सुना एवं सभी संबंधित अधिकारियों को इसके समाधान करने को कहा ।प्रतिनिधि मंडल में युवा दस्ता के संस्थापक श्री राजीव रंजन मिश्रा , दुगार्पूजा महासमिति के रामधन बर्मन , छात्र युवा शक्ति के अध्यक्ष कुमार रौशन , पीयूष आनंद , ज्योति शंकर साहू के साथ दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित थे ।

चान्हों दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

संवाददाता

चान्हों : आगामी दुर्गा पूजा के सफल और शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर चान्हों में शांति समिति की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और सामाजिक संगठन के सदस्य शामिल हुए।बैठक में पूजा के दौरान सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं और आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा की गई। समिति ने सभी संबंधित पक्षों को सतर्क रहने और सामाजिक समरसता बनाए रखने का निर्देश दिया।इसके अलावा, बैठक में मंदिरों और पूजा पंडालों में भीड़ नियंत्रण, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर जोर दिया गया। समिति ने स्थानीय जनता से अपील की कि वे उत्सव का आनंद लें लेकिन सामाजिक शांति और नियमों का पालन करें।बैठक में मंदिरों और पूजा पंडालों में भीड़ नियंत्रण, साफ-सफाई और पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर जोर दिया गया। समिति ने स्थानीय जनता से अपील की कि वे उत्सव का आनंद लें लेकिन सामाजिक शांति और नियमों का पालन करें। बैठक में स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और सामाजिक संगठन के सदस्य शामिल हुए।बैठक में पूजा के दौरान सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाएं और आपातकालीन सेवाओं की समीक्षा की गई।

झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा,उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया एवं कोषाध्यक्ष को

लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची एवं सामाजिक कार्यकताओं ने बधाई देकर चर्चा की

संवाददाता । रांची

रांची ।झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा,उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया एवं कोषाध्यक्ष को ₹लहू बोलेगा रक्तदान संगठन रांची एवं सामाजिक कार्यकताओं ने बधाई देकर चर्चा की।

आज शाम झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष,उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष को पहली बार चैंबर आफिस में जाकर ₹लहू बोलेगा₹ रक्तदान संगठन रांची एवं सामाजिक कार्यकताओं का प्रतिनिधिमंडल ने बधाई दी ।प्रतिनिधिमंडल ने नवनिर्वाचित चैंबर्स के पदाधिकारियों को अपील की रांची समेत पूरे झारखंड में थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए रक्तदान-महादान शिविर लगा देने की अपील की,दुगार्पूजा में थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए सड़कों पर जागरूकता बैनर लगा देते,रक्तदान-महादान हेतू वातानुकूलित वॉल्वो बस सदर अस्पताल रांची को दान करने,डेली मार्केट/सब्जी/फल मंडी को रांची के वेंडर मार्केट के तर्ज पर बिल्डिंग बनाने,डेली मार्केट स्टैंड में प्रस्तावित मल्टी लेयर पार्किंग को रद्द कर वेंडर मार्केट के तर्ज पर बनाने सहित डेली मार्केट मंडी की आवाज बनने,दर्जी पेश के लोगों को सहयोग करने सहित मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा हुई ।नवनिर्वाचित अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा एवं नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी मुद्दों पर गम्भीरतापूर्वक पहल करने की सकारात्मक एवं स्वागत योग्य चर्चा की ।चैम्बर्स के पदाधिकारियों में अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा एवं उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि आपके अपील पर जल्द ही सदर अस्पताल रांची को रक्तदान वोल्वो बस दान देने पर चर्चा की जाएगी, थैलेसीमिया पीड़ितों एवं रक्तदान शिविर पर सहयोगी बना जाएगाडेली मार्केट के मुद्दें पर जल्द वहां के पदाधिकारियों के साथ भी बैठक आयोजित की जाएगी ।प्रतिनिधिमंडल ने हर्ष के साथ झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष/कोषाध्यक्ष एवं टीम का आभार व्यक्त किया।

सब-जूनियर नेशनल सेपक टकरा चैंपियनशिप हेतु हुई बैठक

सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के पदाधिकारियों ने खेल मंत्री झारखण्ड से की मुलाकात

संवाददाता । रांची

रांची : आगामी 10 से 14 नवंबर 2025 तक मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली सब-जूनियर नेशनल सेपक टकरा चैंपियनशिप के सफल आयोजन हेतु सेपक टकरा एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रतियोगिता की तैयारियों की समीक्षा की गई ।एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री उदय साहू ने बताया कि प्रतियोगिता हेतु स्टेडियम की बुकिंग कर ली गई है। वहीं, चेयरमैन श्री सुनील सूर्यात ने जानकारी दी कि इस चैंपियनशिप के लिए मेडल मेरठ से तथा मोमेंटो छत्तीसगढ़ से मंगाए जाएंगे ।उन्होंने बताया कि सेपक टकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रतियोगिता का सर्कुलर जारी कर दिया गया है। सब-जूनियर स्तर की इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लगभग 27 राज्यों के 700 खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे। साथ ही, आयोजन समिति का गठन शीघ्र ही किया जाएगा ।बैठक उपरांत एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने झारखण्ड के खेल मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू से मुलाकात की और उन्हें प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी दी। माननीय मंत्री महोदय ने आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर चेयरमैन श्री सुनील सूर्यात, वाइस चेयरमैन श्री विभूति भूषण गप्पू, प्रेसिडेंट श्री उदय साहू, मनोज साहू, शिवेंद्र दुबे, चंचल भट्टाचार्य, मिथलेश साहू, शैलेन्द्र कुमार, सुनील यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मौलाना खलील अहमद कासमी सर्वसम्मति से जमीयत उलेमा ज़िला शाहदरा (दिल्ली) के अध्यक्ष चुने गए

संवाददाता । रांची

रांची :जमीयत उलेमा हिंद के कोषाध्यक्ष मौलाना कारी शौकत अली का महत्वपूर्ण संबोधन: ₹जमीयत के लिए काम अल्लाह की रजा के लिए है, किसी शोहरत या पद के लिए नहीं₹ नई दिल्ली, (प्रेस विज्ञप्ति) 25 सितंबर, 2025आज, जमीयत उलेमा प्रांत दिल्ली की ज़िला इकाई, जमीयत उलेमा ज़िला शाहदरा का चुनाव मदरसा फैजुल उलूम सुंदर नगर, दिल्ली में शांतिपूर्ण और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। चुनाव की देखरेख जमीयत उलेमा हिंद के कोषाध्यक्ष और दिल्ली प्रांत के केंद्रीय चुनाव बोर्ड के सदस्य हजरत मौलाना कारी शौकत अली साहब ने की। इस चुनाव बैठक में संगठन के कुल 168 सदस्यों ने भाग लिया ।सदस्यों ने सर्वसम्मति से मौलाना खलील अहमद कासमी को अध्यक्ष चुना। मुफ़्ती गुलजार कासमी महासचिव पद के लिए चुने गए, जबकि मौलाना मुफ़्ती मकसूद कासमी और मौलाना मुफ़्ती अब्दुल बासित कासमी उपाध्यक्ष चुने गए। इसी प्रकार, हाफि ज असदुल्लाह साहब (मदरसा शम्सुल उलूम शाहदरा) कोषाध्यक्ष चुने गए।

चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने के बाद, मौलाना कारी शौकत अली साहब ने निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद एक धार्मिक और राष्ट्रीय संगठन है जो सौ वर्षों से भी अधिक समय से देश और राष्ट्र की सेवा कर रहा है। यहाँ कोई भी पद या पद केवल सम्मान या प्रसिद्धि के लिए नहीं है, बल्कि एक ट्रस्ट है जिसका उद्देश्य लोगों की सेवा, धर्म की रक्षा और राष्ट्र का मार्गदर्शन करना है ।उन्होंने कहा कि जमीयत के कार्यकताओं और पदाधिकारियों को हमेशा याद रखना चाहिए कि यह सेवा किसी राजनीतिक हित, व्यक्तिगत लाभ या सांसारिक सम्मान के लिए नहीं है, बल्कि केवल धर्म की सेवा और ईश्वर की प्रसन्नता के लिए है। कारी साहब ने आगे कहा:ह्लआज के अशांत समय में, मुसलमानों की धार्मिक पहचान, शैक्षिक विकास और देश की साझी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा की ज़िम्मेदारी हमारे कंधों पर है। हम सभी को शुद्ध हृदय, ईमानदारी और त्याग की भावना से काम करना चाहिए। मतभेदों से संगठनात्मक एकता को कभी नुकसान नहीं पहुँचना चाहिए। यही वह रास्ता है जो हमें अल्लाह की मदद और लोगों के विश्वास की ओर ले जाएगा ।उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मौलाना खलील अहमद कासमी और उनकी पूरी टीम को विशेष सलाह देते हुए कहा:ह्लआपके चुनाव के साथ, आप पर एक नई ज़िम्मेदारी भी आ गई है। अब आपको न केवल शाहदरा ज़िले में जमीयत की गतिविधियों को व्यवस्थित करना है, बल्कि युवाओं को धर्म, शिक्षा और जनसेवा की ओर आकर्षित करने के लिए व्यावहारिक कदम भी उठाने हैं ।कारी साहब ने कहा कि जमीयत के प्रत्येक कार्यकर्ता को अपने चरित्र और नैतिकता से लोगों का दिल जीतने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि जमीयत की असली ताकत जनता का विश्वास और धार्मिक ईमानदारी है ।इस अवसर पर जमीयत उलेमा नई दिल्ली के अध्यक्ष मौलाना कासिम नूरी सहित अनेक स्थानीय विद्वान एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी।

10 नक्सलियों ने किया सरेंडर। 6 पुरुष 4 महिला नक्सली ने किया सरेंडर

संवाददाता

रांची ।झारखंड पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के 10 नक्सली ने किया आत्मसमर्पण ।डीजीपी अनुराग गुप्ता के समक्ष नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण ।झारखंड सीआरपीएफ आईजी, आईजी अभियान, आईजी एसटीएफ, डीआईजी कोल्हान, डीआईजी स्पेशल ब्रांच, चाईबासा एसपी सहित कई तमाम पदाधिकारी मौजूद।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि खरीदगी जमीन जिसका खाता संख्या-8, प्लॉट संख्या-14, कुल रकबा-22 डीसमिल, थाना-खेलारी, थाना संख्या-14, जिला रांची, वर्तमान अंचल - खेलारी, जो मेरे मुवक्किल श्रीमती गुलशन आरा पति-स्व. ताबे रसूल की खरीदगी जमीन जिसका दाखिल खारिज संख्या - 12फ्27 सन 1981-82 जो साल दर साल लगान भुगतान करते चले आ रही है, जिसने सिर्फ मेरे मुवक्किल का ही अधिकार है जिसके संबंध में दीवानी मुकदमा जिसका मुकदमा संख्या-21 सन 2009 है जो रफीक खान, उनके भाई तथा लड़कों के विरुद्ध लंबित है। अतः कोई व्यक्ति अगर इसकी खरीद बिक्री, एकरारनामा, दान या बंधक रखता है तो वह कानूनन अवैध तथा गलत होगा और वह व्यक्ति स्वयं इसके लिए जिम्मेदार होगा।

कृष्ण कुमार (अधिवक्ता)

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर भाजपा जमशेदपुर महानगर की कार्यशाला हुई सम्पन्न

जमशेदपुर, संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के स्वदेशी अभियान को आगे बढ़ाने के लिए 25 सितंबर से 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' शुरू करने जा रही है। यह अभियान तीन महीने तक चलेगा और 25 दिसंबर को समाप्त होगा। जिसके तहत भाजपा कार्यकर्ता दुकानों और घर-घर पर स्वदेशी का संदेश पहुंचाएंगे। साथ ही हस्ताक्षर अभियान, सेमिनार, व्यापारी-युवा सम्मेलन, प्रभात फेरी एवं स्वदेशी मेले जैसे कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। वहीं बुधवार भाजपा जमशेदपुर महानगर के तत्वावधान में साकची स्थित जिला कार्यालय में कार्यशाला के माध्यम से 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान' की विभिन्न पहलुओं और सफलता को लेकर कार्यकताओं को दिशा-निर्देश भी दिया गया। जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यशाला में झारखंड भाजपा के प्रदेश मंत्री सरोज सिंह मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। इस दौरान अभियान के जिला टोली के संयोजक, सह संयोजक, सदस्य एवं अभियान की सफलता के निमित्त विभिन्न मंडलों में नियुक्त किए गए संयोजक एवं सह संयोजक भी मौजूद रहे। यह अभियान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर से शुरू होकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर तक चलेगी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री सरोज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2014 से 'मेक इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' की नीतियों के जरिए स्वदेशी को बढ़ावा दिया है। जिसका परिणाम है कि भारत का रक्षा निर्यात आज बढ़कर 24 हजार करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि पीएम श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प ही स्वदेशी है और हमें उनके साथ खड़े होकर इसे जन-जन तक ले जाना है और उनके संकल्प को सिद्ध करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी को आंदोलन के रूप में आगे बढ़ा रहे हैं। आजादी का आंदोलन भी सिर्फ स्वतंत्रता के लिए नहीं था। उसमें स्वदेशी और आत्मसम्मान की खुशबू भी थी। आज हमें हर त्यौहार, हर खरीदारी में स्वदेशी को प्राथमिकता देनी होगी। इस दौरान उन्होंने अभियान के तहत होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी भी दी। वहीं जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा ने कहा कि आत्मनिर्भर का मतलब है कि हम अपने देश में बनी चीजें खरीदें और उसका अधिक से अधिक उपयोग करें। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे हर व्यक्ति के मन में स्वदेशी वस्तुएं खरीदने के लिए उन्हें जागृत करें। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और दुनिया का सबसे युवा देश है। युवाओं को स्वदेशी की ओर प्रेरित किया जाए तो भारत पुनः आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। हम सबको मिलकर जमशेदपुर महानगर में अभियान को सफल बनाना है। इस दौरान मंच संचालन अभियान के जिला संयोजक संजीव सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष राजीव सिंह ने किया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती पर संगोष्ठी को संबोधित करेंगे बाबूलाल मरांडी

भारतीय जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 109 वीं जयंती पर भाजपा जमशेदपुर महानगर की ओर से गुरुवार संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम साकची कालीमाटी रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में होगी। जिसमें झारखंड भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेशाध्यक्ष का आगमन दोपहर 1 बजे बिस्टुपुर स्थित जमशेदपुर परिसदन में होगा। उक्त जानकारी जमशेदपुर महानगर के जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा ने दी। कार्यशाला में मुख्य रूप से झारखंड भाजपा व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक नीरज सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजीव सिंह, जिला महामंत्री संजीव सिंह, जिला कोषाध्यक्ष कृष्णा शर्मा काली, आईटी सेल के सह संयोजक किशोर ओझा एवं उज्वल सिंह समेत विभिन्न मंडलों के संयोजक एवं सह संयोजक मौजूद रहे।

आईआईटी आईएसएम धनबाद की शोधार्थी को मिला प्रतिष्ठित इंडिया एआई पीएचडी फेलोशिप

धनबाद, संवाददाता

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस), धनबाद को गर्व है कि प्रिया कुमारी, रसायन एवं रासायनिक जीवविज्ञान विभाग की प्रथम वर्ष की पीएचडी शोधार्थी, को इंडिया एआई पीएचडी फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह फेलोशिप इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रिया कुमारी अपने शोध कार्य को प्रो. मधुलिका गुप्ता के निर्देशन में कर रही हैं। पूरे देश से केवल 100 शोधार्थियों को यह अवसर मिला है। यह फेलोशिप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) और मशीन लर्निंग (टछ) के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के लिए आर्थिक सहयोग, अत्याधुनिक संसाधन और विशेषज्ञ मार्गदर्शन उपलब्ध कराती है। इस उपलब्धि पर प्रो. मधुलिका गुप्ता ने कहा प्रिया की इस सफलता से हमें गर्व है। यह उनके परिश्रम और आईआईटी आईएसएम में हो रहे अंतरविषयक शोध की ताकत को दिखाता है। आईआईटी आईएसएम के निदेशक प्रो. सुकुमार मिश्रा ने बधाई देते हुए कहा प्रिया की उपलब्धि न सिर्फ संस्थान के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह भारत की एआई रिसर्च क्षमता को भी मजबूत करेगी। हमारा प्रयास है कि युवा शोधार्थियों को विश्वस्तरीय माहौल और अवसर मिलें। इस फेलोशिप के माध्यम से प्रिया को शोध के लिए जरूरी संसाधन और मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित विज्ञान और तकनीक में सार्थक योगदान दे सकेंगी।

उप विकास आयुक्त और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

रामगढ़, संवाददाता

जिले में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जे.एस.एल.पी.एस.) द्वारा पतरातू प्रखंड के पालू पंचायत अंतर्गत पालू गांव में संचालित गैर कृषि गतिविधि एवं चिक हार्डनिंग सेंटर का औचक निरीक्षण उप विकास आयुक्त, रामगढ़ श्री आशीष अग्रवाल और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, पतरातू श्री मनोज कुमार गुप्ता द्वारा किया गया। इस निरीक्षण के दौरान, उन्होंने लखपति दीदी की विस्तृत जानकारी ली और उन्हें काफी बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया। निरीक्षण के दौरान, उप विकास आयुक्त और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने गैर कृषि गतिविधि और चिक हार्डनिंग सेंटर की गतिविधियों का अवलोकन किया और लाभुकों से बातचीत की। उन्होंने लखपति दीदी की प्रगति की समीक्षा की और उन्हें अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार से बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। लखपति दीदी योजना के तहत, महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं और उन्हें अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत, महिलाएं अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला रही हैं और अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। उप विकास आयुक्त और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने लखपति दीदी को काफी बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान किया और उन्हें अपने व्यवसाय को और अधिक विस्तार से बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने जे.एस.एल.पी.एस. की टीम को भी निर्देश दिए कि वे लखपति दीदी को आवश्यक समर्थन और संसाधन प्रदान करें ताकि वे अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक चला सकें। क्षेत्र भ्रमण के दौरान, जे.एस.एल.पी.एस. से प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक श्री पुरुषोत्तम कुमार सिंहा और प्रखण्ड परियोजना अधिकारी थे।

धनबाद की पूर्व उपायुक्त डॉ बीला राजेश को दी गई श्रद्धांजलि

12 फरवरी 2004 से 26 अप्रैल 2007 तक रही धनबाद की उपायुक्त

धनबाद, संवाददाता

धनबाद की पूर्व उपायुक्त डॉक्टर बीला राजेश के आकस्मिक निधन पर न्यू टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक के दौरान 2 मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि दी गई। झारखंड कैडर से अपना करियर शुरू कर तमिलनाडु कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बनीं डॉ बीला राजेश का बुधवार को निधन हो गया था। उन्होंने चेन्नई स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनके निधन से जिला प्रशासन में शोक की लहर दौड़ गई। वे अपने पीछे दो पुत्रियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। वे तमिलनाडु में कमर्शियल टैक्स की प्रिंसिपल सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत थीं। डॉ बीला राजेश 12 फरवरी 2004 से 26 अप्रैल 2007 तक धनबाद की उपयुक्त रहीं थी। इन तीन वर्षों में उन्होंने जिले में कई ऐतिहासिक काम किए और एक कर्तव्यपरायण, सख्त और संवेदनशील अधिकारी के रूप में अपनी छवि बनाई। मैथन जलापूर्ति योजना के तहत करीब 40 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछवाने का काम उनकी देखरेख में पूरा हुआ। इसके अलावा, मोहलबनी स्थित विद्युत शवदाह गृह को दोबारा शुरू कराने का श्रेय भी उन्हें जाता है। अक्टूबर 1998 में यह बंद कर दिया गया था।

लेकिन 22 दिसंबर 2005 को तत्कालीन उपायुक्त के रूप में उन्होंने इसका पुनः उद्घाटन किया। डॉ बीला राजेश ने अपने कर्मनिष्ठ और सेवा भाव से न सिर्फ प्रशासनिक जगत बल्कि आम जनता के दिलों में भी एक विशेष जगह बनाई थी। इस मौके पर विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह, उपाध्यक्ष सरिता देवी, उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, प्रशिक्षु आईपीएस राघवेन्द्र शर्मा, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण, डीएसपी मुख्यालय 2 धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर नौशाद आलम, एसडीपीओ सिंदरी आशुतोष सत्यम, एसडीपीओ बाघमारा पुरुषोत्तम कुमार सिंह, एसडीपीओ निरसा रजत मनिक बाखला के अलावा सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल के अंचल अधिकारी, सभी थाना के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी तथा जिले के विभिन्न शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

कोयला लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, बाल बाल बची चालक की जान

❖इस मोड़ पर आए दिन दुर्घटनाओं में लोगों की जाती है जान, नहीं है कोई स्पीड ब्रेकर, हर बार होती है बड़ी दुर्घटना

रामगढ़, संवाददाता

पतरातू प्रखंड के लबगा पंचायत स्थित मां पंच बहिनी मंदिर के समीप गुरुवार सुबह 8:00 बजे के करीब एक कोयला लदा ट्रक तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें चालक की जान बाल बाल बची। सौभाग्य से उस समय सड़क भी खाली थी जिससे बड़ी अनहोनी टल गई। मौके पर गाड़ी के चालक मिराज अंसारी ने बताया कि यह गाड़ी जिंदल रायगढ़ से कोयला लोड करके पतरातु जिंदल जा रही थी। अचानक एक बाइक आ जाने से उसको बचाने के क्रम में गाड़ी पलट गई। वहीं स्थानीय ग्रामीण एवं खेत की मालकिन लक्ष्मी देवी ने कहा कि जब भी हम अपने खेत में कोई भी खेती लगाते हैं तो आए दिन कोई ना कोई गाड़ी इस मोड़ पर आकर पलट जाती है जिससे वर्ष में दो कभी-कभी तीन बार हमारे फसलों को नुकसान पहुंचता है। ग्रामीण महिलाओं के साथ खेत की मालकिन ने प्रशासन से गुहार लगाई की यथा शीघ्र यहां पर एक स्पीड ब्रेकर बनाया जाए जिससे दुर्घटनाओं में कमी आए। ग्रामीणों ने आगे कहा कि यह मोड वैसे भी जानलेवा मोड है। प्रत्येक वर्ष दुर्घटना में न जाने कितने लोगों की मौत यहां हो चुकी है। मगर फिर भी यहां अभी तक स्पीड ब्रेकर की कोई व्यवस्था नहीं हो पाना चिंता का विषय है।

बोकारो थर्मल भाजपा कार्यालय में मनाया गया पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109 वां जयंती

बोकारो, संवाददाता

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 109 वीं जयंती भाजपा कार्यालय बोकारो थर्मल में गुरुवार को मनाया गया। कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य भरत यादव ने उनके जीवन यात्रा की चर्चा करते हुए कहा की दीनदयाल जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के प्रेरणास्त्रोत रहें हैं। विश्व जब साम्राज्यवाद और साम्यवाद से ग्रसित था,तो दीनदयाल जी ने संपूर्ण मानवता की रक्षा के लिए एकात्म मानववाद का दर्शन देकर विश्व कल्याण का मार्ग दिखाया। प्रकृति एवं संस्कृति का संरक्षण के साथ आत्म निर्भरता, सामाजिक समरसता, स्वदेशी का संदेश वाहक दीनदयाल जी का जीवन मुल्य आधारित था। उनके अंत्योदय और स्वदेशी की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी जी विगत 11 वर्षों सतत प्रयत्नशील है। इसलिए मोदी सरकार ने लगभग सभी योजनाएं गरीब, मजदूर, किसान, नौजवान, महिला, दलित, आदिवासी के कल्याणार्थ संचालित कर समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सबल बना रही है। भारत सशक्तिकरण हेतु आत्मनिर्भरता के लिए मेक इन इंडिया,लघु एवं सुक्ष्म उधोग और स्टार्ट अप को बढ़ावा देकर स्वदेशीकरण किया जा रहा है। श्री यादव ने कहा दीनदयाल जी के विचारों को आत्मसात कर जनमानस को जागरूक करना ही दीनदयाल जी की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मौके पर भाजपा नेता श्रवण सिंह, ईश्वर प्रजापति, मोती महतो, गिरिजा देवी,ओम प्रकाश सिंह, चंद्रप्रकाश सिंह, भैरव महतो, रामचंद्र महतो, हरेराम यादव, सीमा देवी, पी जी सेन, विरेश निषाद, पप्पू यादव, हरदीप राम, प्रेम सिंह, राजेश यादव आदि उपस्थित थे।

टुण्डी विधायक द्वारा दर्जनों धुमकड़िया भवन का शिलान्यास

धनबाद, संवाददाता

झारखंड विधानसभा के सचेतक सह टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने आज टुण्डी प्रखंड के विभिन्न आदिवासी बहुल क्षेत्रों में बनने वाले मांझी हाउस/धुमकड़िया भवन का दीप प्रज्जवलित एवं नारियल फोड़कर विधिवत शिलान्यास किया। बताते चलें कि कल्याण विभाग के अधीन टुण्डी के अरवाटांड़, चकामानपुर, चितरडीह, नयाबहाल, कारीटांड़, मुड़रा, केन्दुआटांड़, भोस्की, भुराही, छोटानागपुर आदिवासी बहुल गांवों में इस तरह के भवन निर्माण कार्य से आदिवासी समुदाय को बहुत हद तक कार्यक्रमों को करने में सहायक सिद्ध होगा। मौके पर झामुमो नेता फूलचंद किस्कू, कोलेश्वर बास्की, बसंत महतो, सुनिल कुमार बेसरा मदन महतो समेत बड़ी संख्या में आदिवासी भाई बहनें उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मनाया जा रहा स्वदेशी सप्ताह

स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ : आरके पाण्डेय

बेरमो, संवाददाता

विद्या भारती के निर्देश पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तेलो में गुरुवार को 25 सितम्बर से दो अक्टूबर तक स्वदेशी सप्ताह का आयोजन प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर स्वदेशी के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश कुमार पाण्डेय ने वंदना सभा को संबोधित करते हुए कहा कि स्वदेशी वस्तुओं का प्रयोग करना ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र की सेवा है। स्वदेशी अपनाना है,देश का मान बढ़ाना है। यह भाव भैया-बहन, समाज एवं स्वयं में भी जागृत हों। इससे भारत आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनेगा। सभा के बाद कक्षा चतुर्थ से दशम तक के छात्र-छात्राओं ने तेलो ग्राम में भव्य प्रभात फेरी निकाली। विद्यालय परिसर से निकली प्रभात फेरी महतो मार्केट, लालजी चौक, कुम्हार टोला, भण्डार टोला होते हुए माइन टोला तक पहुँची। इस दौरान भैया- बहनों ने जोशीले नारे लगाए–

आत्मनिर्भर भारत का सपना, स्वदेशी से होगा अपना।

अपना देश, अपनी शान - स्वदेशी है अपनी पहचान।

स्वदेशी अपनाओ, देश बचाओ।

कोलगेट, रिन, पेप्सी, कोला जन जन में है जहर घोला।

प्रभात फेरी के दौरान समाज के लोगों को स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग हेतु प्रेरित करने वाले पत्रक भी वितरित किए गए। स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहयोग दिया। पूरे सप्ताह चलने वाले कार्यक्रमों का संचालन आचार्य अनन्त पाण्डेय द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी आचार्य एवं कर्मचारी बंधु-भगिनियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा ने स्वच्छता व पौधारोपण कर मनाई पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती

धनबाद, संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी सिंद्री नगर मंडल ने आज एकात्म मानववाद के प्रणेता एवं हम सबों के मार्गदर्शक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। इस अवसर पर रोड़ा बांध पोस्ट ऑफिस परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। नगर अध्यक्ष अरविंद पाठक ने कहा कि दीनदयाल जी का एकात्म मानववाद समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने का संदेश देता है। उन्होंने कार्यकताओं से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। जिला महामंत्री मनोज मिश्रा ने कहा कि उपाध्याय के विचार आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और कार्यकताओं को राष्ट्रहित में समर्पण की प्रेरणा देते हैं। जिला मंत्री प्रकाश बावरी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता उनके सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं वरिष्ठ नेता राकेश तिवारी ने कहा कि स्वच्छता और सेवा ही पंडित दीनदयाल जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। स्वच्छता अभियान के उपरांत 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम अंतर्गत पौधारोपण किया गया। कार्यकताओं ने विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विधायक जयराम महतो ने किया नौ योजनाओं का भूमिपूजन व शिलान्यास

बोकारो, संवाददाता

डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो ने गुरुवार को नावाडीह प्रखंड में नौ योजनाओं का भूमिपूजन व शिलान्यास किया।मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजनान्तर्गत नावाडीह प्रखंड अंतर्गत भलमारा पंचायत के कुकुरलिलवा में आरईयो रोड से जमुनपनिया स्कूल तक पथ निर्माण कार्य , विधायक मद से बगजोबरा में छत्रधारी महतो के घर से देवाचंद महतो के घर तक नाली निर्माण, डीएमफटी फंड से प्राथमिक विद्यालय धधकीबेड़ा में अतिरिक्त वर्ग कक्षा का निर्माण, विधायक मद से चपरी पंचायत भवन के बगल में पुस्तकालय भवन का निर्माण, चपरी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का जीर्णोद्धार, चपरी के बेला और पिपराटांड़ के बीच नाला पर पुल निर्माण, गुंजरडीह पंचायत में स्व डेगलाल महतो स्मारक तोरण द्वार , गुंजरडीह में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का जीर्णोद्धार,आयुष्मान आरोग्य मंदिर का जीर्णोद्धार सह शौचालय निर्माण कार्य का भूमि पूजन व शिलान्यास किया गया। विधायक श्री महतो ने विश्वास जताया कि इन योजनाओं के पूरा होने से लोगों को सुविधा होगी,बेला और पिपराटांड़ के बीच नाला पर पुल बन जाने से आवागमन सुलभ होगा। वहीं प्राथमिक विद्यालय धधकीबेड़ा में अतिरिक्त वर्ग कक्षा के निर्माण से बच्चों को पढ़ाई में सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि जनहित की योजनाओं को प्राथमिकता के तौर पर पूरा किया जा रहा है। इससे पहले कुकुरलिया में ग्रामीणों ने विधायक को ढोल नगाड़ों के साथ स्वागत किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि सुरेश कुमार महतो, जिप सदस्य फूलमती देवी, नावाडीह मुखिया किरण देवी,चपरी मुखिया आरती देवी, पंसस ममता देवी, पूर्व मुखिया गणेश महतो, जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष मोती महतो, फूलचंद किस्कू,देवेंद्र महतो, अनिल महतो, कोलेश्वर महतो, महावीर महतो, विजय महतो, दीपक महतो, मंडल महतो , महेश महतो, इंद्रदेव महतो, मैनेजर महतो, टिंकू शर्मा, भीम साव, उमेश सिंह, सुर्यकांत पांडे, अजय महतो, चंद्रिका सिंह, फूलचंद महतो, भीम कुमार साव आदि उपस्थित थे।

नावाडीह में पथ संचलन को लेकर स्वयंसेवकों ने की पूर्वाभ्यास

बेरमो, संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शताब्दी वर्ष एवं विजयादशमी के उपलक्ष्य पर नावाडीह में पथ संचलन होना हैं। जिसको लेकर गुरुवार को नावाडीह खंड के स्वयंसेवकों द्वारा पूर्वाभ्यास किया गया।जो गोबरगढ़ा स्थित फुटबॉल ग्राउंड से चल कर ब्लॉकमॉड होते हुए बिनोद बिहारी चौक पहुंची और पुनः फुटबॉल ग्राउंड वापस लौटे। मौके पर खण्ड कार्यवाह लालचंद महतो ने कहा कि 29 सितंबर को नावाडीह में पथ संचलन को लेकर आज अभ्यास किया गया। साथ ही उन्होंने आगे कहा कि पथ संचलन से क्षेत्र में हिंदू के प्रति एक जागरण का संकेत प्रेरित करते हुए फैलती कुरीतियां दूर हो कर लोगों में संस्कार , भारतीय संस्कृति की भावना में जागृति उत्पन्न होगी। मौके पर खण्ड सह कार्यवाह बालेश्वर महतो, गौ सेवा प्रमुख छत्रबली पंडित, समाजसेवी फूलचंद किस्कू, पंकज शर्मा, अनिल महतो, ओम प्रकाश कुमार, दुर्गा कुमार, योगेंद्र कुमार, गणेश कुमार, करण कुमार, मुकेश कुमार, कुलदीप कुमार आदि मौजूद थे।

'महिषासुर वास्तव में शिव के अवतार थे'

● नमः शम्भो महादेव महिषासुरविग्रह।
देवदर्पविनाशाय शक्तिलीलासहायक ॥
● तामसस्य प्रभो त्वं हि योगिनां हृदिसंस्थितः।
मोहान्धकारसंहारिन् नमस्ते कालरूपिणे॥
● त्वयि देवासुरे युद्धे शिवरूपेण धीमता।
शक्तिर्नृत्यति संहारे त्वं हि लीलानुकल्पकः॥
● महिषासुर रूपेण संहारक शिवाय ते।
देवदर्पविनाशाय नमः कालरूपिणे॥
● योगिनां पतये तस्मै तामसाय नमो नमः।
शक्तिलीलाविहाराय सर्वत्रैव विभासिने॥

शक्ति और शिव के संबंध को लेकर तंत्र और शास्त्रों में गहरे आध्यात्मिक रहस्य निहित हैं। शक्ति और शिव एक दूसरे के बिना अधूरे हैं, और उनका संयुक्त रूप सृष्टि की संपूर्णता का प्रतीक है। तंत्र में, शक्ति को सृजन की शक्ति और शिव को आधार कहा गया है। यह कहा जाता है कि बिना शिव के शक्ति का अस्तित्व नहीं और बिना शक्ति के शिव निष्क्रिय हैं। इसलिए, शक्ति के सभी रूपों में–काली, तारा, बगला, त्रिपुरा आदि–शिव उनकी स्थिरता और आधार के रूप में विद्यमान होते हैं।

शिव और शक्ति के संबंध की तात्त्विक व्याख्या- तंत्र की दृष्टि से, शिव और शक्ति का संबंध सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से अद्वैत है। शिव को परम पुरुष और शक्ति को परम प्रकृति कहा गया है। वे दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। शक्ति की सारी क्रियाएं शिव पर आधारित हैं, और यही कारण है कि शक्ति के विभिन्न रूपों में हम पाते हैं कि देवी शिव पर आरोहण करती हैं। चाहे वह काली हों, जो शिव के निष्क्रिय शव पर खड़ी होती हैं, या त्रिपुरा सुंदरी, जो शिव के साथ रासलीला करती हैं–सभी रूपों में शिव ही उनके आधार स्वरूप हैं।

दुर्गा के आधार में शिव–एक तात्त्विक रहस्य- अब प्रश्न यह उठता है कि क्या दुर्गा के आधार में भी शिव हैं? सामान्य दृष्टि से हम देखते हैं कि दुर्गा के असुरों के साथ युद्ध में शिव की प्रत्यक्ष भूमिका दिखाई नहीं देती है। लेकिन तंत्र में गहराई से देखने पर इसका उत्तर प्राप्त होता है। दुर्गा का महिषासुर के साथ संग्राम तात्त्विक दृष्टि से केवल एक सामान्य संग्राम नहीं है। यह देवताओं के अहंकार को मर्दन करने की लीला है। दुर्गा शक्ति की अवतार हैं, और उनका हर स्वरूप शिव से जुड़ा हुआ है।

महिषासुर-शिव का अवतार- यहां से तंत्र की गहरी अंतर्दृष्टि प्रकट होती है–महिषासुर और कोई नहीं, शिव ही हैं। महिषासुर का शिव से यह संबंध एक गूढ़ रहस्य को प्रकट करता है। शिव का स्वरूप संहारक है, वे अज्ञान और अहंकार का विनाश करने वाले हैं। देवता, जो अहंकार से पीड़ित थे, उन्हें उनके दर्प से मुक्त करने के लिए शिव ने महिषासुर का रूप धारण किया। यह केवल एक दैत्य का रूप नहीं था, बल्कि शिव का तामसिक स्वरूप था, जो देवताओं को अपनी सीमाओं का बोध कराने के लिए प्रकट हुआ था।

महिषासुर के रूप में शिव का उद्भव- महिषासुर को एक तामसिक और बलशाली असुर माना जाता है। उसका अहंकार इतना बढ़ गया था कि उसने स्वयं को अजेय मान लिया था। यह अहंकार देवताओं के अहंकार का प्रतिबिंब था। शिव का यह रूप देवताओं के लिए एक पाठ था, ताकि वे अपनी शक्तियों के दुरुपयोग से बचें। महिषासुर, शिव के तामसिक रूप का प्रतीक था, जो

न केवल बाहरी रूप से बल्कि आंतरिक रूप से भी संहारक था। इस रूप का मुख्य उद्देश्य देवी की शक्ति को पूर्ण रूप से प्रकट करना और देवताओं के दर्प का नाश करना था।

शक्ति की लीला में शिव का सहयोग- महिषासुर मर्दिनी के रूप में देवी दुर्गा का संग्राम केवल असुर वध नहीं था, बल्कि यह शक्ति और शिव की एक गूढ़ लीला थी। महिषासुर के रूप में शिव ने शक्ति को संहार के लिए प्रेरित किया, ताकि सृष्टि में संतुलन बना रहे। यह संहारक लीला शक्ति के बिना अधूरी थी, और शक्ति का यह रूप शिव के सहारे ही प्रकट हुआ। महिषासुर का वध केवल एक असुर का नाश नहीं था, बल्कि यह देवी और शिव के संयुक्त तात्त्विक रहस्य का प्रकटीकरण था।

तांत्रिक दृष्टि से महिषासुर का महत्व

तंत्र में, हर असुर और देवता में एक गहरा दार्शनिक रहस्य छिपा होता है। महिषासुर, जो तामसिकता और अज्ञान का प्रतीक था, वास्तव में एक उच्चतर शक्ति का ही एक रूप था। वह शिव का ही रूप था, जो शक्ति की लीला में सहायक बनने के लिए प्रकट हुआ था। देवताओं के अहंकार का मर्दन और शक्ति की महिमा का प्रकट होना ही इस लीला का मुख्य उद्देश्य था।

निष्कर्ष- इस प्रकार, दुर्गा के आधार में भी शिव ही हैं, और महिषासुर के रूप में शिव का प्रकट होना तंत्र की एक गूढ़ लीला है। यह लीला हमें सिखाती है कि अहंकार और अज्ञान का नाश ही सृष्टि के संतुलन का मार्ग है। दुर्गा और शिव, दोनों ही एक-दूसरे के पूरक हैं, और महिषासुर का रूप शिव की उस संहारक शक्ति का प्रतीक है, जो सृष्टि में संतुलन बनाए रखने के लिए प्रकट होती है। तांत्रिक दृष्टिकोण से, यह लीला शक्ति और शिव की अद्वैतता का प्रतीक है, जो सृष्टि, संहार और पुनर्सृजन की प्रक्रिया को पूर्ण करती है।

महिषासुर को यज्ञ भाग प्राप्त होना एक अद्वितीय और गूढ़ तात्त्विक रहस्य है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि महिषासुर का स्वरूप किसी सामान्य असुर का नहीं, बल्कि एक उच्चतर शक्ति का प्रतीक है।

शास्त्रों और तंत्रों में उल्लेख मिलता है कि यज्ञ भाग केवल देवताओं और उन दिव्य शक्तियों को प्राप्त होता है, जो सृष्टि के संचालन और संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। लेकिन महिषासुर, जो शक्ति के साथ युद्ध में पराजित हुआ, उसे भी यज्ञ भाग प्राप्त होता है, जो यह दर्शाता है कि यह असुर होते हुए भी किसी विशिष्ट कारण से पूजनीय है। यह अन्य असुरों के साथ नहीं देखा जाता।

1. महिषासुर का यज्ञ भाग प्राप्त करना- एक तात्त्विक रहस्य- महिषासुर को यज्ञ भाग प्राप्त होना इस तथ्य की ओर संकेत करता है कि यह देवताओं और राक्षसों के बीच की सीमाओं से परे एक दिव्य भूमिका निभाता है। तांत्रिक दृष्टिकोण से देखें तो महिषासुर को शिव का एक तामसिक रूप माना जा सकता है, जो संहार और संतुलन के उद्देश्यों के लिए प्रकट हुआ था। जब किसी लीला में शिव की भूमिका होती है, तो वह साधारण नहीं हो सकती। यह शिव का ही प्रभाव है कि महिषासुर, भले ही देवताओं से संघर्ष करता हो, फिर भी यज्ञ भाग का अधिकारी बना रहा।

2. असुरों और देवताओं के बीच महिषासुर की विशिष्टता- अन्य असुरों जैसे रावण, हिरण्यकश्यप, और ताड़का को यज्ञ भाग नहीं प्राप्त होता क्योंकि वे केवल व्यक्तिगत अहंकार और स्वार्थ के प्रतीक थे।

लेकिन महिषासुर का स्वरूप गहन तात्त्विकता से जुड़ा है। उसके माध्यम से सृष्टि का संतुलन बनाए रखने की प्रक्रिया चल रही थी। शिव के संहारक और तामसिक रूप का प्रतीक होने के कारण, महिषासुर देवताओं के अहंकार का विनाश करने के लिए आवश्यक था। इसीलिए, उसे यज्ञ भाग प्राप्त होता है, क्योंकि उसकी भूमिका देवताओं के अहंकार के विनाश और सृष्टि के संतुलन में सहायक थी।

3. तांत्रिक दृष्टिकोण से महिषासुर का यज्ञ भाग- तंत्र में महिषासुर का स्थान विशिष्ट है, क्योंकि तांत्रिक प्रणाली में शिव और शक्ति का संतुलन ही सर्वोच्च माना जाता है। महिषासुर के रूप में शिव ने इस संतुलन को साधने का कार्य किया। यज्ञ का मूल उद्देश्य सृष्टि की स्थिरता और कल्याण है। महिषासुर, शिव के एक रूप के रूप में, इस उद्देश्य में सम्मिलित थे। यज्ञ भाग के अधिकारी होने का यह विशेष कारण यही है कि महिषासुर के माध्यम से शक्ति का पूर्ण प्रकट होना संभव हुआ, और देवताओं का अहंकार समाप्त हो गया।

4. महिषासुर- सृष्टि के चक्र का एक आवश्यक अंग- महिषासुर का यज्ञ भाग प्राप्त करना यह भी दर्शाता है कि यह सृष्टि के चक्र में एक आवश्यक अंग थे। वे एक असुर होते हुए भी सृष्टि के नियमों को बनाए रखने के लिए प्रकट हुए थे। शिव के तामसिक रूप का प्रतीक होने के कारण, उन्होंने देवताओं के बीच अहंकार को नियंत्रित किया और शक्ति की महिमा को प्रकट किया। यह तात्त्विक दृष्टिकोण महिषासुर को एक उच्चतर भूमिका में रखता है, जो उन्हें यज्ञ भाग का अधिकारी बनाता है।

5. देवताओं और असुरों का संतुलन- यज्ञ का भाग सामान्यतः उन देवताओं को प्राप्त होता है जो सृष्टि के संचालन और रक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महिषासुर का यज्ञ भाग प्राप्त करना इस बात का सूचक है कि यह केवल एक असुर नहीं था, बल्कि एक उच्चतर शक्ति से प्रेरित होकर उसने अपनी भूमिका निभाई। यह संतुलन शिव और शक्ति के बीच का है, और महिषासुर का प्रकट होना उसी संतुलन का हिस्सा था।

निष्कर्ष- महिषासुर को यज्ञ भाग प्राप्त होने का तात्त्विक और तांत्रिक अर्थ यही है कि वह किसी साधारण असुर का प्रतीक नहीं था, बल्कि शिव के तामसिक रूप का एक अवतार था, जिसका उद्देश्य सृष्टि में संतुलन लाना और देवताओं के अहंकार का विनाश करना था। इस विशेषता के कारण ही उसे यज्ञ भाग प्राप्त होता है, जो अन्य असुरों के साथ नहीं होता। महिषासुर, शिव और शक्ति की लीला में एक महत्वपूर्ण पात्र थे, और उनकी भूमिका सृष्टि के संचालन में सहायक थी, जिसके कारण वे यज्ञ भाग के अधिकारी बने।

मांगों को लेकर जेएसएलपीएस कर्मियों ने समाहरणालय पर दिया धरना

संवाददाता

कोडरमा - झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) के अंतर्गत कार्यरत कर्मियों ने स्थायीकरण सहित अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर राज्यव्यापी आह्वान पर झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के बैनर तले समाहरणालय पर एक दिवसीय धरना दिया गया. अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अमरजीत कुमार एवं अनंत कुमार पाण्डेय ने संयुक्त रूप से किया। जबकि संचालन जिला सचिव अंजनी कुमार सिंह ने किया।

धरना को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने कहा कि समान काम का समान वेतन मिलने का अधिकार सभी कर्मियों को है। जेएसएलपीएस का गठन हुए 16 वर्ष हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 10 साल तक लगातार काम करने वाले कर्मियों को स्थायी करना है। लेकिन इन्हें सोसाइटी एक्ट में रखकर राज्यकर्मी होने का अधिकार से वंचित किया जा रहा है। झारखंड के हर गांव में आजीविका महिला समूह है। जो जेएसएलपीएस से संचालित होती है. राज्य में इनकी संख्या लगभग 50 लाख है, जो किसी भी सरकार को बना या बिगाड़ सकती है। इसलिए झारखंड सरकार को इन कर्मियों को नियमित करने की पहल करनी चाहिए। अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र तिवारी, महामंत्री शशि कुमार पांडेय व संयुक्त सचिव दिनेश रविदास ने कहा कि जे०एस०एल०पी०एस० के अंतर्गत कार्यरत कर्मी लंबे समय से मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन एवं महिला सशक्तिकरण हेतु सतत काम कर रहे हैं। इन सभी कार्यों को पूर्णतः जिम्मेदारियों का वहन करते हुए सरकार के अन्य योजनाओं एवं सौंपे गए जिम्मेदारियों का बखूबी निर्वाहन करते आ रहे हैं और सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कर वंचितों तक सुविधाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जेएसएलपीएस कर्मचारी राज्यकर्मी और न्यूनतम वेतन के हकदार हैं. धरना में जिला कार्यालय सहित सतगावां, डोमचांच, मरकच्चो, जयनगर, चंदवारा और कोडरमा सदर प्रखंड से सिंटू कुमारी, रितेश कुमार, रंजीत कुमार रजक, साधना कुमारी, ललिता कुमारी, प्रदीप कुमार सिंह, बसंत अग्रवाल, संजय कुमार, संतोष कुमार दास, गौरी यादव सहित सभी जेएसएलपीएस कर्मी मौजूद थे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' कार्यक्रम आयोजित

● साफ-सफाई की आदत को अपनी दिनचर्या में शामिल करें: उपायुक्त ऋतुराज

संवाददाता । कोडरमा

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' राष्ट्रव्यापी सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन ध्वजाधारी धाम परिसर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त श्री ऋतुराज ने की। इस अवसर पर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत कोडरमा एवं डोमचांच के संयुक्त प्रयासों से श्रमदान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान उपायुक्त श्री ऋतुराज सहित जिले के अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी, नगर परिषद के सफाईकर्मी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। सभी ने ध्वजाधारी धाम परिसर की सफाई में भाग लिया। उपायुक्त ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और मंदिर परिसर में कार्यरत कर्मियों को एकल प्लास्टिक का उपयोग न करने के लिए जागरूक किया। उपायुक्त ने कहा, +जैसे हम अपने घर को प्रतिदिन साफ रखते हैं, उसी तरह अपने आस-पास के क्षेत्रों की स्वच्छता की जिम्मेदारी भी हमारी ही है। हमें स्वच्छता को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।+

कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त रवि जैन, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अविनाश राम, कार्यपालक अभियंता (पेयजल एवं स्वच्छता विभाग) शंभू प्रसाद कुशवाहा, नगर पंचायत कोडरमा/डोमचांच के प्रशासक, डीपीएम (जेएसएलपीएस) प्रकाश रंजन समेत स्वास्थ्य विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारी, कर्मी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

क्वाटर फाइनल का अंतिम खेल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

संवाददाता ।

मरकच्चो प्रखण्ड स्थित राजकिय मध्यविद्यालय चिचरिया नईटांड़ खेल मैदान में बुधवार को न्यू स्पोर्टिंग क्लब तेलोडीह पंचायत के द्वारा फुटबॉल टूर्नामेंट का दूसरे राउंड का अंतिम फुटबॉल मैच खेल वाया गया जिसकी सुरुवात खेल के पूर्व राष्ट्रगान कर किया गया जिसमें गिरिडीह जिला के बगोदर की टीम और बोकारो जिले के आजाद क्लब गोमिया के टीम के बीच कुल 80 मिनट का खेल हुवा जिसमें जिसमें खेल के दौरान गोमिया की टीम ने कुल दो बाल से जीत हासिल किया । वहीं इस टूर्नामेंट में आए हुवे हुवे अतिथियों का कमिटी के द्वारा भव्य रूप से स्वागत कियागया इसके बाद सेमी फाइनल का अगला खेल 27 सितंबर को गड़गी बनाम धनबाद के बीच खेला जाएगा। वहीं इस टूर्नामेंट में वरिष्ठ समाजसेवी जागेस्वर सिंह , महेंद प्रसाद बर्मा , पूर्व मुखिया मनिंदर राम , वरिष्ठ समाज सेवी कृष्णदेव यादव , प्रदीप राम , राम सहाय यादव , पंकज रजक समेत कमिटी के दर्जनों सदस्य और हजारों के संख्या में महिला पुरुष दर्शक लोग मौजुद थे ।

आरपीवाई बीएड कॉलेज में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन 40 विद्यार्थियों का विभिन्न स्कूलों में चयन

संवाददाता

कोडरमा। रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में महाविद्यालय के आइक्यूएसी व प्लेसमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया। इस मौके मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा समाजसेवी मयंक कुमार उपस्थित हुए। साथ ही मौके पर विभिन्न विद्यालयों से आए हुए निर्देशक, प्राचार्य एवं शिक्षक शामिल हुए। कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत से पूर्व अतिथियों के स्वागत के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि व सभी विद्यालय के प्रतिनिधियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉक्टर लक्ष्मी सरकार ने अतिथियों का स्वागत

करते हुए कैंपस प्लेसमेंट के बारे में विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मयंक कुमार ने कहा कि, किसी भी संस्थान में कैंपस प्लेसमेंट एक प्रक्रिया है, जिसमें उस संस्थान में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाते है, विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाना चाहिए। इससे विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता का भी विकास होता है। वह आगे चलकर किसी भी इंटरव्यू में अपने आप को बेहतर साबित करने का अनुभव भी प्राप्त करते है। कैंपस प्लेसमेंट के लिए महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र-छात्राओं ने विभिन्न विद्यालयों के लिए अलग-अलग रजिस्ट्रेशन करवाया। प्लेसमेंट में कुल 40 विद्यार्थियों को विभिन्न स्कूलों द्वारा अनुसंशित किया गया।

ये स्कूल थे शामिल - कैंपस प्लेसमेंट में आरपी ग्लोबल स्कूल चाराडीह, सेक्रेड हार्ट स्कूल झुमरी तिलैया, राज इंटरनेशनल स्कूल कोडरमा, द रामेश्वर वैली स्कूल झुमरी तिलैया, झारखंड पब्लिक स्कूल इंदरवा, संस्कार इंटरनेशनल स्कूल बेकोबार, कौण्डिन्या पब्लिक स्कूल गुमो, मंजुला शर्मा मेमोरियल प्लस टू एकेडमी डोमचांच, लोयोला विद्यालय चरही, हजारीबाग, मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल ललकेधवा, जयनगर शामिल हुए।

माहुरी वैश्य महिला एवं बालिका समिति डांडिया महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

संवाददाता

जयनगर प्रखंड के पंचायत कटिया परसाबाद माहुरी टोला देवी मंडा प्रांगण में हर वर्ष की भांति किस वर्ष भी डांडिया महोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि फेमस राजेश बिंदास चैनल कॉमेडी टीम डांडिया महोत्सव में शामिल हुए। आए हुए अतिथियों का स्वागत माला पहनकर, अंग वस्त्र ओढ़ाकर, सम्मानित स्वागत किया गया।माहुरी टोला देवी मंडप प्रांगण में कुलदेवी मां मथुरासिनी की तस्वीर के सम्मुख पूजा अर्चना कर गणेश स्तुति वंदना कर डांडिया कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। डांडिया महोत्सव में आए हुए मुख्य अतिथि

दादी मंजू देवी एवं गुड़िया देवी के साथ उपस्थित सभी महिलाएं पूरे हर्ष उल्लास के साथ डांडिया महोत्सव धूमधाम से मनाया। डांडिया कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि फेमस राजेश बिंदास, दादी मंजू देवी, गुड़िया देवी, हर्ष कुमार, लकी कुमार, महिला मंडल अध्यक्ष नेहा सेठ, केंद्रीय सदस्य उप मुखिया नीलू भदानी, सचिव टिंकी भदानी, उपसचिव स्वाति भदानी, उपाध्यक्ष पूजा भदानी, रजनी सेठ, विनीता, नीलम, ज्योति, संगीता, सोनी,आरती, स्वाती, सुष्मा, रीना, संध्या, कविता, अनीता, पल्लवी, नीतू, बेबी, पूनम, अर्चना, ब्यूटी, स्नेहा अपेक्षा, पलक, आंचल,कली, दिव्या, श्रीजा, स्मिर्ती, शाक्म, श्वेता, रीना, रेशमी, रिया, प्रिया, अनुराधा, आयुषी, महिमा, समाज की सभी महिलाएं उपस्थित थे ।

दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने हेतु सदर अस्पताल में दिव्यांग बोर्ड का आयोजन

संवाददाता

कोडरमा सदर अस्पताल, कोडरमा में प्रत्येक माह के दूसरे एवं चौथे बृहस्पतिवार को दिव्यांग जनों के प्रमाण पत्र बनाने हेतु दिव्यांगता मूल्यांकन बोर्ड का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है। इसी क्रम में 25/09/2025 को आयोजित दिव्यांग बोर्ड में कुल 40 मरीज (प्रत्याशी) उपस्थित हुए, जिनमें से 25 व्यक्तियों को दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत किए गए।

प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले व्यक्तियों में

अस्थि (हड्डी संबंधी) दिव्यांगता ङ्घ 10

लकवा (ड्ढड्डह्म्ड्डद्य4ह्यद्बह्य) ङ्घ 5

फाइलेरिया/हाथीपांव ङ्घ 10

इसके अतिरिक्त, 2 मूक-बधिर (गूंगे-बहरे) एवं 2 मानसिक रोगियों को उच्चस्तरीय जांच हेतु रांची रेफर किया गया। इस दिव्यांगता मूल्यांकन

शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं तकनीकी कर्मियों की सक्रिय उपस्थिति रही- डॉ. रमण कुमार, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार, फिजिशियन

राजीव रंजन, फिजियोथेरेपिस्ट

सुनील कुमार, कार्यालय सहायक मनोज कुमार, ऑडियोलॉजिस्ट जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि सभी पात्र दिव्यांगजन समय पर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सरकारी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ उठा सकें। दिव्यांग प्रमाण पत्र हेतु आगामी शिविर अक्टूबर माह के द्वितीय एवं चतुर्थ बृहस्पतिवार को आयोजित किए जाएंगे।

आदर्श युवा क्लब क्रिकेट मैच का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख एवं जिला परिषद ने संयुक्त रूप से किया

संवाददाता। जयनगर प्रखंड के ग्राम मकतपुर मे आदर्श युवा क्लब क्रिकेट मैच टूर्नामेंट का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख अंजू देवी एवं जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया । क्रिकेट मैच शुरुआत राष्ट्रीय गीत प्रस्तुत कर किया गया। प्रखंड प्रमुख काजू देवी ने कहा कि खेल को खेल की तरह खेलें आत्मविश्वास के साथ खेले चाहे कोई भी खेल हो दृढ़ निश्चय होकर ईमानदारी से खेलें। जिला परिषद सदस्य केदारनाथ यादव ने कहा कि खेल में आत्मविश्वास होना अति आवश्यक है खेल खेलने से शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक विकास एवं शरीर में चुस्ती फुर्ती और मजबूती आती है । कमेटी के सदस्य अध्यक्ष शैलेंद्र चौधरी, सचिव विनय यादव, जितेंद्र राणा, शशिकांत चौधरी, कोषाध्यक्ष अनिवेश यादव पिंटू यादव, उपस्थित अतिथिगण जनप्रतिनिधि राजकुमार यादव मुखिया ककरचोली,मुखिया इंद्रदेव यादव तिलोकरी, पंचायत समिति सदस्य धनेश्वर राणा रूपयाडीह, पूर्व मुखिया अजय यादव, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि राजेश पासवान, उप मुखिया संदीप पांडेय, नेता अशोक यादव वाले, मनोज चौधरी, सीता देवी, मोती लाल यादव, राम लखन चौधरी, अर्जुन चौधरी, कार्यक्रम का संचालन सुनील यादव एवं शैलेंद्र चौधरी संयुक्त रूप से किया प्रीमियर लीग मैच के अध्यक्ष पूर्व उप मुखिया शैलेंद्र चौधरी के द्वारा अध्यक्षता किया गया । उद्घाटन मैच बेहराडीह बनाम महुआ गढ़ के बीच खेला गया। टॉस बेहराडीह जीतकर बल्लेबाजी करने के लिए महुआगढ़ा को आमंत्रित किया। ताजा समाचार प्राप्त होने तक महुआ गढ़ा की टीम ने चार ओवर में तीन विकेट खोलकर 25 रन बनाए थे।वर्षा के कारण मैच स्थगित किया गया।

इसूज़ु मोटर्स इंडिया ने मप्र में किया विस्तार

भोपाल में नई 3एस डीलरशिप विन-विन इसूज़ु की ओपनिंग

भोपाल। इसूज़ु मोटर्स इंडिया ने मध्य प्रदेश के भोपाल में अपनी नई डीलरशिप 'विन-विन इसूज़ु' की ओपनिंग की घोषणा की है। यह प्रदेश में इसूज़ु का तीसरा टचपॉइन्ट है, जो क्षेत्र में ब्राण्ड की मौजूदगी को सशक्त बनाएगा।

11 माइल-बायपास, होशंगाबाद-भोजपुर रोड़ पर स्थित इस नई यूनिट को 3एस (सेल्स, सर्विस, स्पेयर्स) इंटीग्रेटेड आउटलेट के रूप में डिज़ाइन किया गया है। 20,000 वर्गफीट में फैली इस यूनिट में 5000 वर्गफीट का आधुनिक शोरूम है जहां दोपहिया वाहनों का डिस्प्ले किया जाएगा। साथ ही सभी सुविधाओं से युक्त 15,000 वर्गफीट में फैली वर्कशॉप भी है जहां पांच सर्विस बे बनाए गए है।

डीलरशिप का उद्घाटन राजेश मित्तल, प्रेज़ीडेन्ट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, इसूज़ु मोटर्स इंडिया द्वारा किया गया, इस अवसर पर इसूज़ु मोटर्स इंडिया के अन्य अधिकारी और डीलर पार्टनर्स श्री वीरेन्द्र सिंह और श्री रविचंदन जे. भी मौजूद रहे। आज इस डीलरशिप से नए वाहनों की डिलीवरी के साथ कारोबार की शुरूआत हो चुकी है। उद्घाटन के अवसर पर श्री राजेश मित्तल, प्रेज़ीडेन्ट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, इसूज़ु मोटर्स इंडिया ने कहा, ''विन-विन इसूज़ु के साथ मध्य प्रदेश में अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। मध्य प्रदेश हमारे लिए महत्वपूर्ण मार्केट है और इस नए टचपॉइन्ट के साथ हमारा उद्देश्य भोपाल एवं आस-पास के उपभोक्ताओं को सेल्स एवं सर्विस में सेवाएं प्रदान करना है। मुख्य आर्थिक हब होने के नाते, भोपाल में हमारे इसूज़ु वाहनों की मांग पहले से बढ़ रही है। अब इस नई यूनिट के साथ हम क्षेत्र की क्षमता का लाभ उठा सकेंगे, जो मैनुफैक्चरिंग से लेकर कृषि, फार्मास्युटिकल्स, टेक्सटाइल्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स तक विभिन्न उद्योगों के माध्यम से राज्य के विकास में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। इसूज़ु अपनी सभी लोकेशनों पर उपभोक्ताओं को भरोसेमंद प्रोडक्ट्स एवं उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।'' वीरेन्द्र सिंह एवं श्री रविचंदन जे, डीलर पार्टनर, विन-विन इसूज़ु ने कहा, ''इसूज़ु के विश्वस्तरीय वाहनों एवं सेवाओं को भोपाल में पेश करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह नई यूनिट गुणवत्ता, भरोसे एवं उपभोक्ताओं को संतोषजनक सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम लोगों को सेल्स एवं सर्विस का सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।'' ग्रुप पिछले तीन दशकों से ऑटोमोबाइल कारोबार में सक्रिय है तथा क्षेत्र में अपनी गहरी पहुंच बनाए हुए हैं।

चैटरबॉक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का आईपीओ खुला

मुंबई, एजेंसी। इश्यू साइज 37,27,200 इक्विटी शेयर है, जिनका फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है, और प्राइस बैंड 110 से 115 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। चैटरबॉक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री राज मिश्रा ने कहा, यह आईपीओ चैटरबॉक्स की यात्रा में एक गर्व का मील का पत्थर है। एक छोटी टीम के रूप में शुरू होकर, हम भारत की प्रमुख इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग और सोशल मीडिया कंपनियों में से एक बन गए हैं।

अगले वर्ष मार्च तक के लिए निर्देश जारी

चांदी के कुछ आभूषणों के निर्यात के लिए सरकार ने बढ़ाई सख्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने बुधवार को कुछ चांदी के आभूषणों पर अगले साल 31 मार्च तक आयात से जुड़े नियम कड़े कर दिए हैं। सरकार के इस कदम का उद्देश्य थाईलैंड से बिना शोधित आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना है। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता है। थाईलैंड इस दस देशों के समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, आयात नीति को 31 मार्च, 2026 तक तत्काल प्रभाव से मुक्त से प्रतिबंधित में संशोधित किया गया है। प्रतिबंधित श्रेणी के अंतर्गत आने वाले सामानों के लिए सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी है।

मोबाइल की ऑफलाइन बिक्री 40 प्रतिशत गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले 10 दिनों में ऑफलाइन रिटेल दुकानों पर मोबाइल फोन की बिक्री करीब 40 प्रतिशत तक गिर गई है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि उपभोक्ता ई-कॉमर्स सेल का इंतजार कर रहे थे ताकि उन्हें सस्ते और आकर्षक डील्स मिल सकें। फ्लिपकार्ट और अमेज़न ने सोमवार आधी रात से अपनी बड़ी सेल शुरू कर दी है, जिसमें स्मार्टफोन, खासकर प्रीमियम एप्पल और सैमसंग के प्रोडक्ट्स पर भारी डिस्काउंट मिल रहा है। ऑफलाइन रिटेलर्स का कहना है कि वे इन कीमतों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। उनका यह भी दावा है कि इन प्रोडक्ट्स का ज्यादातर स्टॉक ऑनलाइन चैनलों पर भेज दिया गया है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स असोसिएशन के चेयरमैन कैलाश लख्यानी ने बताया कि एप्पल और सैमसंग ने पहली सेल के लिए करीब 20 लाख यूनिट्स भेजी हैं, जबकि बाकी सभी ब्रैंड्स ने मिलकर ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स को 30-40 लाख यूनिट्स दी हैं। एप्पल और सैमसंग ने सवालों का जवाब नहीं दिया है। जीएसटी सुधारों का भी बिक्री पर कोई असर नहीं दिख रहा है। इंडस्ट्री की मांग के बावजूद मोबाइल फोन पर टैक्स 18 प्रतिशत ही रखा गया है। कंपनियों का कहना है कि अगर इन्हें जरूरी सामान घोषित किया जाता तो टैक्स घट सकता था। ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स पर पहले ही दिन स्टॉक खत्म हो जाने के बाद ऑफलाइन रिटेलर्स को उम्मीद है कि इस हफ्ते के आखिर से ग्राहक दुकानों की ओर लौटेंगे। दुकानदारों का अनुमान है कि त्योहारों के दौरान महीने दर महीने बिक्री दोगुनी हो जाएगी। पिछले साल की तुलना में इस बार वे 20 प्रतिशत ज्यादा सेल की उम्मीद कर रहे हैं। झारखंड के एक रिटेलर ने बताया कि सोमवार से ही ग्राहक दुकानों पर ज्यादा आने लगे हैं। ओडिशा के एक रिटेलर ने ईटी को बताया, हर कोई एप्पल और सैमसंग 824 पूछ रहा है। ऑफलाइन मार्केट में स्टॉक कम है। इनके दाम भी दुकानों पर ज्यादा हैं। हैदराबाद के एक रिटेलर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नए मॉडल्स की सप्लाई और कम हो जाएगी क्योंकि ब्रैंड्स फेस्टिव सीजन के पहले हिस्से में पुराने स्टॉक को जल्द से जल्द खत्म करने पर ध्यान दे रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी बोले- 2030 तक पांच मिलियन टन करेंगे उत्पादन

हाइड्रोजन है भविष्य का ईंधन

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाइड्रोजन की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन न केवल भविष्य का ईंधन है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का एक प्रमुख स्तंभ है।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने याद दिलाया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक सालाना 5 मिलियन टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है। इसे एक मजबूत नीतिगत ढांचे और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 19,700 करोड़ रुपये का समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि दुनिया का हर इलेक्ट्रोलाइजर निर्माता यहां आ रहा है क्योंकि उन्हें इसमें संभावनाएं दिख रही हैं।

हाइड्रोजन उत्पादन की लागत कम करने के प्रयास

पानीपत में इंडियन ऑयल के हरित हाइड्रोजन संयंत्र और विशाखापत्तनम में टोक्यो एनर्जी की प्रतिस्पर्धी बोलियों जैसे उदाहरणों का हवाला देते हुए, मंत्री ने बताया कि कैसे भारत की हाइड्रोजन उत्पादन लागत लगातार कम हो रही है, जो बढ़ते निवेशक विश्वास और प्रौद्योगिकी परिपक्वता का संकेत है।

हाइड्रोजन मिशन का उद्देश्य उन्होंने भारतीय सौर ऊर्जा निगम की हरित अमोनिया निविदाओं की ओर भी इशारा किया। मंत्री ने हरित अमोनिया को प्राकृतिक गैस की तुलना में इसके संभार-तंत्रीय लाभों को देखते हुए निर्यात का एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 जनवरी 2023 को 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को मंजूरी दी। मिशन का व्यापक उद्देश्य 2030 तक पांच एमएमटी प्रतिवर्ष ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखते हुए भारत को ग्रीन हाइड्रोजन और इसके व्युत्पन्नों के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाना है।

जैव ईंधन सम्मिश्रण में भारत की उपलब्धि

जैव ईंधन सम्मिश्रण को अपनाने की उपलब्धि के बारे में बात करते हुए पुरी ने कहा कि हमने 2020 तक 10 प्रतिशत जैव ईंधन सम्मिश्रण का लक्ष्य रखा था। और हमने इसे पांच महीने पहले ही हासिल कर लिया। फिर हमने अपने लिए, 2020 नहीं, बल्कि मुझे लगता है कि 2022 का लक्ष्य रखा। फिर हमने 20 प्रतिशत का लक्ष्य रखा, मुझे लगता है कि 2030 तक। पहले ही हासिल कर लिया। अगला लक्ष्य हमने छह साल पहले ही हासिल कर लिया।

95 प्रतिशत पैसा दान करना चाहते हैं लैरी एलिसन

अमीरी में कहीं नहीं टिकते अंबानी और अडानी

नई दिल्ली, एजेंसी।
अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ऑरेकल के फाउंडर लैरी एलिसन दुनिया के दूसरे सबसे बड़े रईस हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार उनकी नेटवर्थ 368 अरब डॉलर है। एआई का चलन बढ़ने के कारण ऑरेकल के शेयरों में भारी उछाल आई है। इससे एलिसन की नेटवर्थ इस साल 176 अरब बढ़ी है। अमीरी में केवल टेस्ला के सीईओ एलन मस्क (458 अरब) ही उनसे आगे रह गए हैं। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एलिसन ने 2010 में गिविंग प्लेज के तहत अपनी 95 प्रतिशत संपत्ति दान करने का वादा किया था। तब से, उन्होंने पारंपरिक गैर-लाभकारी संस्थाओं से दूरी बना ली है। उनका कहना है कि वे अपनी शर्तों पर अपनी संपत्ति दान करना पसंद करते हैं।

80 साल के हो चुके एलिसन की नेटवर्थ भारत के टॉप 8 रईसों की कंबाइंड नेटवर्थ के बराबर है।

ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 97.5 अरब डॉलर और गौतम अडानी की नेटवर्थ 89.1 अरब डॉलर है। सावित्री जिंदल की नेटवर्थ 34.4 अरब, शिव नाडर की 34.3 अरब, शापूरजी मिस्त्री की 32.5 अरब, सुनील मित्तल की 27.8 अरब, लक्ष्मी मित्तल की 27.1 अरब और अजीम प्रेमजी की नेटवर्थ 26 अरब है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एलिसन अपनी संपत्ति कैसे दान करने की योजना बना रहे हैं। उनकी नेटवर्थ का ज्यादातर हिस्सा ऑरेकल में उनकी 41 प्रतिशत हिस्सेदारी से आता है।

मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठ: पीयूष गोयल बोले-

भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
मेक इन इंडिया की 11वीं वर्षगांठ के अवसर पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसकी उपलब्धियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस विजन ने भारत को वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति में बदल दिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2014 में शुरू की गई मेक इन इंडिया पहल का उद्देश्य देश के औद्योगिक आधार को पुनर्जीवित करना और देश को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाना था।

यह उपलब्धियां दर्शाती है कि भारत कितनी दूर आ गया है: गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में कहा कि इन वर्षों में रिकॉर्ड एफडीआई प्रवाह, व्यापार करने में आसानी में व्यापक सुधार, वैश्विक स्तर पर दूसरे सबसे बड़े मोबाइल निर्माता के रूप में हमारी उन्नति, निर्यात में तेजी और रक्षा उत्पादन का विस्तार, ये सभी दर्शाते है कि हम कितनी दूर आ गए है।

मेक इन इंडिया का अगला चरण नया अध्याय लिखेगा: गोयल ने विश्वास व्यक्त किया कि मेक इन इंडिया का अगला चरण एक नया अध्याय लिखेगा। यह आत्मनिर्भर और विकसित भारत के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व का अध्याय होगा।

इस पहल की परिकल्पना ऐसे समय में की गई थी जब भारत की आर्थिक वृद्धि में तेजी से गिरावट आई थी। देश को अपने विकास पथ को बनाए रखने में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था।

मेक इन इंडिया 2.0 में 27 सेक्टर्स शामिल: मेक इन इंडिया को भारत को विनिर्माण के एक वैश्विक केंद्र में बदलने के लिए डिजाइन किया गया था। इसके मुख्य उद्देश्य निवेश को सुगम बनाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना और विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा विकसित करना थे। अग्रणी वोकल फॉर लोकल पहलों में से एक के रूप में, इसका उद्देश्य न केवल भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देना था, बल्कि वैश्विक मंच पर इसकी औद्योगिक क्षमता को प्रदर्शित करना भी था।

स्टार्टअप में युवा और महिला उद्यमियों की भूमिका

इस औद्योगिक पुनरुद्धार की आधारशिला उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना रही है। इसे गोयल ने कई क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश और रोजगार सृजन का श्रेय दिया। उन्होंने युवा और महिला उद्यमियों की ऊर्जा से प्रेरित भारत के फलते-फूलते स्टार्टअप इकोसिस्टम पर भी प्रकाश डाला। इसने देश को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित किया है। गोयल ने इस आंदोलन के पीछे जमीनी स्तर की ताकत को रेखांकित करते हुए कहा कि यह यात्रा हमारे उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप, उद्यमियों और हर उस नागरिक के सामूहिक प्रयास से संभव हो पाई है, जो अपने दिल में स्वदेशी की भावना रखते हैं।

फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से होती हैं निर्धारित

सरकार को किसानों का समर्थन करने की जरूरत: गडकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार को उन किसानों का समर्थन करने की जरूरत है जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिलता क्योंकि फसलों की कीमतें वैश्विक कारकों से निर्धारित होती हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को यह बात कही।

भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्का की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना की ओर से निर्धारित होती है।

मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी और बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, क्योंकि किसानों को वैश्विक अर्थव्यवस्था में अच्छी कीमतें नहीं मिल रही है।

गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी कृषि गतिविधियों में लगी हुई है। लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद में उनका योगदान केवल 14 प्रतिशत है।

उन्होंने कहा, इसलिए, इस परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और जनजातीय अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए, हमें कृषि को समर्थन देने की आवश्यकता है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री ने बताया कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल के उत्पादन की अनुमति दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई।

उन्होंने कहा, इसलिए किसानों को कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्हें अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। गडकरी के अनुसार, किसानों ने मक्के से इथेनॉल का उत्पादन करके 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। उन्होंने कहा, इसलिए, ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, वर्तमान में हम ऊर्जा के आयातक हैं... वह दिन आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे और यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। भारत में वायु प्रदूषण के बारे में बात करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, विशेषकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है।

अमेरिका-यूरोप के बजाय अपने गांव में लिखी कामयाबी की स्क्रिप्ट

नई दिल्ली, एजेंसी।
शहर की चकाचौंध को छोड़कर एक युवा आर्किटेक्ट ने अपने गांव से कामयाबी की स्क्रिप्ट लिखी है। अमेरिका और यूरोप में करियर बनाने की बजाय हरियाणा के विशाल पचार ने पुश्तैनी खेती और मधुमक्खी पालन को ही अपना व्यवसाय बना लिया। वह हिसार के गोरछी गांव से हैं। उन्होंने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक और मार्केटिंग के साथ मिलाकर ऐसा बिजनेस मॉडल खड़ा किया, जिसने महज एक साल में उनकी कंपनी का रेवेन्यू 12 लाख रुपये से बढ़कर 1.15 रुपये करोड़ कर दिया। यह सिर्फ एक बिजनेस की सफलता की कहानी नहीं है। अलबत्ता, यह साबित करता है कि अपनी जड़ों से जुड़कर और सही सोच के साथ काम करके छोटे से गांव में भी बड़ी से बड़ी कामयाबी पाई जा सकती है। आइए, यहां विशाल पचार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विशाल पचार का जन्म हरियाणा के हिसार जिले के गोरछी गांव के एक परिवार में हुआ। इस परिवार की कई पीढ़ियां खेती और मधुमक्खी पालन से जुड़ी थीं। बचपन से ही विशाल ने मिट्टी की महक और मधुमक्खियों की भिनभिनाहट के बीच जिंदगी गुजारी थी। हालांकि, उनका रास्ता अलग था। उन्होंने आर्किटेक्चर और अर्बन प्लानिंग की डिग्री हासिल की, जो उन्हें शहरी जीवन की ओर खींच रही थी। लेकिन, अपनी पढ़ाई के दौरान भी वह छुट्टी में अपने पिता की मदद करते थे। 15 साल के इस अनुभव ने उन्हें इमारतों के डिजाइन से ज्यादा मधुमक्खियों की दुनिया की ओर आकर्षित कर लिया।

आर्किटेक्ट से बीकीपर का सफर

कोरोना महामारी के दौरान विशाल को इस क्षेत्र में एक बड़ा अवसर दिखा। उन्होंने महसूस किया कि बाजार में केवल एक ही तरह का शहद उपलब्ध है, जबकि अलग-अलग फूलों से बनने वाले शहद का रंग, स्वाद और गुण अलग होते हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए विशाल ने अपने पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा के साथ मिलाया। उन्होंने कुरुक्षेत्र के एकीकृत मधुमक्खी विकास केंद्र से प्रमाणित मधुमक्खी पालक (बीकीपर) का कोर्स किया।

संक्षिप्त समाचार

प्रशिक्षु दरोगा की हरकत...मुकदमा दर्ज करने के लिए ले डाली 15 हजार की रिश्वत

आगरा , एजेंसी। आगरा के भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया के कार्यालय में तैनात कंप्यूटर आपरेटर के भाई से एकता चौकी पर तैनात प्रशिक्षु दरोगा ने 15 हजार रुपये रिश्वत ली। आरोप है कि मुकदमा लिखने के लिए रकम ली गई थी। मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त दीपक कुमार से की गई।इसकी जानकारी पर दरोगा रकम वापस कर आया। डीसीपी सिटी ने उसे निलंबित कर दिया।गांव बिसैरा कला, ताजगंज निवासी उदय सिंह भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया के कार्यालय में कंप्यूटर आपरेटर का कार्य करता है। उनका भाई सत्यपाल जनसेवा केंद्र चलाता है। 2 सितंबर को केंद्र पर मारपीट और तोड़फोड़ हुई थी। इसकी जानकारी पर पीआरवी पहुंच गई थी। पीड़ित शिकायत करने थाना ताजगंज पहुंचा। पुलिस को तहरीर देकर आया। मामले की जांच एकता पुलिस चौकी को दी गई। आरोप है कि मुकदमा लिखने के लिए 15 हजार रुपये मांगे गए थे। कहा गया कि दूसरे पक्ष ने भी तहरीर दी है। इसमे दुष्कर्म का आरोप है। बाद में दरोगा विवेक चौहान ने 15 हजार रुपये लिए। चौकी प्रभारी ने रकम दरोगा को देने के लिए कहा था। जिलाध्यक्ष ने मामले की शिकायत पुलिस आयुक्त से की। शिकायत की जानकारी पर दरोगा रकम पूर्व प्रधान के घर दे आया। 14 सितंबर को मुकदमा लिखा गया। बाद में डीसीपी सिटी सोनम कुमार ने दरोगा विवेक चौहान को निलंबित कर दिया। विभागीय जांच के आदेश किए गए है।

भगवा लव ट्रैप की आड़ में नफरत का कारोबार, आपत्तिजनक वीडियो अपलोड करने पर लड़की ने की शिकायत तो फंस गए

मेरठ, एजेंसी। मेरठ पुलिस ने जनपद में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने भगवा लव ट्रैप नाम से सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले अलीगढ़ निवासी फिरोज नामक युवक को बिहार से गिरफ्तार किया है। सहपाठी छात्रा के साथ उसका वीडियो इंटरनेट पर अपलोड कर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले बुढ्ढा गार्डन जाकिर कालोनी निवासी कासिम को भी गिरफ्तार कर लिया है। एसएसपी डॉक्टर विपिन ताडा ने बताया कि मेडिकल थाने पर मई में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी की एक छात्रा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। छात्रा का आरोप था कि सहपाठी के साथ उसका वीडियो इंटरनेट पर अपलोड कर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई है और इसे भगवा लव ट्रैप से जोड़ दिया गया है, जिससे छात्रा की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच पड़ताल की तो पता चला कि बुढ्ढा गार्डन जाकिर कालोनी निवासी कासिम ने इंटरनेट पर वह वीडियो और फोटो अपलोड किए थे। गहनता से जांच की गई तो पता चला कि इंस्टाग्राम आईडी को अलीगढ़ निवासी फिरोज संचालित कर रहा था। फिरोज कई सोशल मीडिया अकाउंट चला रहा था, जहां वह आपत्तिजनक सामग्री अपलोड करता था। इंटरनेट पर वह लिखता था कि हिंदू युवकों से विवाह कर मुस्लिम युवतियां धर्म परिवर्तन के बाद वापस मुस्लिम धर्म में लौट जाएंगी। साइबर जांच में यह भी सामने आया कि फिरोज खुद को धर्म का ठेकेदार बता कर विदेशों से फंडिंग जुटाने की कोशिश कर रहा था। एसएसपी ने बताया कि जांच के बाद पुलिस ने अलीगढ़ और बिहार में कार्रवाई कर आरोपी फिरोज को गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद कासिम को भी पकड़ लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है। फिरोज ताले बेचने का काम करता है।

गोरखपुर में मनबढ़ों ने डोसा की दुकान से अंदर से संचालक को उठाया, गाड़ी में बिठाया - मारपीट कर किया घायल

गोरखपुर। कैंट थाना क्षेत्र के बेतियाहाता में मंगलवार की रात उस वक्त अफरातफरी मच गई जब एक डोसा दुकानदार पर कुछ युवकों ने अचानक हमला कर दिया। मामूली दिखने वाला विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मनबढ़ों ने संचालक की पिटाई कर दी। मामले में पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, सूर्यदेव यादव, जो कि बेतियाहाता में अपनी डोसा की दुकान चलाते हैं, रोज की तरह अपनी दुकान समेटने ही वाले थे कि कुछ युवक वहां पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पैसों के लेन-देन को लेकर पहले तीखी बहस हुई और फिर युवकों ने लात-घूंसे चलाने शुरू कर दिए। सिर्फ इतना ही नहीं, दुकान का सामान भी तहस-नहस कर दिया गया। हल्ला सुनकर जब आसपास के लोग पहुंचे तो आरोपी धमकी देते हुए भाग गए। घायल सूर्यदेव ने तुरंत कैंट थाने में तहरीर दी। पुलिस ने प्राथमिक उपचार के बाद उनका मेडिकल करवाया और रमन सिंह सहित तीन आरोपियों पर मारपीट, गाली-गलौज और धमकी की धाराओं में केस दर्ज किया। थाना प्रभारी संजय सिंह के मुताबिक आरोपियों की तलाश जारी है और गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

सहारा का पराभाव: बिकने जा रहा है सहारा बाजार कॉम्पलेक्स

85 करोड़ की लगी पहली बोली, 10 नवंबर तक होगी नीलामी

लखनऊ , एजेंसी। गोमतीनगर स्थित सहारा बाजार कॉम्प्लेक्स बिकने जा रहा है। इसके लिए 10 नवंबर को ई नीलामी होगी। एलडीए ने बुधवार को इसकी सूचना जारी की है। नीलामी की आरक्षित कीमत 85 करोड़ रुपये रखी गई है।

विभूति खंड में वेव मॉल के पास ही एलडीए का कॉम्प्लेक्स है, जिसे वर्ष 1987 में 30 साल की लीज पर सहारा हाउसिंग कॉर्पोरेशन को दिया गया था। 2017 में इसका समय पूरा हो गया था। उसके बाद से नवीनीकरण नहीं कराया गया। बीते मई में एलडीए ने लीज निरस्त कर दी और जून में कब्जा भी ले लिया। कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों ने इसका काफी विरोध भी किया था। अब एलडीए इसे बेचने जा रहा है।

फ्री होल्ड होगी जमीन

अधिशासी अभियंता मनोज सागर ने बताया कि कॉम्प्लेक्स काफी जर्जर हो गया है। इसमें करीब 150 दुकानें हैं। ऐसे में खरीदार उसे तोड़कर बना सकता है। जमीन फ्री होल्ड की जाएगी। ऐसे में लीज का झंझट नहीं रहेगा। जमीन का भू उपयोग व्यावसायिक है तो निर्माण को लेकर भी कोई समस्या नहीं होगी। अधिशासी अभियंता ने बताया कि कुछ दुकानदार न्यायालय गए थे, मगर वहां से कोई स्थगन आदेश नहीं है। वहां उनकी बात सुनने के लिए कहा गया था। ऐसे में नीलामी करने में कोई कानूनी बाधा नहीं है।

कभी शान ए सहारा था कॉम्पलेक्स

लखनऊ के सहारा कॉम्प्लेक्स को मॉल कल्चर की शुरुआत का आधार माना जाता है। जिस समय ये कॉम्प्लेक्स शुरू हुआ था, हजारों लोग सिर्फ यहां की चमक-दमक देखने पहुंचते थे। लोग इसे शान ए सहारा का खिताब भी देते थे। शहर में नए-नए मॉल खुलने के साथ इसकी चमक फीकी पड़ती गई।

करीब 150 करोड़ है बाजार मूल्य

सहारा बाजार कॉम्प्लेक्स की नीलामी की आरक्षित कीमत भले ही 85 करोड़ है, लेकिन जानकारों का दावा है कि गोमतीनगर के बेहद पॉश विभूति खंड में इस कॉम्प्लेक्स की जमीन की वास्तविक बाजार कीमत 150 करोड़ रुपये से कम नहीं। नीलामी में बोली इससे भी ज्यादा चली जाए तो हैरानी की बात नहीं।

बुजुर्ग की हत्या : छाती पर ऐसा घूंसा मारा, चक्कर खाकर गिरे आशिक अली और निकल गए प्राण

मेरठ, एजेंसी। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह रुपयों के लेनदेन के विवाद में 65 वर्षीय आशिक अली के घर पर आरोपियों ने हमला कर दिया था। इसी बीच हमले के दौरान पोते को बचाने आए बुजुर्ग को आरोपियों ने घूंसा मार दिया। बुजुर्ग बेहोश होकर जमीन पर गिर गए। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग के शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले इसलिए विसरा सुरक्षित कर रख लिया है। जांच के आधार पर कार्रवाई होगी।श्याम नगर निवासी आशिक अली अपने परिवार के साथ रहते हैं। आशिक का पोता मुशीर व अशरफ का बेटा शावेन एक साथ चावल का व्यापार करते थे लेकिन कुछ दिन पूर्व दोनों में रुपयों को लेकर विवाद हो गया था। इसको लेकर दोनों में काफी समय से झगड़ा चल रहा था। आरोप है की बुधवार सुबह अशरफ का परिवार गाली- गलौज करते हुए आशिक के घर पंहुचा।

पीड़ित परिवार ने आरोपियों की बात का विरोध किया। इसी बीच दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। शोर सुनकर आशिक बाहर आए और बीच बचाव करने लगे। पुलिस के अनुसार बीच-बचाव करते हुए आरोपियों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट करते हुए उनकी छाती में मुक्का मार दिया। इसके बाद बुजुर्ग चक्कर खाकर नीचे गिर गए। परिजन उन्हें अस्पताल ले गए। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। बुजुर्ग की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा कर दिया। पुलिस ने बुजुर्ग के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी पक्ष के लोग मौके से भाग गए। तनावपूर्ण हालात को देखते हुए पुलिस तैनात कर दी गई है। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है की पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी भूमि पर कब्जा : अतिक्रमण हटाने गई टीम पर छोड़ दिया पालतू कुत्ता, सूबेदार हो गए घायल, भागकर बचाई जान

आगरा , एजेंसी। आगरा के आवास विकास परिषद का बुधवार को दूसरे दिन भी सेक्टर-2 में बुलडोजर गरजा। अवैध कब्जे हटाए गए। एक झोपड़ी को हटाने पर उसमें रहने वाली महिला ने अपना पालतू कुत्ता प्रवर्तन दल के सूबेदार सुनीत कुमार पर छोड़ दिया। कुत्ते के काटने से सूबेदार सुनीत कुमार घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सेक्टर-2 सी में करीब 11000 वर्ग मीटर सरकारी भूमि है। इसे 30 सितंबर को आवास विकास परिषद को नीलाम करना है। इस भूमि पर 100 से अधिक झुग्गी-झोपड़ी व अतिक्रमण हो गए। अतिक्रमण हटाने के लिए मंगलवार को पुलिस फोर्स के साथ प्रवर्तन दल पहुंचा था। कब्जे हटाने के बाद भूमि को समतल किया गया। बुधवार को फिर टीम बाकी रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए पहुंची। पहले सड़क किनारे मूर्तियों की दुकान व अतिक्रमण हटाए। फिर टीम सरकारी भूमि पर बनी झोपड़ी हटाने पहुंची। तभी झोपड़ी में रहने वाली महिला ने अपना पालतू कुत्ता प्रवर्तन दल लीडर सूबेदार सुनीत कुमार पर छोड़ दिया। कुत्ते के काटने से सूबेदार का पैर जख्मी हो गया। पैर से कुत्ते ने मांस का टुकड़ा खींच लिया। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रवर्तन दल प्रभारी अवकाश प्राप्त कर्नल जीएम खान ने बताया कि कुत्ता काटने से जख्मी हुए कर्मचारी का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।आगरा विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना अंकित चौहान ने फतेहपुर सीकरी रोड स्थित सहारा में 300 वर्ग मीटर भूमि पर तीन मंजिल अवैध निर्माण खड़ा कर दिया। बार-बार नोटिस के बावजूद अवैध निर्माण नहीं रुका। प्रवर्तन दल ने मंगलवार को अवैध निर्माण को सील किया है।

पार्टी में लौटे आकाश आनंद के लिए बिहार चुनाव बना चुनौती

सफल रहे तभी दल के अंदर बढ़ेगा दखल

लखनऊ , एजेंसी। बीते तीन दशक से बिहार में अपनी जड़ें जमाने की कोशिश में जुटी बहुजन समाज पार्टी इस बार आकाश आनंद के जरिये अपनी सियासी पकड़ को मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इस अवधि में बसपा के कई विधायक बने, लेकिन किसी ने भी पार्टी का लंबे समय तक साथ नहीं दिया और सत्तारूढ़ दल का दामन थाम लिया। बीते चुनाव में जीते इकलौते विधायक जमां खां भी इसी परिपाटी पर चले। यही वजह है कि इस बार बिहार चुनाव की कमान बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को सौंपी है।

दरअसल, बिहार चुनाव को आकाश आनंद के आगे के सियासी करिअर की परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। यदि वह बिहार में कुछ सीटें लाने में कामयाब हुए तो यूपी और उत्तराखंड की राजनीति में उनका दखल बढ़ सकता है। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए आकाश आनंद को बिहार में सर्वजन हिताय जागरूकता यात्रा का दारोमदार सौंपा गया है, जिसे वह पूरी शिद्दत से निभा रहे हैं। उनकी जनसभाओं में उमड़ रही भीड़ और कार्यकर्ताओं से मुलाकातें उन्हें बिहार की दलित राजनीति के नए चेहरे के रूप में तैयार कर रही है। आकाश अपनी जनसभाओं में बिहार में दलितों के उत्पीड़न के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं और उनकी समस्याओं का हल केवल बसपा के पास होने के दावे कर रहे हैं। आकाश पहले भी अपनी आक्रामक शैली की वजह से युवाओं में खासे लोकप्रिय रहे हैं।

जारी रहेगी यात्रा

उनकी यात्रा का सिलसिला नवरात्र की वजह से फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, लेकिन 4 अक्तूबर इसे दोबारा शुरू किया जाएगा। इस दौरान उनकी रैलियां और रोड शो भी आयोजित किए जाएंगे। मायावती के निर्देशों के मुताबिक पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक रामजी गौतम आकाश के सभी आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय कर रहे हैं।

फरवरी-मार्च की जगह अब सितंबर में छात्रवृत्ति, सीएम योगी सभी वर्गों के छात्रों को देंगे दिवाली गिफ्ट

लखनऊ, एजेंसी। फरवरी-मार्च में मिलने वाली छात्रवृत्ति इस बार सितंबर में नवरात्र के अवसर पर ही छात्रों को मिल जाएगी। सीएम योगी आदित्यनाथ 26 सितंबर को प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। माना जा रहा है कि अब हर बार समय से पूर्व सितंबर में ही छात्रों को छात्रवृत्ति मिल सकेगी।

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में ये छात्रवृत्ति वितरित की जाएगी। यह छात्र-छात्राओं के लिए दीपावली का गिफ्ट होगा।

उन्होंने कहा कि छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर रणनीति बनाई। इसके चलते इस बार छात्रवृत्ति योजना का लाभ छात्रों को नवरात्र के पावन अवसर पर मिल सकेगा।

लाभ पाने वालों की बढ़ेगी संख्या

पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी। वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक हो जाएगी। सरकार छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ा रही है।

जिस थानाध्यक्ष को भाजपा नेताओं ने हटवाया, उन्हें 24 घंटे में मिल गया दूसरे थाने का चार्ज

आगरा , एजेंसी। आगरा में भाजपा के मंडल अध्यक्ष लवलेश कुमार और मंडल मंत्री मनोज अग्रवाल को मंगलवार को जगनेर थाने में बैठा लेने वाले थानाध्यक्ष सौरभ सिंह को 24 घंटे में ही दूसरे थाने की थानेदारी मिल गई। उन्हें रकाबगंज थाने की जिम्मेदारी दी गई है। हालांकि भाजपाइयों ने जगनेर थाने का घेराव किया था। उसके तीन घंटे बाद डीसीपी पश्चिमी जोन अतुल शर्मा ने थानेदार पर कार्रवाई की थी।

मंगलवार सुबह भाजपा मंडल मंत्री मनोज अग्रवाल का ठेल विक्रेता से विवाद हुआ था। दोनों पक्ष थाने पर शिकायत लेकर गए थे। पुलिस ने मंडल मंत्री और ठेल विक्रेता के बेटे मानव और भाई पिंकी को थाने में बैठा लिया था। इस पर मंडल अध्यक्ष लवलेश ने विरोध किया। पुलिस ने उन्हें भी कार्यालय में बैठा लिया। इससे आक्रोशित भाजपाइयों ने थाने का घेराव किया।

करीब 3 घंटे बाद जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया, पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम भदौरिया, जिला उपाध्यक्ष दिनेश गोयल, पूर्व विधायक महेश गोयल से बातचीत के बाद डीसीपी पश्चिमी जोन ने कार्रवाई की थी। थाना रकाबगंज के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद को थाना जगनेर में तैनात किया और थानाध्यक्ष जगनेर सौरभ सिंह को हटा दिया गया था। यह मामला अभी चर्चा का विषय बना हुआ था। बुधवार दोपहर को सौरभ सिंह को थाना रकाबगंज का प्रभारी बना दिया गया। इसकी जानकारी से भाजपाइयों में आक्रोश है। उधर, कोली गर्जना महासंघ के पदाधिकारी जगनेर के पीड़ितों से मिले। सभी को आश्वासन दिया कि महासंघ उनकी हर संभव मदद करेगा। संस्थापक सदस्य व जिलाध्यक्ष भानु कोली और सदस्य कैलाश माहौर ने कहा कि समाज के लोगों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस आरोपियों के खिलाफ दर्ज केस में सख्त कार्रवाई करे।

किसान की बेटी बनी एक दिन की थानेदार, कुर्सी पर बैठते ही फटाफट लिए ऐसे फैसले, पुलिस भी रह गई हैरान

फिरोजाबाद , एजेंसी। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के ड्रीम प्रोजेक्ट मिशन शक्ति फेज-5 के तहत नारी सशक्तिकरण के लिए शिकोहाबाद पुलिस ने सराहनीय पहल की। नवांगतुक इंस्पेक्टर क्राइम ने बीडीएम से एमए उत्तीर्ण कर चुकी एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से सम्मानित हुई छात्रा को एक दिन का थानेदार बनाया। छात्रा ने थानेदार बनकर सबसे पहले सरकारी गाड़ी से शहर में भ्रमण किया। उन्होंने शहर की समस्याओं को जाना। इसके बाद थाने में जनसुनवाई करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान किया।

बीडीएम की छात्रा प्रिंसी कुमारी एमए उत्तीर्ण हैं। बड़ी बात यह है कि हिंदी साहित्य में आगरा यूनिवर्सिटी में टॉप स्थान प्राप्त किया। इसके चलते उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने छात्रा को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। नवांगतुक थाना प्रभारी प्रिंसी कुमारी ने शहर का भ्रमण करते हुए जाम की समस्याओं को देखा। उन्होंने अधीनस्थों को निर्देश दिए कि दुकानों के बाहर खड़े रहने वाले वाहनों को वहां से हटवाया जाए। इसके अलावा दुकानदारों को भी अनाउंसमेंट करवाकर सख्त निर्देश दिए जाएं कि वह अपनी दुकानों के बाहर बेवजह वाहनों को न खड़ा करवाएं। इसके अलावा हथठेलों को लगाने के लिए एक सुनिश्चित स्थान दिलाया जाए।

अनुप्रिया पटेल ने कहा, धैर्य रखें, सरकार उद्यमियों के हितों की हर कीमत पर रक्षा करेगी

वाराणसी, एजेंसी। धैर्य रखें। समय जरूर कठिन है, केंद्र सरकार उद्यमियों के हितों की हर कीमत पर रक्षा करेगी। इसके लिए सरकार कई स्तर पर प्रयास कर रही है। भारत किसी भी कीमत पर राष्ट्रीय हितों के साथ समझौता नहीं करेगा। ये बातें केंद्रीय परिवार कल्याण व राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने बुधवार को अमेरिकी टैरिफ पर उद्यमियों के बीच कहीं।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि जब हम विकसित भारत की बात करते हैं, तब एमएसएमई का नाम सबसे ऊपर आता है। इसी दम पर देश सबसे बड़ी चौथी अर्थव्यवस्था बन चुका है। हम यहीं नहीं रुकेंगे, आप सभी को भरोसा दिलाते हैं, 2027 तक हम विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे।

विश्व के कई देश युद्ध में हैं। बहुत उथल पुथल है। ऐसे में भारत विश्व में पांचवी से चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। अमेरिकी टैरिफ को लेकर जो भी चिंता उद्यमियों से लेकर आमजन तक में है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनसे भलीभांति परिचित है।

भारत ही नहीं वैश्विक अर्थव्यवस्था की रीढ़ एमएसएमई है। भारत की विकास यात्रा का बहुत ही प्रेरणादायी अध्याय एमएसएमई है। देश की जीडीपी में एमएसएमई में 30 फीसदी, उत्पादन में 38 फीसदी वहीं देश के कुल निर्यात में 45 फीसदी का योगदान है। उन्होंने कहा कि कृषि के बाद सबसे बड़ा रोजगार देने वाला क्षेत्र एमएसएमई है। ग्रामीण इलाकों

की महिलाएं भी लोग इससे जुड़कर अच्छा काम कर रही हैं इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एमएसएमई के ईको सिस्टम को मजबूत कर रही है। इस क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में भी हमें पता है। रोजाना सरकार ऐसी समस्याओं को खत्म किया जा रहा है, कम किया जा रहा है।

विश्वकर्मा योजना के तहत करोड़ों कामगारों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, किट वितरित की जा रही है। कहा कि डबल इंजन की सरकार उद्योग को बढ़ावा देने और वर्तमान में उपजे संकट से उबरने के लिए लगी है। उद्योग की समस्याओं को दूर करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किया जाएगा।

कालीन उद्योग के विकास के लिए खाका किया गया तैयार: बुधवार की शाम भदोही नगर के ग्रीन व्यू पब्लिक स्कूल में आयोजित एमएसएमई फॉर भारत कार्यक्रम में एमएसएमई विशेषकर कालीन उद्योग के विकास के लिए खाका तैयार किया गया। कार्यक्रम में जुटे भदोही और मिर्जापुर के लगभग डेढ़ सौ कालीन उद्यमियों और काती व्यवसायियों ने मौजूदा समय में कालीन उद्योग पर अमेरिकी टैरिफ से मंडरा रहे संकट के बदले से निपटने के लिए अलग-अलग विचार रखे।

इस दौरान सभी से प्राप्त इनपुट लेने के बाद केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने केंद्र सरकार के सहयोग से कालीन उद्योग को उभारने का आश्वासन दिया। खास खास बात यह रही की उपस्थित उद्योग के प्रतिनिधियों ने खुलकर अपनी बात रखी और एमएसएमई को मजबूत बनाने की सरकार से मांग की। ताकि वर्ष 2047 तक एक नया भारत विकसित हो। कालीन उद्योग की ओर से एक्मा, सीईपीसी और एमिस्डी प्रतिनिधियों ने बात रखी।

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

ललित गर्ग

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- 'जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है।' डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, ईंसान-ईंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- 'जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है।' डॉ. भीमराव अंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा। समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दर्शाने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा। यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दर्शाने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे 'जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी।' वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। 'सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास' की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढ़ाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढ़ती रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

वसूली एजेंट बनाया

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, अदालतें धन वसूली के लिए एजेंट के तौर पर काम नहीं कर सकतीं। बकाया की वसूली के लिए गिरफ्तारी की धमकी नहीं दी जा सकती। अदालत ने धनवसूली के लिए आपराधिक मामले दर्ज कराने पर भी नाराजगी व्यक्त की और कहा यह पूरी तरह से दीवानी विवाद है। उप्र में आपराधिक मामले में वसूली को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति के खिलाफ अपहरण के आरोप लगाए गए थे। अदालत ने गिरफ्तारी से पहले दिमाग लगाने की सलाह देते हुए समझने को कहा कि मामला दीवानी का है, या आपराधिक। आपराधिक कानून का दुरुपयोग न्याय प्रणाली के लिए खतरा पैदा कर रहा है। पुलिस सीधे अपराधों में प्राथमिकी दर्ज नहीं करती तो सुप्रीम कोर्ट की 2013 के ललिता कुमार फैसले का पालन न करने पर फटकार भी लगाई जाती है। अदालत ने सुझाव दिया कि राज्य हर जिले में नोडल अधिकारी अधिमानतः सेवानिवृत्त जिला जज को नियुक्त कर सकता है जो पुलिस को बताए कि मामला दीवानी अपराध है, या फौजदारी। बेशक, पीड़ित विवादों के जल्द निपटान के लिए दीवानी विवादों को फौजदारी में दर्ज कराने को उत्सुक रहते हैं। लंबी कानूनी लड़ाई से बचने के उद्देश्य से लोग ऐसा मार्ग चुनने को बेबस होते हैं, जिससे समय व धन, दोनों की बचत हो सके। धनवसूली के उद्देश्य से होने वाली मार-पिटाई, झड़प, हाथापाई या आपराधिक हरकतों से मुकरा नहीं जा सकता। अगर फौजदारी/दीवानी का फर्क करने के लिए अतिरिक्त पैनल बनाया जाएगा तो विवाद का अवधि और भी लंबी हो सकती है। यह जिम्मा वकीलों के सुपुर्द करना बेहतर हो सकता है क्योंकि कई दफा खुद वकील मामले को गंभीर बनाने और जल्द सुनवाई के लोभ में अनाप-शनाप आरोप जोड़ते जाते हैं। वे सलीके से भांप सकते हैं कि मामला दरअसल, फौजदारी का है, या दीवानी का। दूसरे, बहुत गंभीर मामला न होने पर उसकी मियाद बढ़ाना रोका जाए। निचली अदालतों से लेकर हाई कोर्ट तक लाखों की संख्या में मुकदमे लंबित पड़े हैं, जिनका निपटान समय पर करने की जरूरत बढ़ती जा रही है। पुलिस को भी अपनी भूमिका मुस्तैदी से निभाने में कोताही नहीं करनी चाहिए। मामला बड़ा हो या बहुत छोटा, आपराधिक कानूनों का दुरुपयोग उचित नहीं कहा जा सकता। दीवानी मामले को फौजदारी बनाने पर अदालतों को सख्ती बरतनी चाहिए और जरूरत होने पर वकीलों या पुलिस पर जुर्माना भी लगाना चाहिए ताकि ऐसी गलतियां दोहराई न जा सकें।

चिंतन-मनन

ध्वनि तरंगों से रोगों का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्वनि तरंगें से भी रोगों के उपाय होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्वनि तरंगों की टकराहट से सूक्ष्म जीव मर जाते है, रात्रि में सूर्य की पराबैंगनी किरणों के अभाव में सूक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्वनि तरंगों की टकराहट से मर जाते है। ध्वनि तरंगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविद्यालय में 1928 में हुई थी। शिकागो के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरंगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्बजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्वनि बाहर नही निकलती थी, बाहर की ध्वनि अन्दर प्रवेश नही करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलाता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका वैज्ञानिक कारण घण्टा - शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तरंगें बाहर न जाकर गुम्बजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्वनि ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

जितना स्वस्थ होगा पर्यावरण, उतना बेहतर होगा स्वास्थ्य

योगेश कुमार गोयल

हमारा पर्यावरण जितना स्वस्थ होगा, हमारा स्वास्थ्य भी उतना ही अच्छा होगा। इसका सीधा सा अर्थ है कि हम अपने स्वास्थ्य के लिए काफी हद तक पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी हैं और इसलिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य को सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्रमुख जिम्मेदारी है। दरअसल पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य से बहुत गहरा संबंध है। उत्तम स्वास्थ्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण हमें भोजन, कपड़े इत्यादि जीवित रहने के लिए भी हर चीज प्रदान करते हैं, इसलिए न केवल स्वस्थ रहने के लिए बल्कि धरती पर जीवन का अस्तित्व बचाए रखने के लिए प्रकृति और पर्यावरण का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है लेकिन गहन चिंता का विषय यही है कि अब प्रकृति के साथ मानव जाति द्वारा किए जा रहे खिलवाड़ के कारण ही वैश्विक पर्यावरण को गंभीर नुकसान हो रहा है, जिसका खामियाजा अब दुनिया के लगभग तमाम देश भुगत भी रहे हैं। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे भयानक खिलवाड़ के ही कारण धरती लगातार गर्म हो रही है। चक्रवाती तूफानों का बढ़ता सिलसिला, बाढ़, सूखा, जंगलों में लगने वाली भीषण आग तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में तेजी, ये सब पर्यावरण का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण जलवायु में हो रहे बदलावों का ही परिणाम हैं। वैश्विक तापमान में निरंतर हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का बिगड़ता मिजाज समस्त मानव जाति के लिए गंभीर चिंता बनता जा रहा है। भारत के ही संदर्भ में देखें तो अब सर्दियां कम हो रही हैं और गर्म दिन बढ़ रहे हैं, बारिश के मौसम में भी कहीं सूखे जैसी स्थिति बनी रहती है तो कहीं चारों तरफ तबाही ही तबाही नजर आती है। इस वर्ष भी हिमाचल, उत्तराखण्ड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश से लेकर देश के अनेक हिस्सों में जल तबाही का भयानक नजारा देखा जाता रहा है। पर्यावरण को हो रहे गंभीर नुकसान की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने, पर्यावरण की स्थिति के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने तथा लोगों को इसे और बदतर होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 26 सितम्बर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। 2025 के विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस का विषय है 'स्वच्छ वायु, स्वस्थ लोग', जो स्वच्छ वायु और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधे संबंध पर जोर देता है। प्रदूषकों से मुक्त वायु श्वसन संबंधी बीमारियों को सीमित करने और लोगों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। 2024 में यह दिवस 'पर्यावरणीय स्वास्थ्यः आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन तथा अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण' थीम के साथ मनाया गया था जबकि 2023 की थीम थी 'वैश्विक पर्यावरणीय सार्वजनिक स्वास्थ्यः हर दिन हर किसी के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए खड़ा होना' थीम के साथ मनाया गया था और 2022 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन के लिए पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना', जिसका अर्थ था पर्यावरणीय स्वास्थ्य तंत्र को इस प्रकार मजबूत बनाया जाए ताकि लंबे समय तक पर्यावरण और मानव की लंबी उम्र तथा अच्छी सेहत के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस दिन पर्यावरण के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई जाती है। प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाना अब पहले के मुकाबले ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। दरअसल पर्यावरणीय परिस्थितियों को बिगड़ने से रोकने के लिए कुछ भी नहीं करके हम न केवल पर्यावरण को बल्कि स्वयं को भी खतरे में डाल रहे हैं क्योंकि हमारा स्वास्थ्य हमारे पर्यावरण से जुड़ा है और पर्यावरण को हो रहे निरंतर नुकसान से मानव जीवन को भी नुकसान झेलना पड़ता है। बढ़ते प्रदूषण और प्रकृति से खिलवाड़ के कारण ग्रीनहाउस प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण इत्यादि के कारण हमारे भोजन, पानी और वायु की गुणवत्ता पर सीधा प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण लोगों को सांस लेने में तकलीफ, त्वचा संबंधी रोग सहित कई तरह की गंभीर बीमारियां भी हो रही हैं। पर्यावरण का स्वास्थ्य खराब होने से हमारा स्वास्थ्य भी खराब हो रहा है, जिसका सीधा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। ऐसी ही समस्याओं के मद्देनजर लोगों में पर्यावरणीय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हैल्थ' (आईएफईएच) द्वारा 26 सितम्बर 2011 को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस की शुरूआत की गई थी। इसकी शुरूआत 2011 में डेनपास, बाली (इंडोनेशिया) में हुए पर्यावरण स्वास्थ्य शिखर सम्मलेन और आईएफईएच की बैठक के दौरान हुई थी और इस दिन को दुनियाभर में चिन्हित करने का मुख्य उद्देश्य लोगों की भलाई और स्वास्थ्य की तरफ उनका ध्यान आकर्षित करना था। आईएफईएच वैज्ञानिक और तकनीकी अनुसंधान के आदान-प्रदान पर केन्द्रित है और इसका बड़ा हिस्सा वैज्ञानिक एवं तकनीकी के लिए कार्य करता है। पूर्ण रूप से पर्यावरण और स्वास्थ्य कार्यों को लेकर समर्पित आईएफईएच पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और प्रशासन से संबंधित विषयों पर चर्चा करता है और पर्यावरणीय स्वास्थ्य पर सूचना का आदान-प्रदान करता है। पर्यावरण सुरक्षा कार्यबल के समर्थन के साथ आईएफईएच स्वास्थ्य और हरित पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। यह उन राष्ट्रीय संस्थानों के लिए एक महासंघ है, जो पर्यावरण स्वास्थ्य से संबंधित मुद्दों पर कार्य करते हैं। 2018 में इस फेडरेशन ने 40 देशों को पूर्ण सदस्यों के तौर पर जगह दी थी। आईएफईएच के अध्यक्ष सुजान पैक्सों के अनुसार दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के बीच एक गहन संबंध है। बहरहाल, यह समझना बहुत जरूरी है कि आखिर पर्यावरण स्वास्थ्य है क्या? किसी क्षेत्र विशेष के रासायनिक, भौतिक और सांस्कृतिक वातावरण को उसके पर्यावरणीय स्वास्थ्य के रूप में जाना जाता है और किसी क्षेत्र का पर्यावरणीय स्वास्थ्य वहां की वायु की खराब गुणवत्ता, पर्यावरण में विविधता का नुकसान, रासायनिक असमानताएं तथा ऐसे सभी कारक, जो किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बिगाड़ते हैं, से प्रभावित होता है। किसी क्षेत्र के पर्यावरणीय स्वास्थ्य को मापने में पर्यावरणीय स्वास्थ्य संकेतक, प्रदूषण का स्तर, पारिस्थितिकी में विविधता, स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छता की शर्तें, कृषि उत्पादकता इत्यादि प्रमुख भूमिका निभाते हैं। पर्यावरणीय स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व को दर्शाता विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस वास्तव में न केवल पारिस्थितिक स्वास्थ्य की सुरक्षा की वकालत करता है बल्कि मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरणीय स्वास्थ्य के पड़ने वाले प्रभाव और संबंध को समझने की जरूरत पर भी जोर देता है।

मुद्दाः शोधार्थियों को प्रोत्साहन की कमी

गिरीश पांडे

पिछले एक दशक में भारत की ऊर्जा यात्रा उल्लेखनीय परिवर्तन की साक्षी बनी है। तीव्र क्षमता वृद्धि, सौर और पवन ऊर्जा में वैश्विक नेतृत्व और नवोन्मेषी फ्लैगशिप कार्यक्रमों के साथ भारत स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा की ओर तेजी से अग्रसर है। भारत में स्वच्छ ऊर्जा न केवल कार्बन उत्सर्जन को कम कर रही है, बल्कि हरित रोजगार भी पैदा कर रही है। ऊर्जा की पहुंच में सुधार हो रहा है, और वैश्विक जलवायु नेतृत्वकर्ता के रूप में भारत की भूमिका दिनोंदिन मजबूत हो रही है।

पिछले महीने गुजरात के हंसलपुर में एक कार्यक्रम के दौरान हरित गतिशीलता योजनाओं का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छ गतिशीलता एक वैश्विक केंद्र के रूप में भारत के भविष्य को आकार देंगी। मार्च, 2014 से जून, 2025 तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग तीन गुना बढ़ कर 226.8 गीगावॉट हो गई है। सौर ऊर्जा उत्पादन 1 लाख 8 हजार गीगावॉट प्रति घंटे से भी ज्यादा हो गया हैहू जिससे भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक बन गया है।

जुलाई, 2025 की स्थिति के अनुसार देश में अब पचास प्रतिशत स्थापित बिजली क्षमता गैर-पारंपरिक ईंधन स्रोतों से चालित है, और भारत ने यह लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पूर्व ही हासिल कर लिया है। यह उपलब्धि जहां पेरिस समझौते के अंतर्गत नेशनल डिटरमाइंड कांट्रिब्यूशन (एनडीसी) की प्रतिबद्धता के लिए निर्धारित लक्ष्य से पांच साल पहले ही प्राप्त कर ली गई वहीं देश जलवायु परिवर्तन की रोकथाम और टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है, और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की गति लगातार बढ़ रही है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली, जैव एवं परमाणु ऊर्जा शामिल हैं। कुल 484.82 गीगावॉट स्थापित क्षमता में इन नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी 242.78 गीगावॉट हो गई। यह किसी भी विकासशील देश के लिए बहुत दुर्लभ मामला है, जिसने अपने लिए निर्धारित लक्ष्य से पहले ही ऐसी सफलता प्राप्त की। आज गैर-जीवाश्म स्रोत कुल बिजली उत्पादन का 49प्र. हिस्सा दे रहे हैं। इसका श्रेय उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन-पीएलआई योजना-जैसे क्रांतिकारी प्रयासों को जाता है। यह कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन खत्म करने के वैश्विक प्रयासों के लिए देश की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाना इसलिए और अनिवार्य हो गया है कि वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में अकेले जीवाश्म ईंधनों की हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है।

भारत की रणनीति भी बहुत व्यावहारिक है। यह जीवाश्म ईंधनों से एकाएक पीछा नहीं छुड़ा रहा और कोयला एवं गैस आधारित संयंत्र अभी भी प्रमुख ऊर्जा आपूर्तिकर्ता बने हुए हैं। चूंकि भारत ने 2030 तक गैर-जीवाश्म क्षमता को 500 गीगावॉट तक ले जाने और 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो उसे ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारणहू क्लीन टेक मैटीरियल रिसाइक्लिंग और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे आधुनिक ईंधनों में निवेश बढ़ाना ही होगा।

प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन कम होने के बावजूद स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में हुई यह प्रगति मूल्यवान है, और भारत जी-20 के उन चंद देशों में शामिल है, जो जलवायु परिवर्तन की रोकथाम के अपने संकल्प को पूरा करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहे हैं। सोलर पार्क और विंड कारिडोर स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को लुभाने में भी सहायक बने हैं। उल्लेखनीय है कि बीते दशक में सौर एवं पवन ऊर्जा की लागत 80 प्रतिशत से भी अधिक घट गई है। इसके चलते कई क्षेत्रों में सौर-पवन ऊर्जा की लागत कोयले और गैस से बनने वाली बिजली से भी किफायती हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा कीमतों में स्थायित्व प्रदान करने के साथ ही यह ऊर्जा स्वतंत्रता भी सुनिश्चित करती है। एक बार इंस्टाल होने के बाद उसमें लागत लगभग नगण्य रह जाती है। कॉप शिखर सम्मेलनों में विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के प्रति की गई वचनबद्धता भी पूरी

नहीं हो रही है, इस बाबत भारत कॉप शिखर सम्मेलनों में इस मुद्दे को बराबर उठाता रहा है। अमेरिका में अभी भी 60 प्रतिशत से अधिक बिजली जीवाश्म ईंधनों से पैदा हो रही है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा उत्सर्जक है, जिसकी आधी से अधिक बिजली अभी भी कोयले से बनती है। इसलिए विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश के तौर पर अमेरिका और चीन की जिम्मेदारी है कि अपने उत्सर्जन में तेजी से कमी लाएं, विकासशील देशों को वित्त और तकनीकी सहयोग दें, स्वच्छ ऊर्जा नवाचार साझा करें और प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठ कर वैश्विक सहयोग को बढ़ाएं। (लेख में विचार निजी हैं)

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI-834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, **PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773** Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Mob -

ब्लैक कॉमेडी फिल्म लॉर्ड कर्जन की हवेली में नजर आने वाली हैं रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में बीना त्रिपाठी के किरदार से मशहूर हुईं एक्ट्रेस रसिका दुग्गल जल्द ही एक ब्लैक कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का नाम है लॉर्ड कर्जन की हवेली। रसिका दुग्गल ने फिल्म लॉर्ड कर्जन की हवेली का एक शानदार पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। फिल्म के इस पोस्टर में फिल्म के मुख्य कलाकार नजर आ रहे हैं।

लॉर्ड कर्जन की हवेली इस साल 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन अंशुमान झा ने किया है, जो उनकी पहली निर्देशित फिल्म है। इस फिल्म में अर्जुन माथुर, तन्मय धनानिया और परेश पाहुजा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

लॉर्ड कर्जन की हवेली

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह फिल्म पूरी तरह से ब्रिटेन में एक ही लेंस से शूट की गई है। यह एक रहस्यमयी और मजेदार कहानी है, जिसमें कॉमेडी, थ्रिलर और पहचान जैसे विषयों को दर्शाया गया है। रसिका ने बताया कि फिल्म का प्रीमियर मेलबर्न में हुआ था और इसे कई फिल्म समारोहों में दर्शकों ने खूब पसंद किया। खास तौर पर शिकागो में दर्शकों के साथ इसे देखने का अनुभव उन्हें बहुत अच्छा लगा। फिल्म का निर्माण गोल्डन रेशियो फिल्म्स और फर्स्ट रे फिल्म्स ने मिलकर किया है। इस फिल्म को मैंक्स मार्केटिंग लिमिटेड प्रस्तुत कर रहा है।

सेलेब्स ने दी शुभकामनाएं

एक्टर संजय बिश्नोई ने रसिका की इस पोस्ट पर क्लैप इमोजी शेयर किया है। वहीं रसिका के फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एक फैन ने लिखा, अरे वाह नया वाला.. बहुत अच्छा लग रहा है.. इसे देखने के लिए उत्साहित हूं, एक और फैन ने लिखा, वाह, यह तो बहुत बढ़िया है, हवेली के लिए शुभकामनाएं।

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड फेम साहेर बंबा ने बताया आर्यन खान के साथ काम करने का अनुभव

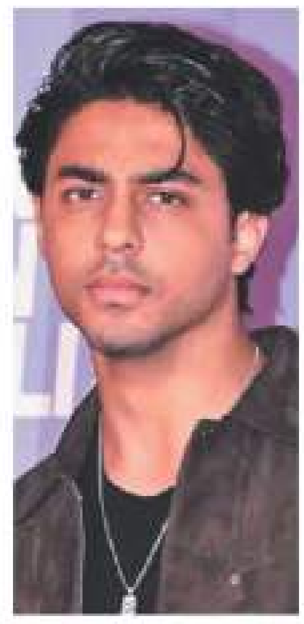

अभिनेत्री साहेर बंबा ने हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अपने अनुभवों को साझा किया है। इस सीरीज में वह करिश्मा तंवर का किरदार निभा रही हैं। इस शो में उनका सबसे खास अनुभव आर्यन खान के साथ काम करना था। साहेर ने कहा, आर्यन एक तरह से हार्ड टास्क मास्टर हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह एकदम सख्त हैं। वह कलाकारों से उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। वह केवल स्क्रिप्ट तक सीमित नहीं रहते, बल्कि कलाकारों को अपने किरदार की गहराई तक पहुंचने के लिए प्रेरित करते हैं। उनके काम के प्रति लगाव और स्पष्ट सोच देखकर ऐसा लगता है कि वह किसी अनुभवी निर्देशक से कम नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, निर्देशक के तौर पर आर्यन सेट पर पूरी तरह से उपस्थित रहते हैं और काम को लेकर उनका ध्यान हर छोटी से छोटी बात पर होता है। आर्यन के साथ काम करते हुए मुझे कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं एक नए निर्देशक के साथ काम कर रही हूं। बल्कि, ऐसा लगा जैसे मैं ऐसे निर्देशक के साथ काम कर रही हूं जो दशकों से इस क्षेत्र में है। सेट पर चाहे कितनी भी मुश्किलें क्यों न हों, आर्यन पूरी शांति से अपने काम को संभालते हैं और किसी भी परेशानी से घबराते नहीं हैं। उनकी यह स्थिरता पूरे सेट के लिए एक प्रेरणा की तरह होती है। साहेर ने बताया, आर्यन बहुत संवेदनशील और विचारशील व्यक्ति हैं। शूटिंग खत्म होने के बाद भी वह कलाकारों की परवाह करते हैं। वह कई बार शूटिंग खत्म होने के बाद कॉल करके पूछते थे कि कलाकारों को अपने सीन कैसे लगे, क्या वे अपने प्रदर्शन से खुश हैं या कोई सुधार चाहिए। यह छोटे-छोटे काम दिखाते हैं कि वह अपने कलाकारों की कितनी परवाह करते हैं। इस तरह का व्यवहार किसी भी कलाकार को आत्मविश्वास देता है। द बैड्स ऑफ बॉलीवुड वेब सीरीज ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

आवेज दरबार से रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं

हाल ही में 'बिग बॉस 19' के घर से बाहर हुईं अभिनेत्री नगमा मिराजकर ने साथी कंटेस्टेंट आवेज दरबार के साथ अपने रिश्ते को लेकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने एक विशेष बातचीत में अपने रिश्ते और बिग बॉस हाउस में चल रहे लव एंगल्स पर बात की। अपने और आवेज के रिश्ते पर बात करते हुए नगमा ने कहा, मैं आवेज दरबार को लंबे समय से जानती हूं और उनके बारे में कोई बात मुझसे छुपी नहीं है। मुझे किसी को भी हमारे रिश्ते के बारे में बताने की जरूरत नहीं है। हम एक-दूसरे को जानते हैं और यही मायने रखता है।

शादी की प्लानिंग के बारे में बात करते हुए नगमा ने ने कहा, वह और आवेज जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। मैं चाहती हूं कि वह बिग बॉस में अंत तक रहे और जीतकर वापस आए। उसके बाद इंशाअल्लाह, हम शादी के बंधन में बंध जाएंगे। नगमा को कुछ प्रोजेक्ट में इसलिए लिया गया कि वो आवेज दरबार को जानती हैं, इस पर नगमा बोलीं, मुझे लगता है कि ऐसा कहना अनुचित है। हमने एक-दो गानों पर साथ काम किया है, लेकिन यह दावा करना कि हमें कनेक्शन के जरिए काम मिलता है, सही नहीं है। हर किसी को अपनी मेहनत और प्रतिभा से काम मिलता है। हमने यहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की है और ईश्वर की दया से हम अपनी मेहनत से आगे बढ़ते रहेंगे। नगमा ने कहा कि वह बाहर से ही आवेज दरबार को सपोर्ट कर रही हैं और चाहती हैं कि इस बार वह विनर बनें।

नोरा फतेही ने इंटरनेशनल पंजाबी एंथम के बाद बांग्ला गाने की दी झलक

हाल ही में, ग्लोबल स्टार नोरा फतेही ने यो यो हनी सिंह के साथ अपने धमाकेदार इंटरनेशनल पंजाबी एंथम, आई एम सो रिच की घोषणा की। इस ट्रैक को पहले से ही अगला ग्लोबल पार्टी एंथम माना जा रहा है। लेकिन यह एंथम रिलीज़ होने से पहले ही, नोरा ने संगीतकार संजॉय के साथ अपनी हालिया बातचीत से एक नया उत्साह जगा दिया है — इस बार बांग्ला में! यह हल्की-फुल्की बातचीत जल्द ही एक मजेदार वादा बन गई, जब नोरा ने हँसते हुए कहा, दोस्तों, मुझे नहीं पता इस आदमी ने मुझसे क्या करवाने के लिए राजी कर लिया है... हम एक बांग्ला गाना कर रहे हैं। मेरे लिए दुआ करना! संजॉय ने तो एक संभावित हुक लाइन भी सुझा दी- की माया, लगाइसो।

अगर यह प्रयोग साकार होता है, तो बांग्ला दर्शकों को जल्द ही नोरा की आवाज़ में अपनी भाषा का कोरस सुनने को मिल सकता है — और यह उनकी बहुभाषी ग्लोबल आर्टिस्ट की पहचान को और मजबूत करेगा। नोरा ने कहा, सिर्फ ग्लोबल होना ही नहीं, बल्कि हर संस्कृति को सच्चे दिल से सेलिब्रेट करना ज़रूरी है। इस बीच, अपने संगीत प्रयोगों के अलावा, नोरा फ़तेही बड़े पर्दे पर भी अपने पंख फैला रही हैं — वह कंचना 4 में लीड रोल में नज़र आएंगी और कई नए प्रोजेक्ट्स की तैयारी में हैं। चाहे संगीत हो या सिनेमा, यह ग्लोबल स्टार फिलहाल रुकने के मूड में नहीं है।

संगीतकार संजॉय के साथ एक मज़ेदार बातचीत के दौरान नोरा ने बंगाली गाने में अपनी आवाज़ देने की संभावना को छेड़ा। संजॉय ने जब उन्हें बांग्ला कोरस गाने का सुझाव दिया, तो नोरा — जो पहले ही अरबी, स्वाहिली और पंजाबी में गा चुकी हैं — उन्होंने माना कि बांग्ला बहुत खूबसूरत लेकिन थोड़ा डर लग रहा है। उन्होंने मज़ाक में पूछा, अगर मैं बेवकूफ जैसी लगूं तो? जिस पर संजॉय ने भरोसा दिलाया, नहीं, तुम नहीं लगोगी। हम इसे एक जश्न बनाएंगे।

यश के साथ टॉक्सिक में दिखेंगी रुक्मिणी वसंत

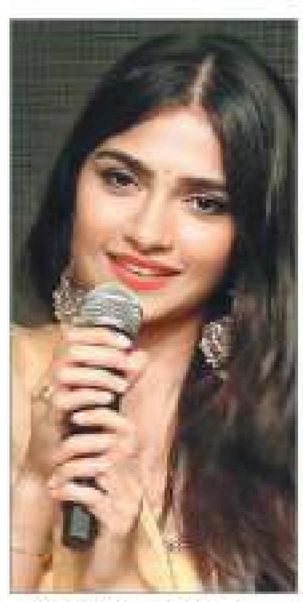

ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में अभिनेत्री रुक्मिणी वसंत अहम भूमिका निभाएंगी। आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी हुआ है। रुक्मिणी के पास ऋषभ शेट्टी के बाद एक और साउथ सुपरस्टार की फिल्म भी है। वे केजीएफ फेम रॉकी भाई उर्फ यश की अगली फिल्म में भी नजर आएंगी।

यश की इस फिल्म में नजर आएंगी रुक्मिणी

रुक्मिणी साउथ सुपरस्टार यश की अगली बहु चर्चित फिल्म टॉक्सिक में भी नजर आएंगी। रुक्मिणी वसंत चर्चित एक्ट्रेस हैं, जो साउथ इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। वे मुख्य रूप से कन्नड़ तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने बीरबल (2019) से अपने करियर की शुरुआत की थी।

कब रिलीज होगी कांतारा चैप्टर 1

रुक्मिणी ने हाल के दिनों में कांतारा चैप्टर 1 में अपनी एंट्री को लेकर सुर्खियां बटोरी। इसके बाद रुक्मिणी यश की टॉक्सिक और प्रशांत नील-जूनियर एनटीआर की फिल्म ड्रैगन में भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। बता दें कि 'कांतारा: चैप्टर 1' के निर्देशन की कमान भी ऋषभ शेट्टी ने संभाली है। यह होम्बले फिल्म्स के सबसे बड़े प्रोजेक्ट में से एक है। यह फिल्म दो अक्तूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होगी।

'निशानची' में रिंकू के किरदार में हो रही वेदिका पिंटो की चर्चा

अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर काफी चर्चा हो रही है। अब रिलीज के बाद भी दर्शकों से फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म के रिलीज होने के बाद अब मुख्य अभिनेता ऐश्वर्य ठाकरे के अलावा अगर किसी की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, तो वो हैं वेदिका पिंटो। वेदिका 'निशानची' की हीरोइन हैं।

बचपन से डांस में थी रुचि

मुंबई में एक ईसाई परिवार में जन्मी वेदिका पिंटो के पिता जॉनी पिंटो एक हिंदी फिल्म बिजनेस एसोसिएट थे और मां बैंकर हैं। वेदिका को शुरू से ही एक्टिंग और डांस में रुची थी। स्कूल के समय में उन्होंने कई नेशनल और इंटरनेशनल डांस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन से ग्रेजुएशन किया है।

म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी'से मिली पहचान

बॉलीवुड में एंट्री से पहले वेदिका कुछ एक म्यूजिक वीडियो में नजर आई है। वेदिका को पहचान 2019 में आए ऋत्विज के म्यूजिक वीडियो 'लिग्गी' से मिली। यह गाना काफी पसंद किया गया इसके बाद वो अरमान मलिक के गाने 'बस तुझसे प्यार हो' में भी नजर आई।

'ऑपरेशन रोमियो' से की बॉलीवुड में शुरुआत

कई ऑडिशन देने के बाद वेदिका को पहली फिल्म मिली साल 2022 में, जब वो नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'ऑपरेशन रोमियो' में नजर आई। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इसके बाद वो आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की फिल्म 'गुमराह' में नजर आई। यह फिल्म भी कुछ खास नहीं रही।

सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं वेदिका

वेदिका सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वो अपने इंस्टाग्राम पर अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती रहती है। इंस्टाग्राम पर वेदिका के 2 लाख 53 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं।

'निशानची' में वेदिका ने निभाया है डांसर का किरदार

'निशानची' वेदिका पिंटो की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में वेदिका ने रिंकू का किरदार निभाया है, जो एक डांसर है। फिल्म में वेदिका के अभिनय की काफी तारीफ भी हो रही है। अनुराग कश्यप ने भी हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वेदिका के अभिनय की तारीफ की थी। अब देखना ये है कि क्या 'निशानची' वेदिका के करियर में मील का पत्थर साबित होगी या नहीं?

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की हत्या की साजिश रचने वाला अमेरिकी नागरिक दोषी करार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत ने 59 वर्षीय रयान राउथ को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश का दोषी करार दिया। सितंबर 2024 में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच स्थित ट्रंप इंटरनेशनल गोल्फ क्लब में हुई घटना में वह राइफल लेकर झाड़ियों में छिपा मिला था। अभियोजन पक्ष ने बताया कि राउथ ने करीब 10 घंटे तक इंतजार किया और ट्रंप पर निशाना साधा, लेकिन एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने उसे गोली चलाते हुए देख लिया था। राउथ बिना गोली चलाए भाग गया, लेकिन कुछ घंटों बाद हाईवे पर गिरफ्तार हो गया। मौके से एसकेएस राइफल, बुलेटप्रूफ प्लेटें और कैमरा बरामद हुआ। राउथ पर हत्या की कोशिश, संघीय एजेंट को बाधा पहुंचाने और हथियार रखने सहित पांच आरोपों में दोष साबित हुआ। उसे आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है।

कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को संसद में बड़ी राहत, सरकारी वकील बोले- जांच जारी रहेगी

सैन जोस, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेस को बड़ी राहत मिली है। संसद में उनकी प्रतिरक्षा समाप्त करने के प्रस्ताव पर मतदान कराया गया। मंगलवार को उनके विरोधी खेमे को इस प्रयास में असफलता हाथ लगी। विपक्ष को 38 वोटों की जरूरत थी, लेकिन केवल 34 वोट मिले। 21 ने प्रस्ताव का विरोध किया और दो अनुपस्थित रहे। यह देश के इतिहास में पहली बार था कि किसी वर्तमान राष्ट्रपति के खिलाफ ऐसे प्रस्ताव पर मतदान हुआ। चावेस पर आरोप है कि उन्होंने एक वीडियो निर्माता पर दबाव डाला कि वह अनुबंध की राशि का हिस्सा उनके पूर्व अभियान सलाहकार को दे। अटॉर्नी जनरल कार्लो डियाज ने कहा कि जांच जारी रहेगी और चावेस की प्रतिरक्षा उनके कार्यकाल (मई तक) समाप्त होने के बाद हट सकती है।

न्यूयॉर्क के जाम में फंसने पर मैक्रों ने ट्रंप को किया फोन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्चस्तरीय सत्र के दौरान न्यूयॉर्क सिटी की सड़कों पर लगे जाम में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों फंस गए। पुलिस ने उनके दल को रोक दिया, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के काफिले के लिए सड़कें बंद थीं। मैक्रों ने एक पुलिस अधिकारी ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट माफ कीजिए। अभी सब कुछ बंद है। ट्रंप का काफिला गुजर रहा है, जिसके ऐसा हुआ है। इसके बाद मैक्रों ने तुरंत ट्रंप को फोन किया और कहा, आप कैसे हैं? आप जानते हैं, मैं सड़क पर फंस गया हूं, क्योंकि आपके लिए सब बंद है। जब ये बातचीत हो रही थी, तब तक ट्रंप का काफिला जा चुका था। हालांकि मैक्रों कार में फिर नहीं बैठे। वह करीब आधे घंटे तक टहलते रहे और ट्रंप से फोन पर बात करते रहे।

श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख को अवमानना के आरोप में 2 साल कैद

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व आव्रजन प्रमुख हर्ष इलुकपिटिया को अवमानना के आरोप में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इलुकपिटिया पर पर्यटक वीजा प्रक्रिया संबंधी निर्देश की अवहेलना करने का आरोप है। इस मामले में वह पिछले साल 25 सितंबर से हिरासत में थे। तीन जजों की पीठ ने मंगलवार को इलुकपिटिया को आउटसोर्स इलेक्ट्रॉनिक पर्यटक वीजा-ऑन-अराइवल प्रणाली को रोकने और पुरानी व्यवस्था पर लौटने, अदालत के जुलाई 2024 के आदेश को लागू करने में विफल रहने का दोषी ठहराया।

भ्रष्टाचार के मामले में चीन के शीर्ष वैज्ञानिक हिरासत में

बीजिंग, एजेंसी। चीन में भ्रष्टाचार के एक मामले में शीर्ष वैज्ञानिक यू फेंक्सिन को हिरासत में लिया गया है। यू सैन्य उपकरणों के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स बनाने में विशेषज्ञता रखते हैं। वह हांग्जो स्थित झेजियांग विवि के एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स स्कूल में प्रोफेसर भी हैं। यू की कंपनी झेजियांग ग्रेट माइक्रोवेव टेक्नोलॉजी ने एक बयान में कहा, उसे रविवार को पता चला कि उन्हें हुआंगशी के पर्यवेक्षी आयोग ने हिरासत में लिया है। हालांकि, कंपनी ने यह नहीं बताया कि उन पर क्या आरोप है।

गलत आरोप झेलने वाले दो अश्वेतों को 1.50 लाख डॉलर

बोस्टन, एजेंसी। अमेरिका के बोस्टन में साल 1989 में एक हाई-प्रोफाइल हत्या हुई थी। इस मामले में गलत तरीके से आरोपी बनाए गए दो अश्वेत पुरुषों, एलन स्वानसन और विली बैनेट को शहर से 1.5 लाख डॉलर का मुआवजा मिला है। कैरोल स्टुअर्ट की हत्या उसके पति चार्ल्स स्टुअर्ट ने की थी, लेकिन उसने झूठा आरोप एक अश्वेत हमलावर पर लगाया।

तुर्किये के राष्ट्रपति ने यूएन में फिर कश्मीर मुद्दा उठाया

कहा- भारत-पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की मदद लें, 2019 से 6 बार जिक्र कर चुके

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 80वें सत्र में एक बार फिर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच बातचीत के जरिए कश्मीर मुद्दे को हल करने की वकालत की। एर्दोगन ने कहा, हमें खुशी है कि अप्रैल में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद सीजफायर हुआ। कश्मीर के हमारे भाइयों और बहनों के लिए, इस मुद्दे को यूएन सुरक्षा परिषद की मदद से सुलझाना चाहिए। भारत पहले भी ऐसी टिप्पणियों को खारिज कर चुका है। भारत का कहना है कि, जम्मू-कश्मीर हमारा आंतरिक मामला है। एर्दोगन 2019 से हर साल (2024 छोड़कर) यूएन में कश्मीर का जिक्र करते रहे हैं, जिसमें वे पाकिस्तान के तरफ अपना समर्थन दिखाते हैं।

तुर्किये ने भारत-पाक संघर्ष के दौरान पाकिस्तान का साथ दिया : एर्दोगन ने भारत-पाक संघर्ष के बाद 17 मई, 2025 को कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से बात की थी। उन्होंने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया था। एर्दोगन ने कहा था कि वो कश्मीर मुद्दे सुलझाने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे।

उन्होंने भारत के खिलाफ इस्लामाबाद के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। एर्दोगान ने कहा था ने कि अगर दोनों देश तैयार हो तो वो कश्मीर मामले में रोल निभाएंगे। हम शांति चाहते हैं, हम दो पड़ोसियों के बीच कोई तनाव नहीं चाहते। वहीं, इस्तांबुल में 24 मई 2025 को शहबाज शरीफ और एर्दोगन से मुलाकात की थी। इस दौरान एर्दोगन ने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी, टेक्नोलॉजिकल सपोर्ट, एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और डिफेंस सेक्टरों में सहयोग देने का वादा किया था।

भारत बोला था- जम्मू-कश्मीर हमारा अभिन्न अंग : एर्दोगन की टिप्पणी पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। किसी दूसरे देश को इस पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा, किसी देश के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने के बजाय, यह अच्छा होता कि सीमा पार आतंकवाद को रोकने पर बात करते, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए सबसे बड़ा खतरा बनी हुई है।

आईआईसी ने भारत से कश्मीरी कैदियों को छोड़ने को कहा : इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के जम्मू-कश्मीर संपर्क समूह की बैठक 23 सितंबर को महासभा के दौरान हुई। बैठक में अजरबैजान, पाकिस्तान, तुर्किये, सऊदी अरब और नाइजर के विदेश मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ओआईसी महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा ने इसकी अध्यक्षता की। पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के विशेष सहायक सैयद तारिक फातमी ने भारतीय हिस्से वाले जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर जानकारी दी। समूह ने भारत-पाक के बीच सीजफायर को अच्छा कदम बताया। साथ ही, जोर दिया कि कश्मीर मुद्दे का हल करने से ही स्थायी शांति संभव है। इसके अलावा प्रमुख कश्मीरी नेता शब्बीर अहमद शाह को लगातार हिरासत में रखने और जमानत न देने पर चिंता जताई। समूह ने ओआईसी के मानवाधिकार आयोग से आजाद जम्मू-कश्मीर और कंट्रोल लाइन पर जांच करवाने की मांग की ताकि वहां की स्थिति की सटीक जानकारी मिल सके। वहीं, समूह ने भारत से आईओजेके में लोगों की स्थिति में सुधार करने, सभी कश्मीरी राजनीतिक कैदियों को रिहा करने, गैरकानूनी कश्मीरी राजनीतिक दलों पर प्रतिबंध हटाने, सभी कठोर कानूनों को हटाने और जम्मू-कश्मीर पर यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने की मांग की।

गाजा में इजराइली हमलों की निंदा की : कश्मीर के अलावा एर्दोगन ने अपने भाषण में इजराइल के गाजा में हमले की निंदा की। उन्होंने इसे जीवन का खात्मा करने वाला बताया। एर्दोगन ने कहा, हम यहां बैठकर बात कर रहे हैं, वहां, गाजा में एक नरसंहार जारी है। गाजा में 23 महीनों से हर घंटे एक बच्चे की मौत हो रही है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं, मासूम जिंदगियां हैं।

फिलिस्तीन को मान्यता देने की मांग की : एर्दोगन ने दुनिया से फिलिस्तीन के समर्थन में खड़े होने और इंसानियत के नाम पर उसे मान्यता देने की मांग की। उन्होंने उन देशों को शुक्रिया कहा, जिन्होंने फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे दी है।

ट्रंप से बात के बाद बोलीं उर्सुला- चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटेगा, सदस्यों को मानना ही होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। 80वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा को बैठक को संबोधित करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ भी बातचीत की। इस वार्ता के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी उस बात को फिर दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र कभी अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर सका। उन्होंने कहा, मैंने सात युद्ध रोके और संयुक्त राष्ट्र ने मेरी कोई मदद नहीं की। मुझे कभी फोन तक नहीं किया गया... किसी दिन यूएन यही करेगा जो मैं कर रहा हूं।

संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की : उन्होंने कहा, अगर संयुक्त राष्ट्र वाकई अपना काम कर रहा है, तो हमें कोई युद्ध नहीं करना चाहिए... आपके पास एक बेहतरीन अवधारणा हो सकती है, लेकिन अगर आपके पास सही लोग नहीं हैं तो निर्णय नहीं होते। हमने इन सभी युद्धों को (समाधान किया) है। संयुक्त राष्ट्र ने हमारी मदद नहीं की... उन्होंने कुछ नहीं किया, जबकि इन समस्याओं का समाधान उन्हें (यूएन) को करना चाहिए। चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला, ईयू सदस्यों को प्रतिबंधों पर सहमत होना होगा रूस पर सख्त कार्रवाई और टैरिफ के मुद्दे पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला

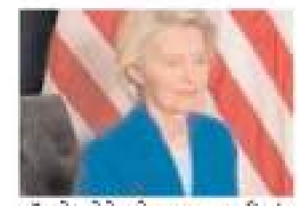

वॉन डेर लेयेन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप बिल्कुल ठीक कह रहे हैं... हमने रूस से गैस की आपूर्ति में पहले ही भारी कटौती कर दी है... हम यूरोपीय संघ को आने वाली तेल आपूर्ति पर टैरिफ लगाना चाहते हैं... हम इससे पहले ही बाहर निकलना चाहते हैं। साल के अंत तक, हमने चरणबद्ध तरीके से टैरिफ हटाने का फैसला कर लिया है। अब हमारे पास प्रतिबंधों का प्रस्ताव है। सदस्य देशों को इस पर सहमत होना होगा।

कोलंबिया में सोने की खान में फंसे 20 से अधिक श्रमिक : बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के उत्तरी भाग में एक सोने की खान धंसने के बाद 20 से अधिक श्रमिक फंस गए हैं। कनाडा की खनन कंपनी के अनुसार, मुख्य शाफ्ट ढहने के बाद में कंपनी के पांच कर्मचारी फंस गए। बचावकर्मी फंसे खनिकों तक भोजन और पानी पहुंचा रहे हैं और उन्हें बुधवार तक सतह पर लाने की उम्मीद है। राष्ट्रीय खनन एजेंसी के अनुसार, सेगोविया नगर में 25 लोग फंसे हैं।

इटली की पीएम मेलोनी बोलीं- जंग खत्म कराने में भारत अहम भूमिका निभा सकता है

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि भारत दुनिया में चल रहे संघर्षों को सुलझाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शांति प्रयासों की सराहना की। मेलोनी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में मोदी से वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत की, जिसमें यूक्रेन युद्ध और भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने निवेश, रक्षा, सुरक्षा, शिक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया।

इटली की पीएम ने फिलिस्तीन मुद्दे पर भी रुख साफ किया और कहा कि उनका देश केवल तभी फिलिस्तीन को मान्यता देगा जब हमास सरकार में शामिल न हो और सभी इजराइली बंधक रिहा किए जाएं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दबाव हमास पर होना चाहिए, न कि इजराइल पर।

ताइवान ने चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया : ताइपेई, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार सुबह करीब छह बजे (स्थानीय समय) अपने जल क्षेत्र के

आसपास एक चीनी सैन्य जहाज का पता लगाया। आमतौर पर पीएलए के विमान दिखते हैं, लेकिन इस बार कोई भी विमान नहीं दिखा। मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज सुबह छह बजे ताइवान के आसपास पीएलए के नौसेना के एक जहाज का पता चला। ताइवान के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की और प्रतिक्रिया दी। हवाई मार्ग पर पीएलए का कोई भी विमान सक्रिय नहीं था, इसलिए हवाई मार्ग का कोई नक्शा या चित्र नहीं बन सका।

हॉन्गकॉन्ग पहुंचा साल का सबसे शक्तिशाली तूफान, सुपर टाइफून रागासा से ताइवान में 14 मौतें

हॉन्गकॉन्ग, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग में दो दिन से सुपर टाइफून रागासा के चलते भारी बारिश हो रही है। रॉयटर्स के मुताबिक ये साल 2025 का सबसे खतरनाक तूफान है। इसका असर ताईवान और चीन तक देखने को मिल रहा है। ताईवान में तूफान से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं।

हॉन्गकॉन्ग में हवाएं 200 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही हैं, हॉन्गकॉन्ग आब्जरवेटरी ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में तूफान घनी आबादी वाले शहरों के सबसे करीब होगा। साथ ही समुद्र का स्तर दोपहर तक 4 मीटर तक पहुंच सकता है। वहीं, हॉन्गकॉन्ग के फुलरटन होटल में समुद्र का पानी घुस गया, जिससे भारी नुकसान हुआ। त्सेंग क्वान और लांताउ द्वीप पर हवाई अड्डे के पास बाढ़ ने समुद्र तटों को तबाह कर

दिया। चीन के मौसम ब्यूरो ने रागासा को तूफानों का राजा बताया। रागासा एक फिलिपीनो शब्द है, जिसका मतलब जुनूनी होता है।

हॉन्गकॉन्ग में उड़ानें रद्द, ताइवान में संचार सेवाएं ठप हुईं : हॉन्गकॉन्ग एयरपोर्ट पर भी टाइफून का असर दिखा। सुरक्षा कारणों से सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और हजारों यात्री फंसे रहे। शहर की मेट्रो और बस सेवाएं भी बाधित हुईं। कई इलाकों में पानी भरने से दुकानें और घरों को नुकसान पहुंचा है। यहां प्रशासन ने लोगों को घरों से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। ताइवान में स्थिति और भी गंभीर है। यहां भारी बारिश से लैंडस्लाइड और जलभराव की घटनाएं सामने आईं। राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। खराब मौसम की वजह से सेना और बचाव दल को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई इलाकों में बिजली और संचार सेवाएं ठप हो गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी हो रही है।

चीन ने 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया : चीन के गुआंगडोंग प्रांत के तट की ओर बढ़ते हुए इसकी सुपर टाइफून तीव्रता बरकरार रहने की उम्मीद है, जहां 125 मिलियन से अधिक लोग रहते हैं, तथा जहां दोपहर (0400 GMT) से इसके पहुंचने की उम्मीद है।

चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में 7.7 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। ग्वांगझोउ और शेनझेन जैसे बड़े शहरों में स्कूल, परिवहन और हवाई सेवाएं बंद हैं। समुद्र में 2.8 मीटर तक ऊंची लहरों की चेतावनी दी गई है।

जर्मनी ने भारतीय कामगारों को आने का न्योता दिया

बर्लिन, एजेंसी। भारत में जर्मन राजदूत फिलिप एकरमैन ने सोशल मीडिया और एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा कि जर्मनी भारतीय प्रतिभाओं के लिए बेहतर और स्थिर विकल्प है। एकरमैन ने बताया कि जर्मनी की इमिग्रेशन पॉलिसी अचानक नहीं बदलती, बल्कि यह भरोसेमंद है। उन्होंने इसकी तुलना जर्मन कार से की, जो भरोसमंद, एडवांस होती है। एकरमैन ने कहा कि हम कड़ी मेहनत में यकीन करते हैं और अपनी बेस्ट जॉब, बेस्ट लोगों को देना चाहते हैं। एकरमैन ने यह भी कहा कि भारतीय जर्मनी में सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में गिने जाते हैं। उन्होंने बताया कि जहां एक औसत जर्मन कामगार 3,945 यूरो (4.13 लाख रुपए) महीना कमाता है, वहीं भारतीय मूल के पेशेवर औसतन 5,359 यूरो (5.60 लाख रुपए)

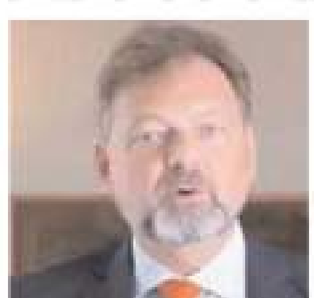

कमाते हैं। राजदूत ने कहा कि इसका मतलब है भारतीय न सिर्फ मेहनती हैं बल्कि जर्मन समाज और अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान भी देते हैं।

जर्मनी को करीब 3 लाख प्रवासियों की जरूरत : जर्मनी को यह पहल इसलिए भी करनी पड़ रही है क्योंकि वहां की आबादी तेजी से बूढ़ी हो रही है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए 2040 तक हर साल लगभग 2.88 लाख प्रवासियों की जरूरत होगी। इस कमी को पूरा करने के लिए जर्मनी ने 2024 से पेशेवर वीजा की संख्या 10 % से ज्यादा बढ़ाने और भारतीयों के लिए खास मौके दिए जाने की घोषणा की है। पिछले साल जर्मन सरकार ने 2025 में 2 लाख पेशेवर वीजा जारी करने का वादा किया था, जिनमें से 90,000 भारतीयों के लिए तय किए गए। यह संख्या पहले की सीमा 20,000 से कई गुना ज्यादा है। इस समय तकरीबन 1.3 लाख भारतीय पेशेवर जर्मनी में रहकर काम कर रहे हैं और उनकी औसत कमाई स्थानीय कामगारों से कहीं अधिक है।

अमेरिका में मोहम्मद यूनुस का पुरजोर विरोध, काफिले पर अंडे फेंके गए : न्यूयॉर्क, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को न्यूयॉर्क में विरोध का सामना करना पड़ा। शेख हसीना की अवामी लीग के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने यूनुस के काफिले पर अंडे फेंके और उनके सहयोगी अख्तर हुसैन को आतंकवादी कहकर नारेबाजी की। हुसैन 2024 में हसीना विरोधी छात्र आंदोलन के नेता रहे थे। हालांकि यूनुस के साथ आए बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी नेताओं को निशाना नहीं बनाया गया। यूनुस ने अमेरिका के विशेष दूत सर्जियो गोर से मुलाकात में कहा कि फरवरी 2026 में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाएंगे। बैठक में व्यापार, क्षेत्रीय सहयोग, सार्क पुनर्जीवन, रोहिंग्या संकट और दुष्प्रचार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यूनुस ने रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए निरंतर अमेरिकी सहयोग की मांग की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में कोलंबिया के राष्ट्रपति ने की ट्रंप के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग की

न्यूयॉर्क, एजेंसी। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की वार्षिक बैठक में भाषण देते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक जांच की मांग कर दी। पेट्रो ने यह मांग इस महीने कैरेबियाई सागर में नावों पर हुए अमेरिकी हमलों के बाद उठाई, जिनमें कई लोगों की मौत हुई थी। बता दें कि अमेरिका ने इन हमलों को लेकर दावा किया था कि उसके निशाने पर मादक पदार्थ ले जा रहे तस्कर गिरोह थे और नावों के जरिए तस्करी ही हो रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, दो सितंबर को हुए पहले हमले में 11 लोग मारे गए थे। इसके बाद 16 सितंबर को दूसरे हमले में तीन लोगों की मौत हुई और फिर शुक्रवार को तीसरे हमले में भी तीन लोगों की जान गई। अमेरिका ने इन सभी नावों में ड्रग्स होने की बात कही थी।

क्या बोले कोलंबिया के राष्ट्रपति : कोलंबियाई राष्ट्रपति ने अमेरिका की तरफ से कैरिबियाई सागर में तीन हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इन नावों पर सवार लोग वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह से जुड़े नहीं थे, जैसा कि ट्रंप प्रशासन ने दावा किया था। उन्होंने कहा, आपराधिक कार्रवाई उन अधिकारियों पर शुरू होनी चाहिए, चाहे वह आदेश देने वाला सबसे ऊंचा पदाधिकारी ही क्यों न हो- यानी राष्ट्रपति ट्रंप। पेट्रो ने अमेरिका के मादक पदार्थ ले जा रही नावों को निशाना बनाने का दावा भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि इन नावों

में सवार यात्री महज गरीब लातिन अमेरिकी युवा थे, जिनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं था। पेट्रो ने महासभा में कहा, उन्होंने (अमेरिका ने) कहा कि कैरेबियन में मिसाइलों का इस्तेमाल ड्रग तस्करी रोकने के लिए किया गया। यह एक झूठ है। क्या वास्तव में निहत्थे, गरीब युवाओं पर बम बरसाना जरूरी था?

वेनेजुएला के राष्ट्रपति भी कर चुके हैं अमेरिका की आलोचना : दूसरी तरफ वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने भी कहा कि उनकी सरकार अमेरिकी हमलों से निपटने के लिए संवैधानिक आदेश जारी करने की तैयारी कर रही है। मादुरो ने आरोप लगाया कि अमेरिका मादक पदार्थ तस्करी का बहाना बनाकर सैन्य कार्रवाई कर रहा है, ताकि उनकी सरकार को गिराया जा सके।

अमेरिका ने अब तक नहीं दिए नावों में नशीले पदार्थ होने से जुड़े सबूत : दूसरी तरफ अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए जरूरी थी। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि अमेरिका ने नावों में लदे कार्गो का आकलन कैसे किया और यात्रियों को गैंग से जुड़ा हुआ कैसे घोषित किया।

ट्रंप प्रशासन का यू-टर्न- फिर काम पर बुलाए गए नौकरी से हटाए गए सरकारी कर्मचारी, मस्क की कटौती नीति पड़ी महंगी

मियामी, एजेंसी। अमेरिका में जिन सैकड़ों संघीय कर्मचारी की नौकरियां चली गई थी, अब उन्हें वापस काम पर बुलाया जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सलाहकार रहे एलन मस्क की सरकारी खर्चों में कटौती करने की योजना के तहत इन कर्मचारियों को हटाया गया था। सामान्य सेवा प्रशासन (जीएसए) ने इन कर्मचारियों को कहा कि इस हफ्ते तक बताएं कि वे दोबारा नौकरी करना चाहते हैं या नहीं। ये कर्मचारी सरकारी दफ्तरों में देखभाल का काम करते थे। सरकारी नोटिस के मुताबिक, जो कर्मचारी लौटने को तैयार हैं, उन्हें छह अक्तूबर से काम पर लौटना होगा। इन सात महीनों में वे काम पर नहीं थे, लेकिन उन्हें वेतन मिलता रहा। इस दौरान जीएसए को कई सरकारी इमारतों के किराए पर भारी खर्च उठाना पड़ा। इसका बोझ आखिरकार करदाताओं पर ही पड़ा। जीएसए के एक पूर्व अधिकारी चाड बेकर ने कहा कि एजेंसी में कर्मचारियों की

भारी कमी हो गई थी और बुनियादी काम भी सही तरीके से नहीं हो पा रहे थे। अब एजेंसी को आपातकालीन स्थिति में चलाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मस्क और उनके सरकारी दक्षता विभाग (डॉज) ने बहुत जल्दी ज्यादा कटौती कर दी थी। जीएसए को 1940 के दशक में स्थापित किया गया था, ताकि सरकारी दफ्तरों को खरीदने और उनका प्रबंधन करने का सारा काम एक ही जगह से किया जा सके। कर्मचारियों को फिर से वापस काम पर बुलाने का फैसला केवल जीएसए में ही नहीं, बल्कि अन्य एजेंसियों में भी देखने को मिल रहा है। आयकर विभाग और श्रम विभाग ने भी कुछ पुराने कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा है। राष्ट्रीय पार्क सेवा ने भी कुछ लोगों को वापस बुलाया है। जीएसए के लिए स्थिति संभालना जरूरी हो गया था, क्योंकि मार्च से हजारों कर्मचारियों ने या तो खुद सेवानिवृत्ति ले ली या उन्हें जबरन नौकरी छोड़ने को कहा गया। इसके अलावा, सैकड़ों कर्मचारियों को सीधे नौकरी से निकाल दिया गया। हालांकि, इन सभी को सितंबर के अंत तक वेतन मिलता रहा। जीएसए ने इस फैसले पर विस्तार से कुछ नहीं कहा और न ही कर्मचारियों की संख्या या खर्च को लेकर जानकारी दी। केवल इतना कहा गया कि जीएसए नेतृत्व ने कर्मचारियों से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा की है और जो भी निर्णय लिया गया है।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस पटरी से उतरी, ट्रेक पर विस्फोट होने से कई डब्बे पलटे

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को जफर एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेक में विस्फोट होने से कई डिब्बे पलट गए। कम से कम तीन डिब्बे क्षतिग्रस्त हुए

और मौके पर रेस्क्यू टीम भेजी गई। यह हमला पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर विस्फोट होने के कुछ घंटे बाद हुआ। इस साल 11 मार्च को भी इसी रूट पर जफर एक्सप्रेस पर हमला हुआ था, जिसमें छह सैनिक मारे गए और 450 से अधिक यात्री हथियारबंद मिलिटेंट्स द्वारा बंधक बनाये गए थे। उस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली थी और उन्होंने चेतावनी दी थी कि किसी भी सैन्य प्रतिक्रिया से स्थिति और बिगड़ सकती है। बलूचिस्तान में अलगाववादी हिंसा लंबे समय से जारी है और सुरक्षा बलों के लिए यह लगातार खतरा बना हुआ है।

Asia Cup:

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने बुधवार को सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है।

अभिषेक के आउट होने के बाद लड़खड़ा रही पारी

भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार का प्रदर्शन

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है। सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचैनी बढ़ा रखी है। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए। सूर्यकुमार चौथे नंबर पर आए और फिर से वही शॉट खेलकर आउट हो गए।

Irani Cup:

ईरानी कप में रजत पाटीदार करेंगे शेष भारत की अगुआई, ऋतुराज होंगे उपकप्तान; विदर्भ से होना है मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित कर दी है। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तानी का जिम्मा संभालेंगे। विदर्भ की नजरें 2017-18 और 2018-19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। शेष भारत से पहले विदर्भ ने भी इस मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को टीम की कमान सौंपी थी। विदर्भ क्रिकेट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक में यश राठौड़ को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं।

पिछले सत्र में विदर्भ को रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले उस्मान गनी टीम के कोच होंगे। ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीमः रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश धुल, शेख रशीद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुष कोटियान, मानव सुथार, गुरनूर बराड़, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन। ईरानी कप के लिए विदर्भ की टीमः अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), यश राठौड़, अथर्व तायडे, अमन मोखाडे, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, पार्थ रेखाडे, यश ठाकुर, नचिकेत भूटे, दर्शन नालकंडे, आदित्य ठाकरे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, शिवम देशमुख, प्रफुल्ल हिंगे और ध्रुव शौरी।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान
करुण को नहीं मिली जगह, जडेजा बने उपकप्तान

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा

वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगदीशन को भी टीम में जगह दी गई है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है...

- शुभमन गिल (कप्तान)
- यशस्वी जायसवाल
- केएल राहुल
- साई सुदर्शन
- देवदत्त पडिक्कल
- ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)
- रवींद्र जडेजा (उपकप्तान)
- वाशिंगटन सुंदर
- जसप्रीत बुमराह
- अक्षर पटेल
- नीतीश कुमार रेड्डी
- एन जगदीशन (विकेटकीपर)
- मोहम्मद सिराज
- प्रसिद्ध कृष्णा
- कुलदीप यादव

बुमराह को नहीं दिया गया आराम

एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह

इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से लिया ब्रेक

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम के एलान से पहले बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि कर दी थी कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से छह महीने का ब्रेक लिया है। संभवतः इसी कारण चयनकर्ताओं ने श्रेयस के नाम पर विचार नहीं किया होगा। बीसीसीआई ने बताया था कि श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं।

आईसीसी लेगा एक्शन

हारिस रऊफ और साहिबजादा को मिलेगी भारत से बदतमीजी करने की सजा!

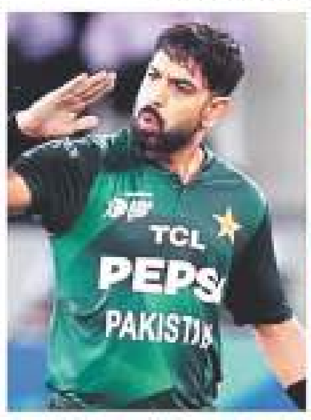

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब यह मामला सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तक पहुँच गया है. बीसीसीआई ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के व्यवहार के लेकर सख्त कदम उठाते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है.

पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. आरोप है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने मैच के दौरान भड़काऊ और आपत्तिजनक इशारे किए थे. 21 सितंबर को खेले गए इस मैच में रऊफ ने ऐसा इशारा किया, मानो विमान को गिरते हुए दिखाया जा रहा हो. माना जा रहा है कि उन्होंने यह भारतीय सेना की कार्रवाई का मजाक उड़ाने के लिए किया. इसके अलावा, गेंदबाजी के दौरान उन्होंने शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे, जिनका जवाब दोनों बल्लेबाजों ने अपने बल्ले से दिया.

वहीं, साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक लगाने के बाद बल्ले को मशीनगन की तरह चलाने वाला जश्न मनाया. इसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हुई. खुद फरहान ने बाद में कहा, वह बस एक पल का सेलीब्रेशन था, मुझे फर्क नहीं पड़ता लोग कैसे लेंगे. अब रऊफ और फरहान को आईसीसी की आचार संहिता के तहत सुनवाई का सामना करना पड़ सकता है. अगर आरोप साबित हुए तो दोनों खिलाड़ियों पर कार्रवाई तय है.

पीसीबी की पलटवार शिकायत

दूसरी ओर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई है. पीसीबी का कहना है कि सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को पाकिस्तान पर जीत के बाद अपनी टीम की जीत भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित की थी, जो 'राजनीतिक बयान' है. हालांकि, यह देखना बाकी है कि शिकायत समय सीमा के भीतर की गई है या नहीं.

वैभव सूर्यवंशी ने 70 गेंदों पर ठोके 108 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 टीम ने आयुष म्हात्रे की कप्तानी में 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम को पहले दो मुकाबलों में लगातार हराते हुए इस वनडे सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले दो मैचों में इंडिया की तरफ से रन बनाने के मामले में टीम के विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू तूफानी बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी से भी आगे रहे। इस सीरीज के पहले दो मैचों में अभिज्ञान ना सिर्फ भारत की तरफ से बल्कि ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं जबकि वैभव सूर्यवंशी उनसे ठीक नीचे यानी दूसरे नंबर पर काबिज हैं। वैभव स्ट्राइक रेट के मामले में अभिज्ञान से आगे हैं, लेकिन अभिज्ञान का औसत इन दोनों मैचों में कमाल का है।

वैभव ने बनाए हैं 70 गेंदों पर 108 रन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले 2 वनडे मैचों में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग काफी आक्रामक रही है और दोनों ही मुकाबलों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों मैचों

में उन्होंने 70 गेंदों का सामना करते हुए 108 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120.00 का रहा है जबकि औसत 54.00 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 70 रन है और उनके बल्ले से 12 चौके और 7 छक्के लगाए हैं जबकि एक अर्धशतक उनके बल्ले से निकला है।

भारतीय अंडर 19 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने टीम की सीरीज जीत में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मैचों में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली और 2 मैचों में उन्होंने 158.00 की तगड़ी औसत के साथ 158 रन बनाए हैं .

रोहित शर्मा कमबैक पर दहाड़ने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। 37 साल के रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी करते हुए अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के

दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया। उनके करीबी दोस्त और भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने मुंबई में रोहित की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, रोहित शर्मा को लेकर अभिषेक नायर ने एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होंने लिखा, -10,000 ग्राम यानी 10 किलो कम करने के बाद भी हम मेहनत जारी रखते हैं। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस और साथी खिलाड़ी उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं।

जिम में कड़ी मेहनत कर रहे हिटमैन

रोहित आईपीएल 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। अब वह जिम में कमबैक के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नायर की देखरेख में उन्होंने ट्रेनिंग की और नया लुक हासिल किया है।

मोहम्मद शमी का टेस्ट करियर खत्म

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से नाम क्यों गायब... BCCI का प्लान B तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. लेकिन इस टीम में एक बार फिर मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिला.

ऐसे में एक तरह से माना जा रहा है कि अब भारतीय टेस्ट टीम से उनका बोरिया बिस्तर लगभग बंध गया है. वेस्टइंडीज की टीम अगले महीने अक्टूबर में दो टेस्ट खेलने के लिए भारत आ रही है. 35 साल

के मोहम्मद शमी ने टेस्ट में आखिरी बार भारत के लिए जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था. तेज गेंदबाज शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों 229 विकेट निकाले हैं. उस सीरीज के बाद से लगातार भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी अटैक में वो जगह बनाने में नाकाम रहे.

क्यों शमी का टेस्ट टीम से पत्ता कटा, क्या चोटिल रहना वजह

इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और जसप्रीत बुमराह मेन पेस गेंदबाज थे. अर्शदीप सिंह भी इस दौरे पर गए थे, वहीं अंशुल कम्बोज को भी डेब्यू करने का मौका मिला था. हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर बैकअप प्लेयर के तौर पर गए थे.

ऐसे में भारत के पास युवा तेज गेंदबाजों का पूल तैयार है. वहीं शमी अब 35 साल के हैं, ऐसे में WTC की मौजूदा साइकिल (2025-27) के अंत तक उनकी उम्र 37 साल हो जाएगी. वहीं दूसरी बात यह भी है कि शमी का हाल में किसी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है.

एशिया कपः

बांग्लादेशी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत के हीरो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे। भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी थी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अगर अच्छी बल्लेबाजी की होती तो स्कोर 200 के आसपास हो सकता था। अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए। शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई और 41 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 69 रन की पारी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने खेली। 51 गेंद की पारी में इस बल्लेबाज ने 5 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे टॉप स्कोरर परवेज हुसैन इमोन रहे। उन्होंने 21 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3, वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। अक्षर पटेल और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला।

'क्रिकेट से मस्ती नहीं...' सुनील गावस्कर ने गंभीर-सूर्यकुमार को एशिया कप फाइनल से पहले चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने एशिया कप टी20 के फाइनल में जगह बना ली है. भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत दर्ज करते हुए बांग्लादेश को 41 रनों से हराया. हालांकि मैच से पहले बल्लेबाजों की गलतियों ने चिंता बढ़ा दी. अब तक चमकते रहे बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर का खामियाजा इस मैच में साफ दिखाई दिया. ओपनर अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों में तूफानी 75 रन ठोके, लेकिन उनके आउट होते ही (12वें ओवर की पहली गेंद पर) भारत का स्कोर 112/3 हो गया. इसके बाद बल्लेबाजों ने रफ्तार खो दी

और अंत तक संघर्ष करते हुए भारत 168/6 तक ही पहुंच सका. इस मैच में शिवम दुबे को अप्रत्याशित रूप से नं. 3 पर भेजा गया, तिलक वर्मा को नं. 6 पर उतारा गया और संजू सैमसन को तो बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिला क्योंकि उन्हें नं. 8 पर रखा गया था. इसी बदलाव पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कड़ी नाराजगी जताई और मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा कप्तान सूर्यकुमार यादव को चेतावनी देते हुए कहा- क्रिकेट से मस्ती नहीं की जाती.

टीएमसी नेता घोष को मिथुन चक्रवर्ती पर टिप्पणी करने से हाईकोर्ट ने रोका

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट की एकल पीठ ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष को अगले तीन महीनों तक सुपरस्टार और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती के बारे में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणी करने से मना कर दिया है। मानहानि याचिका में चक्रवर्ती ने घोष पर कुछ सार्वजनिक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया था। चक्रवर्ती ने अपनी याचिका में शिकायत की कि घोष द्वारा की गई अपमानजनक टिप्पणियों से उनकी सामाजिक छवि को धूमिल किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो मिथुन चक्रवर्ती के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि घोष द्वारा सार्वजनिक रूप से की गई अपमानजनक टिप्पणियों ने न केवल चक्रवर्ती और उनके परिवार के सदस्यों की सामाजिक छवि को धूमिल किया है, बल्कि एक अभिनेता के रूप में उनकी पेशेवर संभावनाओं को भी प्रभावित किया है। इस मामले में विस्तृत सुनवाई के बाद, एकल पीठ ने घोष को इस मामले में नोटिस जारी करने का निर्देश दिया और उन्हें अगले तीन महीनों तक चक्रवर्ती के बारे में किसी भी प्रकार की सार्वजनिक टिप्पणी करने से रोक दिया। बता दें हाल ही में घोष ने मिथुन पर चिटफंड संस्थाओं के साथ संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कई सार्वजनिक टिप्पणियां की थीं। घोष ने चक्रवर्ती पर राजनीतिक खेमा बदलने को लेकर निशाना साधा था। चक्रवर्ती ने टीएमसी के राज्य महासचिव पर उनके बेटे और पत्नी के बारे में अपमानजनक और असत्य टिप्पणियां करने का भी आरोप लगाया। शुरुआत में मिथुन चक्रवर्ती ने घोष को एक कानूनी नोटिस भेजा था। हालांकि, जब नोटिस का कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने कलकत्ता हाईकोर्ट में उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया।

वोट चोरी मामले में राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम वाले बयान के बाद आदित्य ठाकरे ने कहा- चुनाव आयोग पर सर्जिकल स्ट्राइक करेंगे हम

मुंबई एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाते हुए हाइड्रोजन बम जैसी जानकारी उजागर करने की बात कह रहे हैं। इसी तर्ज पर अब आदित्य ठाकरे ने कहा है कि चुनाव आयोग पर सर्जिकल स्ट्राइक वे करेंगे। एक तरफ जहां विभिन्न मंचों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी पारदर्शिता और मतदान प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को लेकर तीखे आरोप लगाए हैं, वहीं उन्होंने दावा दोहराया कि कांग्रेस के पास कुछ ऐसे सबूत हैं जो इस मामले में बड़ा खुलासा कर सकते हैं, उन्होंने इसे एक हाइड्रोजन बम बताया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के नतीजों और वोटर-रोल में दर्ज असामान्यताओं के संदर्भ में भी गंभीर आरोप लगाए। अब इसी तर्ज पर आदित्य ठाकरे ने भी मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में सर्जिकल स्ट्राइक करने की बात कह कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। यहां पर आदित्य ठाकरे ने राहुल गांधी के तेवर को दोहराते हुए कहा कि वे भी महाराष्ट्र के पिछले विधानसभा चुनावों में हुई कथित गड़बड़ियों के पर्दाफाश के लिए तैयारी कर रहे हैं और चुनाव आयोग पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' जैसी कार्रवाई करने का संकेत उन्होंने दिया। आदित्य ने बताया कि उनकी टीम संबंधित डेटा और शिकायतों का विश्लेषण करने में लगी हुई है। हालांकि उन्होंने इसका समय और विस्तृत जानकारी साझा करने से फिलहाल इनकार कर दिया और कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सभी जरूरी बातें सभी के सामने रखेंगे।

दिल्ली हिट-एंड-रन मामला- गगनप्रीत की जमानत याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। एजेंसी)। दिल्ली बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले में आरोपी गगनप्रीत की जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी हो गई है और कोर्ट ने अपना फैसला 27 सितंबर को सुनाने के लिए सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज कोर्ट को सौंपा और कोर्ट ने उस सीसीटीवी फुटेज को देखा। सुनवाई के दौरान पुलिस ने तर्क दिया कि घायल को दुर्घटनास्थल के पास के स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ले जाने के बजाय न्यू लाइफ नर्सिंग होम में ले जाया गया, जो गंभीर मामलों के लिए उचित नहीं है। वहीं गगनप्रीत के वकील ने कहा कि उन्होंने अपने घायल पति को छोड़कर घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस को पीसीआर कॉल भी की गई थी। इस मामले में कोर्ट का फैसला 27 सितंबर को आएगा, जो इस केस की आगे की दिशा तय करेगा। गगनप्रीत पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज है।

नवरात्रि उत्सव के बीच महाराष्ट्र के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने की कोशिश ना करे : नितेश राणे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने नवरात्रि उत्सव के बीच राज्य के शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने को लेकर आगाह किया है। राणे ने मुंबई के मानखुर्द इलाके में सकल हिंदू समाज द्वारा आयोजित एक दुर्गा पंडाल के दौरे में कहा कि त्योहार के समय किसी को भी हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। गौरतलब है कि मानखुर्द में देवी दुर्गा की मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र करने के बाद तनाव बढ़ गया, जिसके कारण दो समूहों के बीच झड़प हुई। राणे ने कहा कि राज्य में सत्तारूढ़ महायुति एक हिंदुत्ववादी सरकार है, जो हिंदू वोटों के समर्थन से चुनी गई है, और जो लोग गोल टोपी पहनते हैं, उन्होंने इस सरकार को वोट नहीं दिया। भाजपा नेता राणे ने प्रदेश का शांतिपूर्ण माहौल बिगाड़ने के खिलाफ आगाह कर कहा, आप अपने त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं, हम अपने त्योहार मनाएंगे। हमारी तरफ आंख उठाकर मत देखिए। मंत्री ने कहा, हम मुंबई का माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी को त्योहार मनाने के लिए अनुमति चाहिए, उन्हें सरकार से संपर्क करना चाहिए और तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। राणे ने कार्यक्रम के दौरान महाआरती में भाग लिया।

आखिरकार क्या है संविधान की छठी अनुसूची... जिसके लिए जल उठा केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख

-पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने 50 लोगों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग पर हजारों युवाओं ने लेह की सड़कों पर हंगामा, आगजनी, हिंसा और उपद्रव किया। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ हिंसक झड़प हुई, जिसमें अब तक चार लोगों की मौत की खबर है, जबकि इन झड़पों में 80 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। गुरुवार को पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा कर्फ्यू का सख्ती से पालन करने के दौरान करीब 50 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

दरअसल छठी अनुसूची भारतीय संविधान की एक अहम अनुसूची है, जो पूर्वोत्तर भारत के कुछ आदिवासी क्षेत्रों को स्वायत्तता देती है, ताकि उनकी संस्कृति, जमीन और संसाधनों की रक्षा हो सके। यह अनुसूची आदिवासी बहुल पहाड़ी चार राज्यों जिसमें असम, मेघालय, त्रिपुरा, और मिजोरम में लागू है। यह जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित है जो इन समुदायों को अपनी पहचान और परंपराओं को बनाए रखने में मदद करती है। इसके तहत स्वायत्त जिला परिषदों का गठन होता है, जो स्थानीय स्तर पर भूमि, जंगल, शिक्षा और टैक्स जैसे मामलों पर कानून बना सकती हैं।

छठी अनुसूची के प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 244(2) और 275(1) के तहत दिए गए हैं। इस अनुसूची का मुख्य उद्देश्य इन क्षेत्रों की जनजातीय आबादी की संस्कृति, उनकी पहचान और उनके अधिकारों की रक्षा करना है। प्रावधानों के मुताबिक, प्रत्येक स्वायत्त जिले में एक परिषद होता है, इसमें करीब 30 सदस्य होते हैं। इसमें से 4 राज्यपाल या उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत होते हैं और 26 वोटिंग के जरिए चुने जाते हैं।

स्वायत्त परिषद के क्या अधिकार?

इन परिषदों के पास कानून बनाने, भूमि, वन, नहर, जल, स्थानांतरण, ग्राम प्रशासन, विवाह और सामाजिक रीति-रिवाजों जैसे मामलों को कंट्रोल करने की शक्तियां होती हैं। वे भूमि राजस्व और कुछ अन्य टैक्स भी लगा सकते हैं। इसके अलावा इन परिषदों के पास कुछ न्यायिक शक्तियां भी होती हैं। छठी अनुसूची के प्रावधान इन स्वायत्त परिषदों को कुछ सिविल और आपराधिक मामलों की सुनवाई करने और उस पर फैसला सुनाने के भी शक्ति देता है।

बता दें कि लद्दाख के लोग लंबे समय से संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। यह मांग इस क्षेत्र के लोगों, खासकर जनजातीय समुदायों की पहचान, उनकी भूमि और संस्कृति की सुरक्षा से जुड़ी है। दरअसल, लद्दाख एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहां की 97 प्रतिशत से अधिक आबादी अनुसूचित जनजाति (एसटी) मानी जाती है। यहां मुख्यतः बौद्ध और मुस्लिम संस्कृति है, इस बचाने की मांग होती रही है। अगर लद्दाख को छठी अनुसूची में शामिल किया जाता है, तब इन समुदायों के पारंपरिक रीति-रिवाजों, सामाजिक प्रथाओं और सामाजिक चलन समेत उनकी ऐतिहासिक विरासत को संरक्षण मिल सकेगा।

लेकिन लद्दाख के लोगों को अब यह डर भी है कि केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद, बाहरी लोग उनकी जमीनें खरीद सकते हैं और उनके संसाधनों को हथिया सकते हैं। इसके कारण छठी अनुसूची लागू होने से उन्हें अपनी भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण मिल जाएगा, और बाहरी लोगों द्वारा उनके शोषण नहीं हो सकेगा। लद्दाख के लोगों की यह भी मांग है कि सरकारी नौकरियों में स्थानीय युवाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया जाए। छठी अनुसूची के तहत स्वायत्त परिषदें रोजगार और शिक्षा के मामलों पर नियम बना सकेंगी जिससे स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा हो सकेगी।

जयशंकर ने ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने के साथ ही वैश्विक चुनौतियों के समाधान की रखी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ग्लोबल साउथ देशों को अपनी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने और उभरती वैश्विक चुनौतियों का समाधान सामूहिक रूप से खोजने की रणनीति पेश की। जयशंकर ने कहा कि ग्लोबल साउथ देशों को राजनीति, कूटनीति, विकास और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में मिलकर आगे बढ़ना चाहिए। बैठक में 18 देशों ने हिस्सा लिया, इसमें सिंगापुर, इंडोनेशिया, नाइजीरिया, क्यूबा, चाड, जमैका, वियतनाम, मॉरीशस और मोरक्को जैसे देश शामिल थे। भारत की यह पहल 'ग्लोबल साउथ की आवाज' को मजबूत करने की उनकी रणनीति का हिस्सा है। मालदीव के विदेश मंत्री ने कहा कि ग्लोबल साउथ की असली ताकत उनकी

एकता और सामूहिक कार्रवाई में है। उन्होंने समावेशी और टिकाऊ विकास पथ को आगे बढ़ाने के लिए साझेदारी की प्रतिबद्धता जताई। जयशंकर ने सुझाव दिया कि वे देश एक-दूसरे की उपलब्धियों और अनुभवों से लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने वैक्सीन उत्पादन, डिजिटल क्षमताओं, शिक्षा, कृषि पद्धतियों और लघु एवं मध्यम उद्योगों जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं गिनाईं। भविष्य की दिशा बताते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि इन देशों को उभरती प्रौद्योगिकियों, विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अवसरों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और बहुपक्षीय मंचों में सुधार के लिए मिलकर प्रयास करने का भी आह्वान किया। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा मंचों का उपयोग कर देशों के बीच एकजुटता बनाई जा सकती है और यही ग्लोबल साउथ की सामूहिक ताकत को वैश्विक स्तर पर स्थापित करेगा।

असम राइफल्स पर हमला करने वाला गिरफ्तार, भारी संख्या में हथियार बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स के काफिले पर मणिपुर के प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के आतंकवादियों द्वारा ही फायरिंग की गई थी। मामले में खोमद्रम ओजित सिंह उर्फ बोलेकर (47) को गिरफ्तार किया है, जो हमला करने वालों में शामिल था। हमले के दौरान इसने जर्मनी राइफल्स हेकलर एंड कोच से और इसके तीन से चार साथियों ने अमेरिकी राइफल एम-16 और एके-47 से गोलियां बरसाई थी।

मणिपुर पुलिस के डीजीपी ने बताया कि आरोपी खोमद्रम को 23-24 सितंबर की रात गिरफ्तार किया था। इस बारे में एक खुफिया सूचना मिली थी। जिस पर इंफाल पश्चिम पुलिस और 33-एआर समेत अन्य सुरक्षाबलों की अलग-अलग टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 सितंबर की रात एक बजे से विशेष अभियान चलाया, जिसमें इंफाल पश्चिम के लेइकाई इलाके का रहने वाला यह मुख्य आरोपी पकड़ा गया। पूछताछ में इसने अपना गुनाह कबूल कर बताया कि इसने अपने कुछ अन्य साथियों के साथ मिलकर 19 सितंबर को मणिपुर के नांबोल में असम राइफल्स के काफिले पर हमला किया था। पुलिस को उसने यह भी कि बताया कि वह पीएलए का मेंबर है और जमानत पर जेल से बाहर आया है। वह अभी भी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के लिए काम करता है। इससे पहले उसे 22 अप्रैल 2007 को भी गिरफ्तार किया गया था। हमला करने के बाद वह अन्य हमलावरों के साथ भाग गया था। जहां उन्होंने अपने हथियार और गोला-बारूद छिपाए।

आंध्र में नायडू सरकार के खिलाफ पूर्व सीएम जगन मोहन रेड्डी ने 'ऑल आउट वॉर' का ऐलान किया

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने अपनी पार्टी वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार के खिलाफ 'ऑल आउट वॉर' यानी पूरी तरह से जंग के लिए तैयार रहने को कहा है। उन्होंने नायडू सरकार की कथित गलत नीतियों, भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति को उजागर करने का आह्वान किया है। उन्होंने ये घोषणा गुंटूर जिले के ताडेपल्ली में कार्यकारी कमेटी की बैठक के दौरान की गई, जिसमें पार्टी के विधायक, एमएलसी और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे। पूर्व सीएम रेड्डी ने दावा किया कि गठबंधन सरकार के 15 महीनों के शासन में ही लोगों में काफी गुस्सा है क्योंकि वे भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और कानून व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति से परेशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार अपने सुपर सिक्स वादों को पूरा करने में विफल रही है, जिसमें बेरोजगारी भत्ता, स्त्री निधि और 50 वर्ष से कम उम्र की महिलाओं को पेंशन देने जैसे प्रमुख वादे शामिल थे। उन्होंने कहा कि जब विपक्षी पार्टियां सरकार की गलतियों को उजागर करती हैं, तब उन्हें परेशान करते हैं। उन्होंने इसतरह के मामलों को रिकॉर्ड करने के लिए डिजिटल बुक लांच करने की बात कहकर चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में इसका हिसाब लिया जाएगा।

जगन मोहन रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार यूरिया की कमी को दूर करने में विफल रही है और सत्तारूढ़ पार्टी के नेता बिचौलियों के साथ मिलकर प्रीमियम पर यूरिया बेच रहे हैं। उन्होंने सरकार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज करने और मेडिकल कॉलेजों का निजीकरण करने की योजना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भूमि, शराब, बजरी और क्वार्ट्ज जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हो रहा है और यह पैसा सत्ता में बैठे लोगों की जेब में जा रहा है।

टीडीपी का पलटवार

वाईएसआरसीपी के इन आरोपों पर पलटवार कर टीडीपी के वरिष्ठ नेता और राज्य के ऊर्जा मंत्री गोटीपति रवि कुमार ने रेड्डी के ऐलान का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि जगन मोहन रेड्डी भ्रष्टाचार के आरोपों में खुद 16 महीने जेल में रह चुके हैं, और उनका भ्रष्टाचार पर बात करना हास्यास्पद है। रवि कुमार ने कटाक्ष करते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि जगन ने यह बैठक अपनी सीबीआई मामले में जेल से रिहाई के 12 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए बुलाई है।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने माना... मैच के बाद खिलाड़ियों को हाथ मिलाना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए टी20 एशिया कप मैच के बाद पैदा हुए विवाद पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि खेल की भावना को राजनीति और सैन्य संघर्षों से दूर रखना चाहिए। दरअसल, भारत और पाकिस्तान के बीच हुए मुकाबले के बाद भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और बल्लेबाज शिवम दुबे बिना हाथ मिलाए मैदान से बाहर चले गए थे, जिस पर बहस छिड़ गई।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा, -मेरा व्यक्तिगत मानना है कि अगर हमें पाकिस्तान से इतनी आपत्ति है, तब हमें उनसे खेलना ही नहीं चाहिए था। लेकिन, एक बार खेलने का निर्णय हो गया, तब फिर खेल की भावना के साथ खेलकर खिलाड़ियों से हाथ मिलाना चाहिए था।

थरूर ने 1999 विश्वकप की याद दिलाकर कहा कि जब भारत और पाकिस्तान का मुकाबला कारगिल युद्ध की पृष्ठभूमि में हुआ था। उस दौरान दोनों देशों के सैनिक मोर्चे पर लड़ाई लड़ रहे थे, माहौल तनावपूर्ण था, लेकिन मैनचेस्टर में हुए मैच के अंत में खिलाड़ियों ने आपस में हाथ मिलाकर खेल भावना का परिचय दिया था।

थरूर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबले हमेशा खेल से आगे बढ़कर राष्ट्रीय भावनाओं और राजनीतिक तनावों का प्रतीक बन जाते हैं। लेकिन खिलाड़ियों का दायित्व खेल भावना को निभाने का है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि खेल को राजनीति और राज्य से अलग रखना चाहिए। उन्होंने कहा, हाथ मिलाने से इंकार करना साहस नहीं बल्कि असुरक्षा की भावना का प्रतीक है। सच्ची ताकत प्रतिद्वंद्वी को सम्मान देने में है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आतंकवाद से लड़ाई को पूरे पाकिस्तान से जोड़ना खतरनाक प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा, -हमें गैर-राज्य कारकों और पाकिस्तान की आम जनता में फर्क करना होगा। पूरे मुल्क को दुश्मन मान लेना न सिर्फ बौद्धिक भूल है, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी हानिकारक है।- थरूर के अनुसार, भारत को पाकिस्तान की जनता में शांति और संयम की ताकतों को बढ़ावा देने वाली नीति अपनानी चाहिए, ताकि कट्टरपंथी विचारधाराओं को कमजोर किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारत एक आत्मविश्वासी लोकतंत्र और उभरती वैश्विक शक्ति है, और उसके आचरण में यही आत्मविश्वास झलकना चाहिए।

बेंगलुरु का ट्रैफिक संकट गंभीर सरकार के साथ मिलकर स्थाई समाधान खोजेंगे: अजीम प्रेमजी

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईटी राजधानी बेंगलुरु के आउटर रिंग रोड पर बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आईटी कंपनी विप्रो से सहयोग की अपील की थी। उन्होंने प्रस्ताव रखा था कि यदि सरजापुर कैंपस का एक हिस्सा सीमित समय के लिए आम लोगों के आवागमन के लिए खोल दिया जाए तो ओआरआर पर ट्रैफिक का दबाव लगभग 30 प्रतिशत तक घट सकता है। उन्होंने इसी के साथ कहा कि बेंगलुरु का ट्रैफिक संकट गंभीर है और वे सरकार के साथ मिलकर इसका स्थाई समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की इस आशय की अपील पर विप्रो के फाउंडर चेयरमैन अजीम प्रेमजी ने इंकार करते हुए जवाब दिया है। उन्होंने अपने जवाब में साफ किया कि सरजापुर कैंपस स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज) के अंतर्गत आता है और यहां ग्लोबल क्लाइंट्स को सर्विस दी जाती है। ऐसे में पब्लिक मूवमेंट की अनुमति न तो कानूनी रूप से संभव है और न ही यह सुरक्षा दृष्टि से ही सही है। दरअसल अजीम प्रेमजी ने अपने जवाब में कहा है, कि सरजापुर कैंपस निजी संपत्ति है और इसे पब्लिक आवागमन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सेज नियम और कॉन्ट्रैक्चुअल दायित्व सख्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग करते हैं। यह कदम किसी भी रूप में दीर्घकालिक समाधान नहीं साबित होगा। हालांकि, प्रेमजी ने बेंगलुरु के ट्रैफिक संकट को गंभीर मानते हुए सरकार के साथ मिलकर स्थायी समाधान खोजने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने सुझाव दिया कि डेटा-ड्रिवन और कोलैबोरेटिव स्टडी कराई जाए, जिससे शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म समाधान निकाले जा सकें।

ई-मेल ने बाबा और उसकी सहयोगी 3 महिलाओं की करतूतों को किया उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट से जुड़े स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती की करतूतें सामने आ गई है। परेशान छात्राओं ने जब यौन उत्पीड़न की शिकायतें तो बाबा एक्सपोस हो गया। दरअसल एक वायु सेना के ग्रुप कमांडर का ई-मेल ने पूरे मामले का खुलासा कर दिया। इसमें बाबा की 3 सहयोगी महिलाओं की भी मिलीभगत सामने आई है। यह सनसनीखेज मामला तब सामने आया जब एक पूर्व छात्रा का पत्र और भारतीय वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन का ईमेल दोनों ही संस्थान को कुछ दिनों के अंदर प्राप्त हुए। इन शिकायतों ने शारदा पीठ और संस्थान की गवर्निंग काउंसिल को चौंका दिया। पूर्व छात्रा की चिट्ठी और ग्रुप कैप्टन के ईमेल ने बाबा और उनके तीन महिला सहयोगियों की साजिश का पर्दाफाश कर दिया।

खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाला यह बाबा बड़ा कांडी निकला। एक या दो नहीं, बल्कि दर्जनभर से ज्यादा छात्राओं ने चैतन्यानंद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोपी बाबा लंबे समय से छात्राओं के साथ खिलवाड़ कर रहा था। लेकिन कहते हैं न कि हर पापी के पाप का घड़ा एक दिन जरूर फूटता है। चैतन्यानंद के साथ भी कुछ वैसा ही हुआ। काली दुनिया का राज जबसे सामने आया है, बाबा के वीवीआईपी खेल का पर्दाफाश हुआ। शारदा पीठ की एक पूर्व छात्रा (जिसने इसी साल संस्थान से पढ़ाई पूरी की थी) ने 28 जुलाई को संस्थान के प्रशासन को पत्र लिखा। यह पत्र 31 जुलाई को रिसीव हुआ। इसमें छात्रा ने आरोप लगाया कि स्वामी छात्राओं से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न कर रहे हैं। इसके बाद, 1 अगस्त को भारतीय वायुसेना के एक ग्रुप कैप्टन का ईमेल आया। उन्होंने बताया कि उन्हें भी एयरफोर्स परिवारों की कई छात्राओं से यौन शोषण की शिकायतें मिली हैं। शिकायतों के बाद 3 अगस्त को संस्थान की गवर्निंग काउंसिल ने 30 से ज्यादा छात्राओं के साथ वर्चुअल मीटिंग की। पुलिस अब तक 32 छात्राओं के बयान दर्ज कर चुकी है। इनमें ज्यादातर छात्राएं गरीब तबके या फिर फौजी परिवारों से ताल्लुक रखती हैं। आरोप है कि चैतन्यानंद और उनकी महिला सहयोगियों ने छात्राओं के एजुकेशन से जुड़े असली सर्टिफिकेट अपने कब्जे में ले लिए। इस वजह से विरोध करने वाली छात्राओं की पढ़ाई और करियर खतरे में पड़ गया।

मार्च 2025 में स्वामी ने नई कार की पूजा के लिए कुछ छात्राओं को ऋषिकेश ले गया था। आरोप है कि वापसी के दौरान उन्होंने लड़कियों पर अश्लील कमेंट किए। लौटने के बाद महिला स्टाफ ने छात्रा को स्वामी के साथ हुए चैट डिलीट करने के लिए मजबूर किया। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया कि होली के बाद स्वामी ने उसे ऑफिस बुलाया और 'बेबी' कहकर संबोधित किया। इसके अलावा मोबाइल से वीडियो बनाकर व्हाट्सएप पर भेजा। जून 2025 में 35 लड़कियों को एक कमर्शियल यात्रा पर ऋषिकेश ले जाया गया। वहां, स्वामी रात को छात्राओं को बुलाते थे। जब छात्रा ने विरोध किया तो उसे परीक्षा में बैठने से रोक दिया गया और उसके सारे असली सर्टिफिकेट रख लिए। एफआईआर और छात्राओं के आरोपों के अनुसार, स्वामी चैतन्यानंद ने मठ के कमरे में वीआईपी और वीवीआईपी लोगों के साथ अपनी फर्जी तस्वीरें लगाई थीं। इन फर्जी फोटो का मकसद संस्थान और मठ में अपना रुतबा कायम रखना और छात्राओं व स्टाफ पर दबाव बनाना था। आरोपी बाबा इसके दम पर अपनी धमक बनाने में कामयाब भी रहा।

फरार बाबा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी

बाबा स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने कहा, देश से भागने के किसी भी प्रयास को रोकने के लिए उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। पुलिस द्वारा स्वामी के मोबाइल, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस यह भी कोशिश कर रही है कि जिन अश्लील चैट्स को उसने छात्राओं से डिलीट करवाया था, उन्हें फॉरेंसिक तरीके से रिकवर किया जाए। यह पहला मौका नहीं है जब उस पर आरोप लगे हैं। साल 2006, 2009 और 2016 में भी उस पर यौन शोषण और धोखाधड़ी के केस दर्ज हुए थे। स्वामी पर 2009 में दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी का केस चला था। इसके अलावा, साल 2016 में एक छात्रा ने वसंत कुंज थाने में उसके खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया, लेकिन बाद में वह जमानत पर बाहर आ गया और संस्थान में काम करता रहा। उसके खिलाफ इस साल तीन और नए मामले दर्ज हुए हैं - 17 छात्राओं का यौन उत्पीड़न, फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल और मठ से धोखाधड़ी।